नई दिल्ली । रविवार, 12 जुलाई, 2026
आषाढ़ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :187 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक

विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

नई दिल्ली संस्करण

vishwakesari.com

@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल एशियन गेम्स से पहले अनिमेष कुजूर ने बनाया नया...
@ साहित्य केसरी चंदा की चमक...
@ व्यापार ब्रिक्स देशों से केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की अपील...

वियतनाम के फु क्वाक द्वीप के पास दर्दनाक हादसा

वियतनाम में भारतीय पर्यटकों से भरी नाव पलटी, 15 की मौत

21 लोग बचाए गए, अस्पतालों में भर्ती | राहत और बचाव अभियान जारी

हादसे की प्रमुख बातें

- फु क्वोक द्वीप के पास भारतीय पर्यटकों को ले जा रही स्पीडबोट पलटी
- नाव में सवार थे 32 भारतीय पर्यटक, 1 टूर गाइड और चालक दल के 4 सदस्य
- 15 लोगों की मौत, जिनमें 2 महिलाएं और 13 पुरुष शामिल
- 21 लोगों को बचाकर विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया
- तकनीकी खराबी के कारण हादसा होने की आशंका

एजेंसी ■ हनोई

वियतनाम के फु क्वोक द्वीप के पास शनिवार को भारतीय पर्यटकों को लेकर जा रही एक नाव पलट गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 21 लोगों को बचाकर विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। स्थानीय प्रशासन राहत एवं बचाव अभियान चला रहा है। वियतनाम में भारतीय दूतावास ने बताया कि हादसे के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।

हनोई स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कुछ घंटे पहले फु क्वोक द्वीप के पास कई भारतीय पर्यटकों को लेकर जा रही एक नाव पलटने की दुखद घटना हुई है। स्थानीय प्रशासन द्वारा खोज एवं बचाव अभियान जारी है और घटना के सटीक विवरण जुटाए जा रहे हैं।

पीड़ित परिवारों की सहायता और जानकारी उपलब्ध कराने के लिए भारतीय वाणिज्य दूतावास (हो ची मिन्ह सिटी) में एक नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) स्थापित किया गया है। इसके अलावा हनोई में भी एक अलग नियंत्रण कक्ष बनाया गया है।

स्थानीय समाचार वेबसाइट वीएनएक्सप्रेस के अनुसार, हादसे का शिकार हुई स्पीडबोट में 32 भारतीय पर्यटक, एक टूर गाइड और चालक दल के चार सदस्य सवार थे। रिपोर्ट के मुताबिक, फु क्वोक विशेष आर्थिक क्षेत्र के अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा दोपहर करीब एक बजे हुआ, जब ओशन पर्ल आइलैंड कंपनी की स्पीडबोट में अचानक तकनीकी खराबी आ गई और वह पलट गई।

आसपास मौजूद कई पर्यटक नौकाएं तुरंत बचाव के लिए मौके पर पहुंचीं।

एन थोई पोर्ट बॉर्डर गार्ड स्टेशन के अनुसार, हादसे में 15 लोगों की मौत हुई है, जिनमें दो महिलाएं और 13 पुरुष शामिल हैं। वहीं, बचाए गए 21 लोगों को आपात चिकित्सा उपचार के लिए विभिन्न अस्पतालों में भेजा गया है।

बचाव अभियान के लिए बॉर्डर गार्ड स्टेशन ने 35 अधिकारियों और जवानों के साथ दो जहाज तैनात किए हैं। नौसेना और तटरक्षक बल भी राहत एवं बचाव अभियान में सहयोग कर रहे हैं।

फु क्वोक के पास स्थित मे रुट न्गोआई द्वीप कोरल रीफ डाइविंग के लिए प्रसिद्ध है। यहां पहुंचने के लिए पर्यटक आमतौर पर 20 से 40 मिनट की स्पीडबोट या नाव यात्रा करते हैं।

वियतनाम नौका हादसे पर पीएम मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वियतनाम में हुए नौका हादसे पर दुख जताया है। पीएम मोदी ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए भारतीय दूतावास की ओर से हर संभव मदद पहुंचाने का उल्लेख किया। राजनाथ सिंह ने भी इस दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

ईरान में शोक की लहर, जनाजे में उमड़ा सैलाब

खामेनेई: सुप्रीम लीडर की मौत का बदला लेंगे

एजेंसी ■ तेहरान

ईरान के वर्तमान सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई ने दिवंगत पिता अयातुल्ला अली खामेनेई को सुपुर्द-ए-खाक किए जाने के बाद सार्वजनिक संदेश जारी किया है। टेलीग्राम और इसके साथ ही आधिकारिक वेबसाइट 'रहबर डॉट आईआर' पर भी शोक संदेश पोस्ट किया। उन्होंने कहा, 'मैं अपने पिता के खून का बदला जरूर लूंगा; बदला ही हमारे देश की भी इच्छा है।

मुजतबा खामेनेई ने जनाजे में शामिल लाखों लोगों का आभार जताया। इस्लामिक क्रांति में खामेनेई के योगदान को याद दिलाया। इसके साथ ही इराक, ईरान और अन्य देशों का भी इस लड़ाई में शामिल होने के लिए आह्वान किया। उन्होंने जनाजे में लोगों की भारी मौजूदगी को ऐतिहासिक और दुश्मनों को करारा जवाब देने वाला करार दिया।

उन्होंने कहा, 'मैं ईरान और इराक के शहरों और गांवों, विशेष रूप से तेहरान, कोम, नजफ, कर्बला और मशहद में करोड़ों लोगों की उपस्थिति की सराहना करता हूं; यह ऐतिहासिक और अभूतपूर्व थी।

वो बोले- 'निर्दोष पिता के खून और उनके साथ हाल की जंग में मारे गए लोगों का बदला लिया जाएगा और प्रतिशोध ही अवाम की इच्छा है।

अमेरिका और इजरायल को ठहराया जाएगा जवाबदेह: ईरान के मुख्य न्यायाधीश

- मुख्य न्यायाधीश एमांनी एजेई का बयान
- युद्ध अपराधों के लिए अमेरिका और इजरायल पर कार्रवाई का संकल्प
- अंतराष्ट्रीय अदालतों में ले जाया जाएगा मामला
- ईरान नुकसान की भरपाई के लिए भी करेगा प्रयास
- युद्ध अपराधों के दस्तावेजीकरण के लिए अंतराष्ट्रीय सहयोग की अपील
- सत्य की आवाज और न्याय की मांग को दबाया नहीं जा सकता

शिंदे ने उठाया सिद्धिविनायक मंदिर घोटाले का मुद्दा

एजेंसी ■ मुंबई

अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मुद्दे पर महाराष्ट्र की राजनीति में छिड़े आरोप-प्रत्यारोप के बीच अब मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर ट्रस्ट का मामला भी सुर्खियों में आ गया है।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राममंदिर मुद्दे पर शिवसेना (यूबीटी) के आरोपों का जवाब देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के

कार्यकाल में श्री सिद्धिविनायक ट्रस्ट में कथित घोटाले का मुद्दा उठाया, तो ट्रस्ट के तत्कालीन अध्यक्ष एवं मराठी अभिनेता आदेश बांदेकर ने सामने आकर आरोपों का कड़ा खंडन किया।

उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में यदि किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता या घोटाले के प्रमाण मिलते हैं तो उन्हें मंदिर के सामने ही फांसी पर लटका दिया जाए।

दरअसल, श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मुद्दे पर शिवसेना (यूबीटी) लगातार राज्य सरकार और संबंधित पक्षों पर सवाल उठा रही है।

राष्ट्रगान से पहले गूंजेगा 'वंदे मातरम'

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' और राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को लेकर सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों को नए निर्देश जारी किए हैं। मंत्रालय ने कहा है कि नियमों में पहले से तय है कि किन कार्यक्रमों में दोनों को गाना या बजाना जरूरी है। MHA ने कहा कि नई गाइडलाइन में उन मौकों की पूरी लिस्ट दी गई है जिन पर भारत का राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान बजाया या गाया जाना चाहिए।

9 जुलाई के आदेश में कहा गया है कि राष्ट्रीय गीत नागरिक सम्मान समारोहों के मौकों पर, राष्ट्रपति के औपचारिक राजकीय कार्यक्रमों और सरकार द्वारा आयोजित अन्य कार्यक्रमों में उनके आने और वहां से जाने के समय, इसके साथ ही राष्ट्रपति द्वारा ऑल इंडिया रेडियो (AIR) और टेलीविजन पर देश को

संबोधित करने से ठीक पहले और बाद में गाया जाएगा।

कब और किन मौकों पर गाया जा सकता है?

इसे राज्यपाल और उप-राज्यपाल के अपने राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में औपचारिक राजकीय कार्यक्रमों में आने और वहां से जाने के समय, और परेड में राष्ट्रीय ध्वज लाए जाने के समय भी बजाया जाएगा।

आदेश में कहा गया, 'यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान को गाते या बजाते समय उनके सही शब्दों और उच्चारण का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर सही शब्द और उच्चारण गाइड उपलब्ध कराई है। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रीय गीत किसी भी अन्य मौके पर भी बजाया जाएगा, जिसके लिए भारत सरकार द्वारा विशेष आदेश जारी किए जाएं। आदेश में कहा गया, 'कुछ राज्यों में राष्ट्रगान/राष्ट्रीय गीत के साथ राज्य गीत भी गाया और बजाया जाता है।

यह बताया जाता है कि जब भी राष्ट्रीय गीत/राष्ट्रगान के साथ राज्य गीत गाया या बजाया जाए, तो राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान दोनों को एक साथ गाया या बजाया जाना चाहिए; और पहले राष्ट्रीय गीत गाया या बजाया जाएगा और उसके बाद राष्ट्रगान।

28 जनवरी को जारी हुआ था पहला आदेश

28 जनवरी के एक आदेश में, गृह मंत्रालय ने राष्ट्रगीत गाने के लिए प्रोटोकॉल का पहला सेट जारी किया था। इसमें निर्देश दिया गया था कि राष्ट्रपति के आगमन, तिरंगा फहराने और राज्यपालों के भाषण जैसे सरकारी कार्यक्रमों में इसके छह पद गाए जाएंगे, जिनकी अवधि तीन मिनट दस सेकंड होगी।

केजरीवाल ने ई-20 पेट्रोल पर उठाए सवाल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को राजधानी दिल्ली के एक पेट्रोल पंप और सर्विस स्टेशन का दौरा कर ई-20 (20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित) पेट्रोल को लेकर वाहन चालकों की समस्याओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने वाहन मालिकों से बातचीत की, सर्विस स्टेशन के कर्मचारियों से फीडबैक लिया और कुछ वाहनों के इंजन की भी जांच की।

केजरीवाल ने दावा किया कि ई-20 पेट्रोल को लेकर सरकार जो दावे कर रही है, वे 'सफेद झूठ' हैं और जमीनी हकीकत इससे अलग है। उन्होंने कहा कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर लोगों में नाराजगी है और कई वाहन मालिकों ने माइलेज कम होने की शिकायत की है।

इस बारे में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी लिखी है, जिसमें उन्होंने लिखा- आज मैंने दिल्ली के एक पेट्रोल पंप और सर्विस स्टेशन पर जाकर ज़मीनी हक़ीक़त जानी। सरकार सफ़ेद झूठ बोल रही है। ई-20 के कारण गाड़ियों में सच में दिक्कतें आ रही हैं। आम लोग ethanol से बहुत दुखी हैं।

ऑकलैंड में पीएम मोदी का संबोधन

भारत बना विकास का वैश्विक मॉडल: नरेंद्र मोदी

दुनिया को दे रहे हैं विकास का नया मॉडल

एजेंसी ■ ऑकलैंड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेजी से हो रहे आर्थिक बदलाव पर जोर देते हुए कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश बन गया है। साथ ही यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता और टेलीकॉम मार्केट और दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल मार्केट भी बन गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'वैश्विक चुनौतियों के बीच आज भारत जिस तेजी से विकास कर रहा है, वह अभूतपूर्व है। मैं आपके सामने देश की उपलब्धियों का एक गुलदस्ता प्रस्तुत करूंगा। मैं आपके लिए यह लाया हूं। इसमें आपकी पसंद का कोई न कोई फूल जरूर होगा, जो आपको सुंदर भी लगेगा और गर्व से भर भी देगा। भारत आज दुनिया की फास्टेस्ट ग्रोइंग मेजर इकोनॉमी है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन प्रोड्यूसर, दुनिया का सबसे बड़ा मोबाइल डेटा कंजप्शन में अग्रणी देशों में है।

उन्होंने कहा, 'आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल मैन्युफैक्चरर है, दुनिया का सबसे बड़ा टेलीकॉम मार्केट, दूसरा सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक, सबसे बड़ा दूध उत्पादक, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक और तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल मार्केट है। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। भारत बहुत जल्द दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा प्रोड्यूसर बनने जा रहा है। सोलर एनर्जी कैपेसिटी में भी भारत दुनिया के बड़े देशों में शामिल हो चुका है।'

पीएम मोदी ने कहा कि आज का भारत दुनिया को विकास के नए मॉडल दे रहा है। भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल आइडेंटिटी प्लेटफॉर्म का सफल संचालन कर रहा है। भारत में यूपीआई के माध्यम से हर महीने अरबों डिजिटल ट्रांजेक्शन हो रहे हैं।

भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर में आज दुनिया के दर्जनों देश दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ड्रोन तकनीक और स्पेस इकोनॉमी में भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। ये उस नए भारत की तस्वीर है, जो दिखाती है कि कैसे भारत न्यूजीलैंड की तरह की इकोनॉमी और इकोलॉजी दोनों में संतुलन बनाकर चल रहा है।

> "भारतीय पीएम को न्यूजीलैंड आने में 40 साल लगे हैं, लेकिन अब इतना लंबा इंतजार आपको नहीं करना पड़ेगा। मोदी की गारंटी मतलब गारंटी पूरा होने की गारंटी।
> – नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

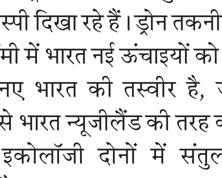

अमरनाथ यात्रा: हर कदम पर सीआईएसएफ की कड़ी निगरानी

एजेंसी ■ श्रीनगर

पवित्र श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 के दौरान देशभर से हजारों श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जम्मू-कश्मीर पहुंच रहे हैं। कठिन पर्वतीय मार्ग और संवेदनशील सुरक्षा परिस्थितियों को देखते हुए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने यात्रा मार्ग पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। बल के जवान पूरी सतर्कता, पेशेवर दक्षता और समर्पण के साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में जुटे हुए हैं, ताकि हर यात्री सुरक्षित और निश्चिंत होकर अपनी धार्मिक यात्रा पूरी कर सके।

सीआईएसएफ के अनुसार, यात्रा मार्ग पर लगातार 'रूट एरिया डोमिनेशन (आरएडी) पेट्रोलिंग' की जा रही है। इस अभियान के तहत सुरक्षा बलों की टीमें पूरे मार्ग पर नियमित गश्त कर रही हैं, जिससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत नजर रखी जा सके और संभावित सुरक्षा जोखिमों को समय रहते समाप्त किया जा सके। यात्रा के विभिन्न पड़ावों और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है।

यात्रा के दौरान चौबीसों घंटे निगरानी की व्यवस्था की गई है। आधुनिक सुरक्षा उपकरणों और प्रशिक्षित जवानों की मदद से पूरे यात्रा मार्ग पर लगातार नजर रखी जा रही है।

देश के 70% हिस्से से मानसूनी बादल गायब

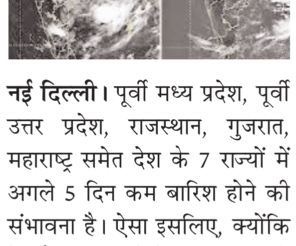

नई दिल्ली। पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र समेत देश के 7 राज्यों में अगले 5 दिन कम बारिश होने की संभावना है। ऐसा इसलिए, क्योंकि देश के 70% हिस्से से बादल गायब हो गए हैं।

आईएमडी की नई सैटेलाइट तस्वीरों और विंडी.कॉम के मुताबिक बादल पूर्व और पूर्वोत्तर के राज्यों जैसे- उत्तराखंड, यूपी, बिहार, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा की तरफ चले गए हैं। इधर के देश के जिन हिस्सों में मानसून थोड़ा बहुत सक्रिय है, वहां सड़कों पर पानी भरने, नदियो में बाढ़ आने जैसी घटनाएं हो रही हैं।

30.43 करोड़ रुपए की नशीली दवाएं जब्त, 8 लोग गिरफ्तार

विश्व केसरी

बेंगलुरु। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने शनिवार को कहा कि राज्य पुलिस बल को नशीले पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई में एक और बड़ी कामयाबी मिली है। बेंगलुरु सिटी पुलिस ने अंतर-राज्यीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया और 30.43 करोड़ रुपए मूल्य के प्रतिबंधित नशीले पदार्थ जब्त किए।

पत्रकारों से बात करते हुए खड़गे ने कहा कि पुलिस ने कई मिले-जुले ऑपरेशन में 29 किलो एमडीएमए, 20 ग्राम कोकीन और 1,000 एक्स्टसी टैबलेट जब्त किए। जब्त किए गए नशीले पदार्थों की अनुमानित कीमत 30.43 करोड़ रुपए है, जबकि बाजार में इनकी कीमत लगभग 60.86 करोड़ रुपए है।

इन ऑपरेशन के सिलसिले में कुल पांच मामले दर्ज किए गए हैं और आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें एक विदेशी नागरिक भी शामिल है। पहले ऑपरेशन में, जो उत्तरी बेंगलुरु के हेब्बल पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में चलाया गया था, पुलिस ने एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया और 17.282 किलो एमडीएमए जब्त किया, जिसकी कीमत 17.28 करोड़ रुपए है। आरोपियों से जुड़े अंतर-राज्यीय सप्लाई नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। एक अन्य ऑपरेशन में, सेंट्रल क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स विंग ने 6.718 किलो एमडीएमए और 20 ग्राम कोकीन जब्त की, जिसकी कीमत 7.15 करोड़ रुपए है। मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया और जांचकर्ता ड्रग्स के स्रोत के साथ-साथ तस्करी के पीछे के वित्तीय नेटवर्क की भी जांच कर रहे हैं।

गिरिनगर पुलिस स्टेशन में दर्ज एक अलग मामले में, अधिकारियों ने 5 किलो एमडीएमए और 1,000 एक्स्टसी टैबलेट जब्त किए, जिनकी कीमत 6 करोड़ रुपए है।

खड़गे ने दोहराया कि कर्नाटक सरकार नशीले पदार्थों के खिलाफ सख्त 'जीरो-टॉलरेंस' नीति लागू कर रही है और राज्य में चल रहे ड्रग तस्करी नेटवर्क को पूरी तरह से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों के उत्पादन, परिवहन, बिक्री या सेवन में शामिल लोगों के प्रति कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। कर्नाटक भर में पुलिस इकाइयां आपसी तालमेल के साथ काम कर रही हैं और अंतर-राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट पर भी कड़ी नजर रख रही हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि बेंगलुरु सिटी पुलिस ने हाल के सप्ताहों में ड्रग से जुड़े सैकड़ों मामले दर्ज किए हैं, कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है और कई करोड़ रुपए के नशीले पदार्थ जब्त किए हैं, जिससे संगठित ड्रग नेटवर्क को बार-बार झटका लगा है।

खड़गे ने जनता, खासकर माता-पिता और शिक्षण संस्थानों से भी अपील की कि वे ड्रग्स के दुरुपयोग के खिलाफ लड़ाई में पुलिस का सहयोग करें। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना दें ताकि कर्नाटक को ड्रग-मुक्त राज्य बनाने में मदद मिल सके।

'इग्नाइटिंग आइडियाज फोरम 2026' ने नेतृत्व शिक्षा और राष्ट्र निर्माण पर राष्ट्रीय संवाद को गति दी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पीतांबर पब्लिशिंग कंपनी ने प्रख्यात शिक्षाविद् और लेखक अशोक के. पांडे की पुस्तक 'इग्नाइटिंग ए बिलियन लैंप्स' के प्रकाशन के उपलक्ष्य में 'इंडिया इंटरनेशनल सेंटर' में नेतृत्व, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण पर राष्ट्रीय संवाद 'इग्नाइटिंग आइडियाज फोरम 2026' का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

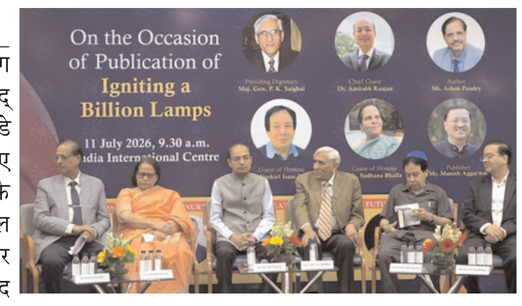

इस मंच ने भारत में शिक्षा के भविष्य पर गहन चर्चा के लिए प्रख्यात शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, शासन विशेषज्ञों और नागरिक समाज के सदस्यों को एक साथ लाने का काम किया। एक पारंपरिक पुस्तक विमोचन के बजाय एक बौद्धिक संवाद के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम में देश के शैक्षिक परिदृश्य को आकार देने में नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। इस अवसर पर बोलते हुए अशोक के. पांडे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन और नेतृत्व से प्रेरित होने के बाद, 'इग्नाइटिंग ए बिलियन लैंप्स' कोई जीवनी नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पुस्तक सार्वजनिक जीवन से प्राप्त शैक्षिक, संस्थागत और नेतृत्व संबंधी पाठों का विश्लेषण करते हुए एक चिंतनशील कृति है। यह भारत के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने पर सार्थक चर्चाओं को प्रोत्साहित करती है। इस चर्चा का केंद्र बिंदु 'भारत को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए हमारे स्कूलों में किस प्रकार के नेतृत्व को बढ़ावा देना चाहिए?' रहा। वक्ताओं ने एक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए मूल्य-आधारित शिक्षा, कक्षाओं में नवाचार, चरित्र निर्माण, आलोचनात्मक सोच और छात्रों में जिम्मेदार नेतृत्व के विकास की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रतिभागियों ने इस बात पर बल दिया कि शिक्षा को केवल अकादमिक उत्कृष्टता तक सीमित न रहकर, सत्यनिष्ठा, दृढ़ता और राष्ट्रीय जिम्मेदारी की प्रबल भावना से युक्त जिम्मेदार नागरिकों का पोषण करना चाहिए। मंच ने तेजी से विकसित हो रहे राष्ट्र की आकांक्षाओं को पूरा करने वाली शिक्षा प्रणाली के निर्माण में शिक्षकों, नीति निर्माताओं और संस्थानों के बीच सहयोग के महत्व को भी रेखांकित किया। इग्नाइटिंग ए बिलियन लैंप्स' के प्रकाशन को शिक्षा और नेतृत्व पर राष्ट्रीय चर्चा में एक सामयिक योगदान के रूप में व्यापक रूप से सराहा गया। कार्यक्रम का समापन एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ, जिसके बाद प्रतिभागियों ने भारत के शिक्षा तंत्र को मजबूत करने और भविष्य के लिए तैयार नेताओं को पोषित करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

संक्षिप्त खबरें

गैस टैंकर हटाने में देरी के बीच बेकाबू ट्रेलर ने दो कारों को मारी टक्कर

विश्व केसरी

रांची। झारखंड के रामगढ़ थाना क्षेत्र में एक बड़ा हादसा टल गया। दरअसल, रामगढ़ थाना क्षेत्र स्थित खतरनाक चुट्टूपालू घाटी में शनिवार को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। सड़क पर पहले से दुर्घटनाग्रस्त एलपीजी टैंकर मौजूद था। इसी दौरान एक ट्रेलर ब्रेक फेल होने के कारण अनियंत्रित होकर तेज रफ्तार में वहां पहुंचा और एनएच 33 सड़क पर चल रही दो कारों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कई लोग बाल-बाल एक बड़े हादसे का शिकार होने से बचे, जबकि दोनों कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त गैस से लदे टैंकर को समय पर हटाया नहीं जा सका था। उनका आरोप है कि एनएचएआई की रेस्क्यू टीम टैंकर को तत्काल हटाने में सफल नहीं हुई, जिसके कारण सड़क पर जोखिम बना रहा और इसी बीच अनियंत्रित ट्रेलर पीछे से आ गए। यदि ट्रेलर सीधे गैस टैंकर से टकरा जाता तो स्थिति बेहद भयावह हो सकती थी। ट्रेलर की चपेट में आने से स्विफ्ट और क्रेटा गाड़ियां पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

घर के अंदर महिला की बेरहमी से हत्या, सात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर

विश्व केसरी

बेंगलुरु। कर्नाटक के बीदर जिले से एक सनसनीखेज हत्या का मामला प्रकाश में आया है, जहां शनिवार सुबह बीदर जिले के भालकी तालुक के हलगीरटा गांव में 35 वर्ष की एक महिला अनीता की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मामले को लेकर दर्ज एफआईआर के मुताबिक, यह घटना सुबह करीब 8 बजे हुई, जब पीड़िता अपने घर पर थी। शिकायत करने वाले का आरोप है कि एक विरोधी परिवार के सात सदस्य गैर-कानूनी तरीके से घर में घुस आए। मुख्य आरोपी ने कथित तौर पर अनीता पर कुल्हाड़ी से हमला किया, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट आई, जबकि बाकी आरोपियों ने हमले के लिए उसे उकसाया और बढ़ावा दिया। घटना के दौरान मदद के लिए महिला की चीख-पुकार सुनकर परिवार के सदस्य और पड़ोसी मौके पर पहुंचे और घायल महिला को तुरंत भालकी के सरकारी अस्पताल ले गए। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एफआईआर में यह भी कहा गया है कि शिकायतकर्ता का आरोप है कि यह हमला आरोपियों ने मिलकर किया था। शिकायत के आधार पर, खटाका चिंचोली पुलिस ने हत्या और उससे जुड़े अन्य अपराधों सहित भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत सात आरोपियों के खिलाफ अपराध संख्या 66/2026 दर्ज की है।

60 लाख रुपए की धोखाधड़ी के मामले में घोषित अपराधी गिरफ्तार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को एक शख्स को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे के घरेलू टर्मिनल से गिरफ्तार किया। शख्स पर 60 लाख रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है।

यह गिरफ्तारी केंद्रीय जिला पुलिस द्वारा घोषित अपराधियों और फरार आरोपियों के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान के तहत की गई। आरोपी की पहचान मुकेश कुमार (39) के रूप में हुई है। आरोपी उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के टेकजोन-4 का निवासी है। पुलिस के अनुसार, आईपी एस्टेट पुलिस स्टेशन के एसएचओ की देखरेख और कमला मार्केट के एसीपी के समग्र मार्गदर्शन में सब-इंस्पेक्टर गौरव दलाल, हेड कांस्टेबल ललित, कांस्टेबल प्रकाश और कांस्टेबल रामजीलाल की एक विशेष टीम गठित की गई थी। आरोपी का पता लगाने के लिए टीम ने तकनीकी इनपुट और प्रत्यक्ष जानकारी के आधार पर लगातार काम किया। पुलिस अधिकारियों ने कई बार उसके आवास का दौरा किया, लेकिन वह नहीं मिला। निगरानी बढ़ा दी गई और गुप्त मुखबिरों के माध्यम से जानकारी जुटाई गई। 10 जुलाई को पुलिस को पुख्ता सूचना मिली कि मुकेश कुमार आईजीआई हवाई अड्डे के घरेलू टर्मिनल पर मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और छापेमारी कर आरोपी को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आईपी एस्टेट पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 468, 471 और 34 के तहत दर्ज एफआईआर में मुकेश कुमार को भगोड़ा घोषित किया गया था। उसे 25 जुलाई, 2025 को दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) प्रीति की अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित किया गया था।

पंजाब कांग्रेस में एकजुटता की कोशिश, नेताओं ने भूपेश बघेल के सामने रखीं अपनी चिंताएं: प्रताप सिंह बाजवा

विश्व केसरी

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के भीतर संगठनात्मक मुद्दों और नेताओं की चिंताओं को लेकर पार्टी के प्रभारी भूपेश बघेल के साथ हुई बैठकों को लेकर पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि बघेल के पांच दिवसीय पंजाब दौरे के दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को अपनी बात रखने का पूरा मौका मिला और सभी ने खुलकर अपनी समस्याएं एवं सुझाव साझा किए।

प्रताप सिंह बाजवा ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि जब वे भूपेश बघेल को एयरपोर्ट से अपने आवास लेकर आए थे, तभी बातचीत में यह तय हुआ था कि बघेल पार्टी नेताओं की छोटी-बड़ी सभी चिंताओं को सुनेंगे। इसके बाद उनके प्रवास के दौरान कई लंच, डिनर और ब्रेकफास्ट बैठकों का आयोजन किया गया, जिनमें कांग्रेस के अलग-अलग नेताओं ने अपनी राय रखी।

बाजवा ने कहा, 'विधायक राणा गुरजीत सिंह, जो विधानसभा में मेरे साथी हैं, ने मुझे बुलाया था; बैठक में पंजाब के कई नेता शामिल हुए थे। इस दौरान नेताओं ने भूपेश बघेल के सामने अपनी बात रखी और उनसे आग्रह किया कि वे पार्टी हाईकमान तक उनकी चिंताओं को पहुंचाएं। नेताओं का कहना था कि वे चाहते हैं कि उनकी समस्याओं को संगठन के शीर्ष स्तर पर सुना जाए और उचित समाधान निकाला जाए।'

उन्होंने कहा, 'भूपेश बघेल ने सभी नेताओं को आश्वासन दिया है कि उनकी चिंताओं और हितों का ध्यान रखा जाएगा। बघेल ने भरोसा दिलाया कि वे सभी मुद्दों को पार्टी हाईकमान के सामने रखेंगे और वहां से मिलने वाले निर्देशों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।'

बाजवा के अनुसार, कई नेताओं ने यह इच्छा भी जताई कि पार्टी नेतृत्व उन्हें आगे काम करने का अवसर दे। उन्होंने कहा, 'नेताओं को भरोसा है कि उनकी बातों को गंभीरता से लिया जाएगा। पंजाब के लोग चाहते हैं कि कांग्रेस एकजुट होकर काम करे और राज्य के हितों से जुड़े मुद्दों पर मजबूती से आगे बढ़े।'

पलक्कड़ में सोने की दो नथ के लिए महिला की हत्या

विश्व केसरी

पलक्कड़। केरल के पलक्कड़ स्थित कोझिनजामपारा से एक 66 वर्षीय महिला के लापता होने के मामले में एक भयानक हत्या का खुलासा हुआ। पुलिस का आरोप है कि दो स्थानीय युवकों ने महिला की हत्या कर दी, उसके शव को जला दिया और बाद में दफना दिया। युवकों ने महिला को इसलिए निशाना बनाया, क्योंकि उसने सोने की दो नथ पहनी हुई थीं।

अट्ठायमपथी की रहने वाली पीड़िता सरसाम्मल 10 जून से लापता थीं। कई सप्ताह की जांच के बाद कोझिनजामपारा पुलिस ने मामले को सुलझा लिया और एक स्थानीय युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान, आरोपी ने कथित तौर पर इस भयानक अपराध को कबूल कर लिया, जिससे जांच स्वयंसेवकों को घटनाओं का पता लगाने में मदद मिली। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने एक 17 साल के लड़के (जिसे भी हिरासत में लिया गया है) की मदद से महिला के घर में घुसकर उसके गहने चुराने की कोशिश की। जब सरसाम्मल ने विरोध किया तो कथित तौर पर उन पर हमला किया गया और हथियार से कई बार वार किया गया, जिसके बाद उनकी सोने की दो नाथ (नाक की कील) लूट ली गई।

डीडीए की वर्कशॉप में यमुना के पुनरुद्धार पर बेहतरीन तरीकों पर हुई चर्चा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। 'यमुना डायलॉग्स' से पहले, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने यमुना के पुनरुद्धार के लिए वैश्विक और भारतीय सर्वोत्तम तौर-तरीकों को साझा करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों और संस्थानों को एक साथ लाने के लिए पहली 'हितधारक परामर्श कार्यशाला वर्कशॉप' आयोजित की।

उपराज्यपाल टीएस संधू के निर्देशों के अनुसार, डीडीए ने शुक्रवार को बाढ़ के मैदानों के लिए एक टिकाऊ भविष्य बनाने के मकसद से अपनी तरह की पहली मल्टी-स्टेकहोल्डर पहल आयोजित की।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस वर्कशॉप में सरकारी संस्थानों, नीति निर्माताओं, पर्यावरण विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, शहरी योजनाकारों, लैंडस्केप आर्किटेक्ट्स, तकनीकी संस्थानों और अन्य संबंधित पक्षों को एक साथ लाया गया। इसका मकसद यमुना नदी कॉरिडोर के भविष्य पर विचार-विमर्श करना और इसके लंबे समय तक सुधार और प्रबंधन के लिए व्यावहारिक, टिकाऊ और विज्ञान-आधारित तरीके खोजना था। इस चर्चा में दो मुख्य विषयों पर विस्तार से बात की गई - बाढ़ के मैदान के अनुकूल योजना बनाना और घाटों का विकास। बयान में कहा गया है कि चर्चा का फोकस ऐसे सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को डिजाइन करने पर था, जो नदी के प्राकृतिक बाढ़ चक्र के खिलाफ नहीं, बल्कि उनके साथ तालमेल बिठाकर काम करे। साथ ही, पर्यावरण के अनुकूल घाटों के ऐसे प्रकारों पर भी विचार किया गया, जो पारिस्थितिक, सांस्कृतिक, मनोरंजक और धार्मिक कार्यों को एक साथ जोड़ सकें। यह वर्कशॉप लेफ्टिनेंट गवर्नर द्वारा यमुना के बाढ़ वाले इलाकों के शुरुआती दौरों और उसके बाद डीडीए के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठकों के बाद आयोजित की गई। इन बैठकों में उन्होंने नदी में प्रदूषण से निपटने के लिए बहु-आयामी दृष्टिकोण अपनाने के निर्देश दिए थे।

पिथौरागढ़ में बारिश का कहर: 80 से 90 परिवारों का टूटा संपर्क, जान जोखिम में डालकर नदी-नाले पार कर रहे ग्रामीण

विश्व केसरी

देहरादून। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में बारिश का कहर देखने को मिल रहा है। पिथौरागढ़ में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनपद के सीमांत क्षेत्रों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। मुनस्यारी के मल्ला जोहार क्षेत्र में बिल्जू नदी के उफान पर आने से मिलम जाने वाला मुख्य सड़क मार्ग बंद हो गया है, जिससे क्षेत्र के करीब 80 से 90 परिवारों का संपर्क प्रभावित हो गया है।

हालात ऐसे हैं कि ग्रामीण आवश्यक कार्यों के लिए जान जोखिम में डालकर उफनती नदी को पार करने के लिए मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पुल नहीं होने के कारण दैनिक उपयोग का सामान, राशन और अन्य आवश्यक वस्तुएं दूसरी ओर ले जाना बेहद कठिन है। यदि किसी व्यक्ति की तबीयत अचानक बिगड़ जाए या स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति पैदा हो जाए तो नदी पार करना जान हथेली पर रखकर चलने जैसा है। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले वर्ष अगस्त में भारी बारिश के दौरान नदी पार कराने वाली झूला ट्रॉली भी बह गई थी। तब से आज तक न तो ट्रॉली की मरम्मत कराई गई और न ही स्थायी पुल का निर्माण किया गया। मजबूरी में ग्रामीणों ने लकड़ियों से अस्थायी पुल तैयार किया है, जिसके सहारे वे उफनती नदी को पार कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक और मानसून शुरू हो चुका है, लेकिन प्रशासन की ओर से यहां अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है। इससे क्षेत्र में आवाजाही पूरी तरह प्रभावित है और ग्रामीणों को हर दिन आवागमन के लिए खतरा उठाना पड़ रहा है। क्षेत्र की गंभीर स्थिति देखते हुए प्रशासन ने लोगों से मौसम सामान्य होने तक अनावश्यक यात्रा से बचने और नदी-नालों को पार करने का जोखिम न उठाने की अपील की है।

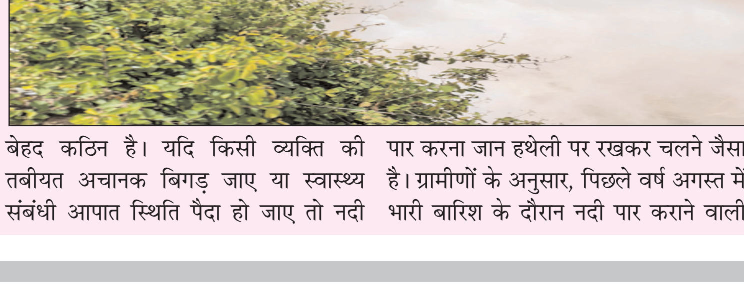

उत्तर प्रदेश में आगामी चुनाव की तैयारी तेज

विश्व केसरी

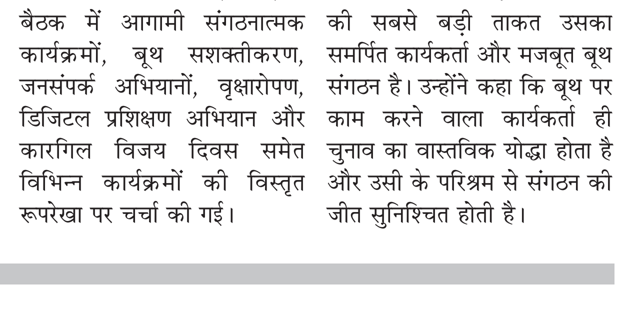

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी चुनावों और संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर उत्तर प्रदेश में बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का अभियान तेज करने का फैसला किया है।

प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कार्यकर्ताओं से बूथ सशक्तीकरण, जनसंपर्क और सरकार की उपलब्धियों को घर-घर पहुंचाने का आह्वान करते हुए कहा कि विपक्ष के 'झूठ और दुष्प्रचार' का जवाब तथ्यों के आधार पर दिया जाए।

वहीं प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने डिजिटल बूथ प्रशिक्षण, वृक्षारोपण अभियान और कारगिल विजय दिवस के कार्यक्रमों को प्राथमिकता के साथ सफल बनाने का निर्देश दिया। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, बूथ सशक्तीकरण, जनसंपर्क अभियानों, वृक्षारोपण, डिजिटल प्रशिक्षण अभियान और कारगिल विजय दिवस समेत विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए पंकज चौधरी ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका समर्पित कार्यकर्ता और मजबूत बूथ संगठन है। उन्होंने कहा कि बूथ पर काम करने वाला कार्यकर्ता ही चुनाव का वास्तविक योद्धा होता है और उसी के परिश्रम से संगठन की जीत सुनिश्चित होती है।

राम मंदिर चंदा और चढ़ावा मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच हो : कांग्रेस

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। कांग्रेस ने राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े कथित चंदा और चढ़ावा मामले को लेकर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर गंभीर आरोप लगाते हुए पूरे मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। शनिवार को रायपुर स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) सदस्य एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की मौजूदगी में केंद्र सरकार और भाजपा को निशाने पर लिया। यह प्रेसवार्ता कांग्रेस द्वारा देशभर में आयोजित किए जा रहे अभियान का हिस्सा बताई गई।

कमलेश्वर पटेल ने कहा कि भगवान श्रीराम देश के करोड़ों लोगों की आस्था और विश्वास के प्रतीक हैं। राम मंदिर निर्माण के लिए देशभर के लोगों ने अपनी श्रद्धा और विश्वास के साथ खुले मन से दान दिया, लेकिन अब उसी चंदे और मंदिर में मिलने वाले चढ़ावे को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उनका आरोप था कि भाजपा और आरएसएस ने भगवान राम के नाम पर राजनीति कर चुनावी लाभ उठाया और अब चंदे के उपयोग में पारदर्शिता को लेकर सवालों का जवाब देने से बच रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यदि करोड़ों श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए चंदे और चढ़ावे के उपयोग को लेकर कोई संदेह पैदा हुआ है तो सरकार की जिम्मेदारी है कि निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराकर सभी तथ्यों को देश के सामने रखे। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे मामले में प्रभावशाली लोगों को जांच से बचाने की कोशिश की जा रही है, जिससे लोगों के मन में शंकाएं पैदा हो रही हैं। कांग्रेस ने मांग की कि राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े पूरे वित्तीय लेन-देन, चंदे और चढ़ावे की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में किसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए। साथ ही सभी खातों और वित्तीय दस्तावेजों का फॉरेंसिक ऑडिट कराया जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए धन का उपयोग किस प्रकार किया गया। पार्टी ने यह भी कहा कि यदि जांच में किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ बिना किसी भेदभाव के सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

कमलेश्वर पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इस मुद्दे पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने और देश की जनता के सामने जवाब देने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह केवल आर्थिक अनियमितता का मामला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्था और विश्वास से जुड़ा विषय है। इसलिए सरकार को पारदर्शिता दिखाते हुए सभी तथ्यों को सार्वजनिक करना चाहिए।

प्रेसवार्ता में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भी कांग्रेस की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि देश की जनता ने श्रद्धा के साथ राम मंदिर निर्माण के लिए योगदान दिया था। ऐसे में यदि चंदे और चढ़ावे को लेकर सवाल उठ रहे हैं तो सरकार को निष्पक्ष जांच कराने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य किसी की आस्था पर सवाल उठाना नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास की रक्षा करना है।

प्रेसवार्ता के दौरान कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। पार्टी ने कहा कि इस मुद्दे को देशभर में जनता के बीच उठाया जाएगा और पारदर्शी जांच की मांग को लेकर अभियान जारी रहेगा।

खुले गड्ढों से बच्चों की सुरक्षा के लिए निकायों को निर्देश, सर्वे कर तत्काल करें कार्रवाई

विश्व केसरी

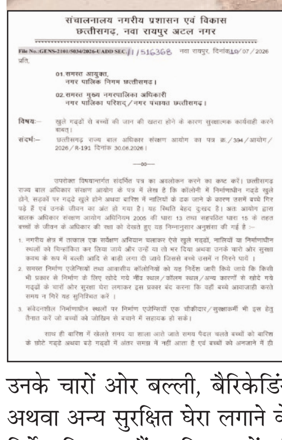
संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास
छत्तीसगढ़, नवा रायपुर अटल नगर

रायपुर। बारिश के मौसम में खुले गड्ढों और निर्माणाधीन स्थलों पर बच्चों के साथ हो रही दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, छत्तीसगढ़ ने प्रदेश के सभी नगर निगम आयुक्तों और नगर पालिका/नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

जारी आदेश में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने ऐसे मामलों पर चिंता जताई है, जिनमें कॉलोनियों के निर्माणाधीन गड्ढों, सड़कों पर खुले गड्ढों और बारिश के दौरान पानी से ढकी नालियों में गिरने से बच्चों की मौत हुई है। आयोग ने बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005 की धारा 13 एवं धारा 15 के तहत बच्चों के जीवन के अधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

संचालनालय ने सभी नगरीय निकायों को अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष सर्वे अभियान चलाकर खुले गड्ढों, नालियों और निर्माणाधीन स्थलों की पहचान करने को कहा है। ऐसे स्थानों को तत्काल भरने या उनके चारों ओर बल्ली, बैरिकेडिंग अथवा अन्य सुरक्षित घेरा लगाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि बच्चों की वहां तक पहुंच रोकी जा सके।

निर्देश में यह भी कहा गया है कि सभी निर्माण एजेंसियां और आवासीय कॉलोनियां निर्माण कार्य के दौरान खोदे गए नींव, कॉलम या अन्य गड्ढों के चारों ओर सुरक्षा घेरा लगाना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। संवेदनशील निर्माण स्थलों पर चौकीदार या सुरक्षाकर्मी की तैनाती भी की जाएगी, ताकि दुर्घटनाओं की आशंका कम हो सके।

संचालनालय ने कहा है कि बारिश के दौरान छोटे और बड़े गड्ढों का अंतर समझ नहीं आने से स्कूल आने-जाने या खेलते समय बच्चों के लिए जानलेवा स्थिति बन जाती है। इसे देखते हुए सभी नगरीय निकायों को तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करने और भविष्य में होने वाले सभी निर्माण कार्यों में भी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

साथ ही सभी निकायों को आयोग के निर्देशों के पालन की मासिक प्रतिवेदन संयुक्त संचालक, क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से संचालनालय को भेजना अनिवार्य किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

जेएनएम मेडिकल कॉलेज में 20 एमबीबीएस सीटें बढ़ीं, अब 250 छात्रों को मिलेगा प्रवेश

विश्व केसरी

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल (जेएनएम) मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 20 नई सीटों की बढ़ोतरी को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने मंजूरी दे दी है। मेडिकल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड द्वारा जारी अनुमति पत्र के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कॉलेज में एमबीबीएस की कुल सीटें 230 से बढ़कर 250 हो जाएंगी। जेएनएम मेडिकल कॉलेज पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेमोरियल हेल्थ साइंसेज एंड आयुष यूनिवर्सिटी, छत्तीसगढ़ से संबद्ध है। एनएमसी की मंजूरी के बाद प्रदेश के अधिक छात्रों को राज्य में ही चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। वर्ष 1963 में 60 सीटों के साथ स्थापित इस मेडिकल कॉलेज में समय-समय पर प्रवेश क्षमता बढ़ाई गई है। शुरुआत में 60 सीटें थीं, जिन्हें बाद में 100 किया गया। वर्ष 2009 में सीटें बढ़ाकर 150, वर्ष 2019 में 180, वर्ष 2023 में 230 और अब 2026-27 सत्र से 250 कर दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सीटों में वृद्धि का स्वागत करते हुए कहा कि इससे प्रदेश के युवाओं के लिए चिकित्सा शिक्षा के अवसर बढ़ेंगे और उन्हें एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और राज्य सरकार के प्रयासों को दिया।

घोटालों को छिपाने और आरोपियों को बचाने के लिए आंदोलन कर रही कांग्रेस : भाजपा

विश्व केसरी

भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के मामलों में घिरे नेताओं का बचाव करने का आरोप लगाया है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शिवनारायण पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस जनता के मुद्दों पर नहीं, बल्कि कथित घोटालों और आरोपियों को बचाने के लिए आंदोलन कर रही है।

पाण्डेय ने महादेव सट्टा ऐप मामले में सौरभ चंद्राकर तथा कांग्रेस कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल की गिरफ्तारी का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस शासनकाल में महादेव सट्टा ऐप, शराब घोटाला और राइस मिलर्स से कथित अवैध वसूली जैसे मामलों में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं हुईं।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के दौरान प्रदेश से 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि बाहर भेजी गई, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था और बाजार प्रभावित हुए।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस हर मामले में केंद्रीय जांच एजेंसियों पर राजनीतिक दुर्भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाती है, लेकिन महादेव सट्टा ऐप, शराब घोटाले और राइस मिलर्स से कथित वसूली के आरोपों पर अपना स्पष्ट पक्ष नहीं रखती।

महतारी वंदन योजना की 29वीं किस्त जारी, 66 लाख से अधिक महिलाओं के खातों में पहुंचे 626 करोड़ रुपये

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को महतारी वंदन योजना की 29वीं किस्त जारी करते हुए प्रदेश की 66 लाख से अधिक पात्र माताओं एवं बहनों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 626 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की।

राज्य सरकार के अनुसार, योजना शुरू होने के बाद से अब तक लाभार्थी महिलाओं के खातों में 18,800 करोड़ रुपये से अधिक की राशि भेजी जा चुकी है। सरकार का कहना है कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना से मिलने वाली मासिक सहायता राशि का उपयोग महिलाएं परिवार के दैनिक खर्च, बच्चों की शिक्षा, बचत तथा सुकन्या समृद्धि योजना सहित अन्य आवश्यक कार्यों में कर रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 29वीं किस्त जारी होने पर सभी लाभार्थी माताओं एवं बहनों को शुभकामनाएं और बधाई देते हुए कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना से महिलाओं के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आ रहा है और उनके परिवारों को भी इसका सीधा लाभ मिल रहा है।

प्राचीन बावड़ी में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत, कुबरगढ़ में पसरा मातम

विश्व केसरी

रायपुर/धरसीवां (संवाददाता)। राजधानी रायपुर के धरसीवां क्षेत्र के कुंबरगढ़ स्थित प्राचीन चतुर्भुजी मंदिर परिसर में शनिवार को दर्दनाक हादसा हो गया। मंदिर परिसर की प्राचीन बावड़ी में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार, मंदिर परिसर में स्थित ऐतिहासिक बावड़ी के आसपास गांव के बच्चे रोजाना की तरह खेल रहे थे। इसी दौरान साक्षी साहू (7 वर्ष), पिता योगेश साहू और श्रवण धीवर (4 वर्ष), पिता भूपेंद्र धीवर खेलते-खेलते बावड़ी के पानी में उतर गए। बताया जा रहा है कि बावड़ी में लगभग 25 से 30 फीट गहरा पानी होने के कारण दोनों बच्चे डूब गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

ग्रामीणों के अनुसार, यह बावड़ी ऐतिहासिक महत्व की है और मान्यता है कि प्राचीन काल में राजा कुंबरसिंह की रानी भी यहां आया करती थीं। लंबे समय से मौजूद इस बावड़ी में पहले कभी इस तरह का हादसा नहीं हुआ था। पहली बार हुई इस दुखद घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है।

घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से बावड़ी के चारों ओर सुरक्षा जाली, रेलिंग और चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। धरसीवां थाना प्रभारी राजेंद्र दीवान ने बताया कि पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैफिक जाम से राहत के लिए क्यूआरटी को मिले 10 नए आधुनिक वाहन

विश्व केसरी

रायपुर। राजधानी में यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम और जाम की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने क्विक रिस्पांस टीम को 10 नए आधुनिक वाहन उपलब्ध कराए हैं। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने शनिवार को इन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

वाहनों को रवाना करने से पहले पुलिस कमिश्नर ने शहर के प्रमुख जाम प्रभावित स्थानों की समीक्षा की और अधिकारियों से फीडबैक लेकर QRT टीमों को निर्देश दिए कि ट्रैफिक जाम की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर यातायात सामान्य कराया जाए। उन्होंने आम नागरिकों को कम से कम समय में राहत देने पर विशेष जोर दिया।

यातायात पुलिस के अनुसार, नई QRT टीमों को आधुनिक उपकरणों और संसाधनों से लैस किया गया है, जिससे वे ट्रैफिक जाम, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य यातायात संबंधी बाधाओं का तेजी से समाधान कर सकें।

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि शहर में कहीं भी जाम लगने पर यातायात हेल्पलाइन 9479210632 पर सूचना दें। सूचना मिलते ही निकटतम QRT टीम मौके पर पहुंचकर यातायात सुचारु कराने की कार्रवाई करेगी। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित तुकाराम कांबले, पुलिस उपायुक्त (यातायात) विवेक शुक्ला सहित यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे। पुलिस का कहना है कि यह पहल राजधानी में सुरक्षित, सुगम और जाम-मुक्त यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

अमृत भारत योजना के तहत सरोना और बालोद रेलवे स्टेशनों का बदल रहा स्वरूप

विश्व केसरी

रायपुर। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में सरोना और बालोद रेलवे स्टेशनों का व्यापक पुनर्विकास किया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक दयानंद के मार्गदर्शन में चल रहे कार्यों का उद्देश्य स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध कराना है।

रेलवे के अनुसार दोनों स्टेशनों पर भव्य प्रवेश द्वार, चौड़े फुट ओवरब्रिज, लिफ्ट, प्लेटफॉर्म पर कवर शेड, कोच गाइडेंस डिस्प्ले सिस्टम, आधुनिक साइनेज और सूचना बोर्ड लगाए जा रहे हैं। दिव्यांग यात्रियों के लिए रैंप, लो-हाइट टिकट काउंटर, विशेष शौचालय, पेयजल सुविधा, व्हीलचेयर और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी विकसित की जा रही हैं। स्टेशनों के सौंदर्यीकरण के तहत स्थानीय कला एवं संस्कृति पर आधारित चित्रकारी, उद्यान निर्माण, प्रतीक्षालयों का नवीनीकरण, सर्कुलेटिंग एरिया का विस्तार, चौड़ी सड़कें, व्यवस्थित पार्किंग और बेहतर प्रकाश व्यवस्था का कार्य भी किया जा रहा है।

रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में खेल गतिविधियों पर अंतरिम रोक

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने जल संरक्षण और भूजल के उपयोग से जुड़े मामले में रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेल गतिविधियों पर अंतरिम रोक लगा दी है। एनजीटी के आदेश के अनुसार अब अधिकरण की अनुमति के बिना स्टेडियम में किसी भी प्रकार का खेल आयोजन नहीं किया जा सकेगा। मामले की अगली सुनवाई 17 अगस्त को होगी।

एनजीटी ने अपने आदेश में कहा है कि केंद्रीय भूजल प्राधिकरण और अधिकरण की ओर से स्टेडियम प्रबंधन को कई बार नोटिस जारी किए गए थे। इन नोटिसों में मैदान और पिच के रखरखाव में उपयोग किए जाने वाले पानी के स्रोत, भूजल के उपयोग और जल संरक्षण संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी मांगी गई थी। हालांकि, बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद निर्धारित समय में जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया।

अधिकरण ने यह भी कहा कि देश के कई हिस्सों में गंभीर जल संकट की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में बड़े खेल परिसरों की जिम्मेदारी है कि वे भूजल के दोहन को नियंत्रित करने के साथ वर्षा जल संचयन (रेन वॉटर हार्वेस्टिंग) और पानी के पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) जैसी व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से लागू करें।

अप्रैल में एनजीटी ने देश के प्रमुख क्रिकेट स्टेडियमों से जल प्रबंधन और भूजल उपयोग का ब्योरा तलब किया था। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की ओर से जवाब दाखिल नहीं किए जाने पर अधिकरण ने अंतरिम प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। अब इस मामले में 17 अगस्त को होने वाली सुनवाई के दौरान आगे की कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा।

नकटी विवाद के बीच जमीन निजी हाथों में सौंपने की तैयारी : मोहम्मद अकबर

विश्व केसरी

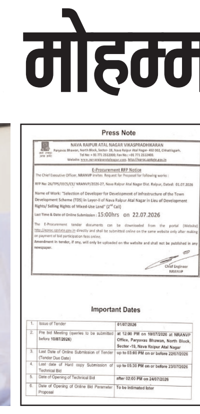
Press Note
NAVA RAIPUR ATAL NAGAR VIKASPRADHIKARAN
E-Procurement RFP Notice
Important Dates

रायपुर (संवाददाता)। नकटी गांव विवाद को लेकर पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद अकबर ने राज्य सरकार पर नया आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार नकटी विवाद का समाधान करने के बजाय वहां की जमीनों को लेकर एक नए विवाद की तैयारी कर रही है। उनका दावा है कि शासकीय दस्तावेजों के अनुसार नकटी सहित सेरीखेड़ी, मंदिर हसौद, रमचंडी, बरौंदा और रीको की कुल 436.01 हेक्टेयर (करीब 1076 एकड़) भूमि को नगर विकास योजना के तहत निजी हाथों में सौंपने की तैयारी की जा रही है।

अकबर ने कहा कि प्रस्तावित योजना में नकटी गांव की कुछ भूमि भी शामिल है। उन्होंने सरकार से स्पष्ट करने की मांग की कि क्या इस योजना में वही विवादित जमीन भी शामिल है, जहां हाल ही में विध्वंस की कार्रवाई की गई थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) की ओर से जारी निविदा दस्तावेजों के अनुसार चयनित एजेंसी को सड़क, जलापूर्ति, सीवरेज और विद्युत जैसी आधारभूत सुविधाएं विकसित करने के बदले मिश्रित उपयोग (मिक्स यूज) भूमि के विकास और उसके विक्रय का अधिकार दिया जाएगा। उनके अनुसार इसका अर्थ है कि सरकार जमीन को सीधे बेचने के बजाय डेवलपर के माध्यम से बेचने की तैयारी कर रही है।

कांग्रेस नेता ने बताया कि इस निविदा को जमा करने की अंतिम तिथि 22 जुलाई 2026 निर्धारित है। उन्होंने कहा कि नकटी गांव की जमीन को लेकर पहले से विवाद बना हुआ है और प्रभावित परिवार न्याय की मांग कर रहे हैं। ऐसे में जब तक सभी पीड़ितों को न्यायपूर्ण और सर्वसम्मत समाधान नहीं मिल जाता, तब तक सरकार को किसी भी नई भूमि विकास या हस्तांतरण प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता पहले प्रभावित परिवारों का समुचित पुनर्वास और विवाद का समाधान होना चाहिए।

कहानी

चंदा की चमक

पूनम पांडे

उसका नाम चंदा है। लेकिन चमचम चमकना शायद उसकी तकदीर में लिखा नहीं है। इस समय अपनी मजबूर आँखों से टुकुर -टुकुर बाहर की ओर देखता हुआ चंदा अचानक ही बांसुरी की धुन में खो सा जाता है। 'अरे ओ फोकटलाल ये काम निबटा सारे बर्तन मांज।किधर झपकी लेने लगा रे।' मीठी-सी फटकार मिली तो चंदा ने खुद को संभाला और फिर से अपने हाथ चलाने शुरू कर दिये।बहुत तेजी से बर्तन धोने लगा। चंदा इस छोटे से ढाबे में काम करता है।इस समय उसे पास के मैदान से यह वंशी सुनाई दे गई थी।सोलह बरस का चंदा भूल ही गया कि अब वह कमाने वाला हो गया है।दिन में सपने देखना अब उसके लिए पाप से कम नहीं है ।बर्तन धोकर उसने कपड़े से पोंछे दिये थे।पास ही एक मोबाइल फोन रखा था ।वह उसे उठाकर उसमे कोई खेल खेलने लगा।फिर से किसी ने फटकार लगाई।'चल रे, ये साफ करके दे जरा।' वह हौले से हँसा और फिर से काम मे लग गया।मोबाइल पर खेलना उसे भाता है। दरअसल यह जो मोबाइल है ना कभी कोई भेदभाव नही करता।इसके लिए हर कोई बराबर है।जो अच्छा गेम खेलेगा उसी के पाइंट बन जाते हैं।मगर यह फोन उसका नहीं है।यह सोना दीदी का है।वही सोना दीदी,जिनका यह ढाबा है।

चंदा को अपनी इच्छा पूरी करने की जब तब ललक सी उठती है।अब कोई चीज मन को ललचा रही हो तो फिर कोई भले ही कितना दुत्कार दे गुस्सा हो मगर चंदा मौका पाते ही खेलने लगता है।

अभी एक और टोकरा भर बर्तन धोने के बाद चंदा ने फिर से मोबाइल हाथ में लिया ।किसी ने उसको जोर-जोर से झिंझोडा तब जाकर वह मोबाइल के गेम से उतर कर ढाबे मे वापस आया।पहले काम पर ध्यान दे समझ आया कि नहीं एक और गरजदार आवाज ने उसे डपट दिया था।चंदा ने मोबाइल एक तरफ रखा।हँसकर, फटाफट काम कर दिया ।चंदा को इधर काम करते हुए एक सौ दस दिन पूरे हो गए हैं।सौ दिन की पगार देते हुए सोना दीदी ने उसके माता पिता को बुलाया था।दस हजार रुपए दिये और कहा कि 'सुनो,इसके तीन हजार मेरे पास जमा कर रही हूँ। समझे ठीक है ना ।'

'जी,जी, एकदम ठीक।'कहकर उसकी मां ने रुपये ले लिये थे। उसके पिता की आँखें अब रही नहीं थी।चार महीने पहले वेल्डिंग करते हुए ही दोनों आंखें चली गई थी। रोशनी चली गई तो उमंग भी टूट गई थी।वह अब चुपचाप लेटा रहता था। इसीलिए अब एक कमाने वाला चाहिए था।मां को तो तीन सौ रुपए मजदूरी मुश्किल से मिलती थी।इसमें तो गुजारा होता ही न था।सोना दीदी ने उसकी झूठी उम्र लिखकर कागज बनाया था। चंदा उम्र उन्नीस साल। तब जाकर वह नौकरी पा सका था।उसकी मां का जी बहुत कलप गया था ।जब वह नौकरी के लिए जा रहा था।नवीं की किताब और बस्ता ऐसे ही रख दिये गये थे।चंदा की बहन अभी तीसरी में पढ रही थी।यह किताब अब कौन पढता ।मगर चंदा ने जब बताया कि,' मां सुबह नौ बजे से रात नौ बजे तक आराम से बैठा रहता हूँ। कभी कभार बर्तन धोने होते हैं।बाकी तीन समय से भी अधिक बार तो आलू के परांठे, दाल , पुदीने की चटनी और साथ में खूब दही भी मिलता है खाने को।चाय की तो गिनती ही नही है।जरा सोच मां मजे हैं मेरे।'

'अच्छा तो उधर तुझको भरपेट रोटी मिल जाती है ।' सुनकर उसकी मां को इतनी ठंडक पड़ी कि वह खुशी से खिल गई। 'अरे मां मै कह तो रहा हूं ।हर बखत कूलर की शीतल

वह बोलता रहा। चंदन अंकल ने उस समय कुछ नही कहा।तीन दिन बाद वह फिर से आये।बोले,' सोना, अगर कहो तो, इसको ले जाऊं। यह पढ भी लेगा और काम भी कर लेगा।' अच्छा, स्कूल मे बाल मजदूरी।कभी सुना भी है।अंदर हो जाओगे।बाहर आना मुश्किल होगा।' सोना ने उनको डरा दिया। 'अरे, अरे ,सोना बेफिक्र रहो। मैंने खुद प्राचार्य से बात की है।वह इसको निशुल्क दाखिला दे देगी। सरकार करती है ऐसा।कुछ प्रतिशत बालक निशुल्क पढते है।मेरे पास यह नौकर-चाकर की तरह नहीं मेरे भतीजे की तरह रहेगा।

हवा।आराम ही आराम।गपशप। बहुत मजा है।'

मगर चंदू, तेरा इसकूल। वह तो अब छूट गया रे।'

'अरे, मां तो अब उसकी बात मत कर।तीन महीने बाद खूब नोट मिलेंगे। मै तो गिनकर ही थक रहा हूं। बस इतना समय कट जाये।फिर तो पैसा ही पैसा।' कहकर चंदा मां को दिखाने के लिए खुशी से झूम उठा था।मां भी मन ही मन किलक रही थी।उसने कलेजे पर पत्थर रख लिया कि दो बरस में बालिग होने वाला है।फिर तो बिंदास किधर भी काम करेगा।सब जगह काम करने वाले की पूछ है।चंदा तो खुशी से सब काम करता है।रोटी का जुगाड़ तो होता ही रहेगा।बाकी मुकद्दर का खेल। चंदा की मां ने अपना मन संभाल लिया था।इधर तीन महीने बाद चंदा भी नियमित ग्राहकों को पहचानने लगा था।एक बार चंदन अंकल बहुत दिन बाद आये।उनका फोन चार्जर पर लगाना था।सो उनसे हँसते हुए चंदा ने पूछ लिया।

'नमस्ते, आप कैसे हो।' 'ठीक हूँ।' जवाब दिया चंदन अंकल ने।' और आगे बोले।

'अब तो इसी इलाके मे आ रहा हूँ।' फिर वह सोना दीदी की तरफ देखकर बोले।' पास ही एक स्कूल में कैंटीन खोल रहा हूँ। काम के लायक लड़का चाहिए। बस तीन घंटे का काम है।रोज का तीन सौ रुपए दे दूंगा। काफी बड़ा सा स्कूल है उसी में कैंटीन है।' '' है।' करके एक सुर उभरा।जबकि उनकी बात पूरी हुई थी बस।

'अच्छा।तो..तो, मैं आना चाहता हूँ। 'उत्सुक होकर वह फिर से भागकर उनके करीब ही आ गया।' मैं आना चाहता हूँ। मैं नवी मे आ गया था।मुझे पढाई भी बहुत अच्छी लगती है।'

वह बोलता रहा। चंदन अंकल ने उस समय कुछ नही कहा।तीन दिन बाद वह फिर से आये।बोले,' सोना, अगर कहो तो, इसको ले जाऊं। यह पढ भी लेगा और काम भी कर लेगा।' अच्छा, स्कूल मे बाल मजदूरी।कभी सुना भी है।अंदर हो जाओगे।बाहर आना मुश्किल होगा।' सोना ने उनको डरा दिया। 'अरे, अरे ,सोना बेफिक्र रहो।मैंने खुद प्राचार्य से बात की है।वह इसको निशुल्क दाखिला दे देगी। सरकार करती है ऐसा।कुछ प्रतिशत बालक निशुल्क पढते है।मेरे पास यह नौकर-चाकर की तरह नहीं मेरे भतीजे की तरह रहेगा।मगर रूपया पूरा दे दूंगा इसको। 'ओहो। अब इससे पूछ लीजिए। मेरा क्या।मेरे पास इसका जितना भी बकाया है। अभी पूरा किये देती हूं। तीन हजार पहले के जमा भी हैं।सब दे देती हूं अभी।' सोना दीदी हिसाब करने लगी।फिर बोली।

' मगर,एक बात बताना सच- सच।चंदा पर इतनी मेहरबानी किसलिए।' सोना को अजीब लग रहा था। वह नोट गिनते हुए और चंदा को थमाते हुए बोली। चंदन अंकल ने जवाब दिया। 'सच बता दूं।'

'वही तो जानना है।आज लाखों किशोर इसी तरह बर्तन मांज रहे हैं। किसी को फर्क नहीं पड़ता।'

' सच सोना वही तो कसक है।एक चंदा तो मैं भी था।सच बात यह है कि मैं भी तो इसी कारण पढ न पाया था।बेहद अफसोस है कि कभी स्कूल ही न जा सका।इसीलिए। ' ओह, सोना दीदी को मन-ही-मन उन पर गर्व हुआ।

और उधर अब चंदा के हाथ में खूब नोट थे। सोना दीदी भी गजब है। जान बूझकर सात सौ अधिक दिये हैं। वह मन-ही-मन हिसाब लगा रहा था।

आज उसके सर पर सोना दीदी का आशीर्वाद है। कंधे पर चंदन अंकल ने हाथ रख ही दिया था। इसलिए चंदा को भरोसा हो गया कि उसकी चमक अब अधिक दिन अंधेरे में छिपी नहीं रहेगी।

Durgesh, Pushker road, kotra,
Ajmer- 305004,
मो.9828792720

पुस्तक समीक्षा

विडंबनाओं का सजीव दस्तावेज

प्रो. हरीश अरोड़ा

मेरे मित्र और व्यंग्य साहित्य की चौथी परंपरा के प्रतिष्ठित व्यंग्यकार लालित्य ललित का व्यंग्य-संग्रह 'पाण्डेय जी के किस्से और उनकी दुनिया' समकालीन हिन्दी व्यंग्य साहित्य की उस परंपरा का सशक्त प्रतिनिधि है, जो दैनिक जीवन की साधारण प्रतीत होने वाली घटनाओं के भीतर छिपी सामाजिक विसंगतियों, मानवीय कमजोरियों और समय की विडंबनाओं को तीक्ष्ण किन्तु सहज शैली में उद्घाटित करती है। अद्विक पब्लिकेशन्स से प्रकाशित इस संग्रह में संकलित 23 व्यंग्य आधुनिक शहरी मध्यवर्गीय जीवन के विविध पक्षों को रोचक और विचारोत्तेजक ढंग से प्रस्तुत करते हैं।

संग्रह का केंद्रीय चरित्र 'पाण्डेय जी' केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि हमारे समय के सामान्य भारतीय नागरिक का प्रतिनिधि है। उसके अनुभवों, प्रतिक्रियाओं और सामाजिक संबंधों के माध्यम से लेखक ने बदलते सामाजिक मूल्यों, उपभोक्तावादी मानसिकता, दिखावे की संस्कृति, प्रशासनिक अव्यवस्थाओं तथा मानवीय संबंधों में बढ़ती कृत्रिमता पर प्रभावशाली व्यंग्य किया है। 'नाड़े और पेंट की कहानी', 'देविका और बिल्लो मखीजा', 'पड़ोसी का लोन और समस्याएँ', 'प्रेस क्लब में फँसे पाण्डेय जी' आदि जैसे व्यंग्यों में जीवन की मामूली घटनाएँ व्यापक सामाजिक यथार्थ का रूप धारण कर लेती हैं।

लालित्य ललित की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सहज, संवादधर्मी और प्रवाहपूर्ण भाषा है।

वे जटिल बौद्धिकता या कृत्रिम व्यंग्यात्मकता का सहारा नहीं लेते वरन हास्य के माध्यम से पाठक को आत्मालोचन के लिए प्रेरित करते हैं। उनके व्यंग्य में कटुता नहीं बल्कि ऐसी विनोदात्मक दृष्टि है जो समाज की विसंगतियों को उजागर करते हुए भी मानवीय संवेदनाओं से जुड़ी रहती है। यही कारण है कि उनके पात्र पाठक को अपने आसपास के परिचित लोगों की तरह प्रतीत होते हैं।

शिल्प की दृष्टि से भी यह संग्रह उल्लेखनीय है। कथात्मकता, संवाद, संस्मरणात्मक शैली, प्रसंगों की स्वाभाविकता और कहीं-कहीं कविता की चुटीली उक्तियाँ व्यंग्यों को पठनीय बनाती है। लेखक छोटी-छोटी घटनाओं से बड़े सामाजिक निष्कर्ष निकालने की क्षमता रखते हैं। उनके व्यंग्य केवल मनोरंजन नहीं करते बल्कि समकालीन समाज की मानसिक संरचना और व्यवहारगत विरोधाभासों पर गंभीर प्रश्न भी खड़े करते हैं।

सच में 'पाण्डेय जी के किस्से और उनकी दुनिया' एक ऐसा व्यंग्य-संग्रह है जो हास्य और चिंतन के संतुलन के साथ समकालीन जीवन की विडंबनाओं का सजीव दस्तावेज प्रस्तुत करता है। यह संग्रह हिन्दी व्यंग्य साहित्य में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने में सफल है और पाठक को मुस्कराने के साथ-साथ सोचने के लिए भी विवश करता है।

इस संग्रह के लिए लालित्य ललित को हार्दिक बधाई।

कृति : पांडेय जी के किस्से और उनकी दुनिया
(व्यंग्य संग्रह)
लेखक : लालित्य ललित
प्रकाशक : अद्विक प्रकाशन, दिल्ली
मूल्य : 300 रूपये

व्यंग्य

महिला उत्थान कार्यक्रम

डॉ मुकेश असीमित

यहाँ एक ठरकी महाशय की महागाथा प्रस्तुत है, जिनकी ठरक किसी मनचले तूफान की तरह है—कब, कहाँ,

किसे उड़ा ले जाए, इसका कोई भरोसा नहीं। वैसे तो ये सरकारी नौकरी में हैं, लेकिन इन्हें लगता है कि समाज

के इस आधे तबके के प्रति भी इनका दायित्व बनता है—जैसे भी, जहां भी, जितना भी बन पड़े... महिला

उत्थान करना अनिवार्य है! तो ये खुद को महिला सशक्तिकरण का स्वयंभू मसीहा मान बैठे हैं।

इनका दर्शन बड़ा स्पष्ट है—जितनी अधिक महिलाओं का उत्थान करेंगे, उतनी ही अधिक इनकी आत्मा को

तृप्ति मिलेगी। यूँ तो शादीशुदा हैं, लेकिन सिर्फ घर की मुर्गी का ही उत्थान करें—इस वहम से कोसों दूर हैं।

इनका ध्येय वाक्य है—शादी-वादी सब ढकोसला है, असली मकसद तो महिलाओं के उद्धार में जीवन अर्पित करना है!

महिला दिवस नज़दीक आते ही इन्होंने इस बार नया रिकॉर्ड बनाने का संकल्प ले लिया—कम से कम आठ-दस

महिलाओं का एक साथ स्तरीय उत्थान तो करना ही है! सो, दफ्तर की महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया जाने

लगा।

आपका करियर, आपका भविष्य, आपकी सुरक्षा—सबकी चिंता है हमें!

इस भावुकता में लपेटकर ऑफर दिए जाने लगे। मगर समस्या यह थी कि दफ्तर सरकारी था, और यह उत्थान

बहुत पर्सनल टाइप का था, सो इसके लिए अलग से एक फ्लैट किराए पर लेना पड़ा।

फ्लैट को पूरी सुविधाओं से लैस किया गया—खाने-पीने का इंतज़ाम, मूवी, मनोरंजन, प्रसाधन सामग्री तक! पूरी व्यवस्था बस इसलिए कि महिलाएँ महसूस

कर सकें कि इनकी शक्ति के आगे ये सज्जन नतमस्तक हैं।

मगर जाने क्यों, किसी महिला ने इनके 'उत्थान अभियान' में भागीदारी नहीं दिखाई! अब भाईसाहब घोर

आशावादी थे। यही आशा थी की महिलाओं ने हाँ नहीं की तो ना भी तो नहीं की..! पिछली पोस्टिंग में भी कई

बार हाथ-पैर तुड़वा चुके थे, मगर कभी हिम्मत नहीं हारी।

वहाँ भी उत्थान का ऑफर धड़ल्ले से दिया था—ऐसा नहीं कि वहाँ हर अभियान में सफल हुए... कई बार फेल

भी हुए... लेकिन फेल होने का पता अभियान के क्रियान्वयन के चंद पलों से लेकर चंद घंटों के अंदर ही चल

जाता था—जब महिला के परिजन आकर इनकी ठरक की ईमारत को इनके कार्यालय में ही ध्वस्त कर देते थे।

परंतु इनका जज़्बा अडिग था—कर्मण्येवाधिकारस्ते!

ठरक को जितना मर्ज़ी कुचला जाए, कितना भी दबाया जाए... ये फिर उसका जीर्णोद्धार कर लेते... ये फिर

किसी फिल्मी विलेन की तरह उठ खड़ी होती!

इधर, महिला दिवस के एक दिन पहले अचानक सारा समीकरण बदल गया।

दफ्तर की सभी संभावित लाभार्थी महिलाएँ एकजुट होकर इन्हें घेर लिया। बेचारे अभी स्थिति समझ ही रहे थे,

कि महिलाओं ने इनके शरीर के हर छिद्र से ठरक निकालने का पुण्य कार्य शुरू कर दिया—कुछ प्राकृतिक छिद्रों

से, तो कुछ अप्राकृतिक छिद्र बनाकर!

नज़ारा देखकर पुरुष सहकर्मी भी दुविधा में थे—

कुछ इसे सीख और चेतावनी की तरह देख रहे थे...

कुछ के अंदर थोड़ी बहुत ठरक पुष्पित-पल्लवित हो रही थी, जो वहीं कुचली जा रही थी...

कुछ मदद का ऑफर दे रहे थे—दो-चार हाथ हम भी लगा लें, अगर आप इजाजत दें... बहती गंगा में हाथ धोने का इससे बढ़िया मौका क्या

मिलेगा?

मगर महिलाओं ने स्पष्ट कर दिया—;आप लोग दूर रहिए! आप तो सिर्फ इस महिला उत्थानअभियान का वीडियो बनाइए और सोशल मीडिया पर डालिए!

कोई सुझाव दे रहा था कि इन्हें पुलिस के हवाले किया जाए, तो किसी ने कहा कि इनकी पत्नी को सौंप देना

चाहिए, ताकि थोड़ा बहुत उत्थान वह भी करवा सके।

कहानी समाप्त।

मगर इस बार महिला दिवस ऐसा मनाया गया कि अगर हर जगह ऐसे ही मनाया जाए, तो सच मानिए—

यही होगा असली 'महिला दिवस'!

पता-गंगापुर सिटी राजस्थान
इ मेल -drmukeshaseemit@gmail.com

लघुकथा

गुप्तदान

सीमा व्यास

शंख ध्वनि बजते ही भक्तगण अपने स्थान पर खड़े होने लगे। आरती की तैयारी हो गई थी। पंडित जी ने सस्वर आरती की। आरती की थाली भक्त गणों के बीच घुमाने का वक्त हो चला। चढ़ावा चोरी की खबरें सबकी जुबां पर थी, तो हाथ जेब में नहीं जा रहे थे। पंडिज्जी ने माइक पकड़ा तो भक्त आँखों ही आँखों में इशारा करने लगे। पंडित जी के बेटे ने एक टोकरी थामी और भक्तों की ओर बढ़ने लगा।?

माइक से पंडित जी ने कहा,' आज महाप्रसादी आपको दी जा रही है, जिसके पैकेट तैयार हैं। पर आपसे एक अनुरोध है। आपके पास एक टोकरी आ रही है। जिसमें खाली पर्चियाँ हैं। कृपया एक पर्ची लेकर उस पर अपनी एक बुराई लिखकर देते जाएँ और महाप्रसादी का पैकेट लेते जाएँ। आज के विशेष दिन आपकी एक बुराई का दान हो जाए, इससे बेहतर कुछ नहीं।'

भक्तों के हाथ झिझकते हुए पर्ची लेने की ओर बढ़े । बुराई देना दान देने से कहीं कठिन लग रहा था। वह भी गुप्तदान।

इंदौर

लघुकथा

विजेता

भीकम सिंह

बोतल हाथ से गिरकर टूट गई. लड़खड़ाते हुए चंदी सिंह महाविद्यालय की ओर बढ़ा. एक कक्ष के सामने रुककर अपना परिचय दिया, तो उसे आश्चर्य हुआ कि प्रोफ़ेसर के चेहरे पर न तो चकित का भाव आया और न आँखों में डर. चंदी सिंह का आहत अहं कुनमुनाया. उसे दबाते हुए उसने प्रोफेसर से कहा, 'मैं तुम्हारी क्लास का मुआयना करूँगा.'

'क्या?' प्रोफेसर के लिए यह स्थिति घड़ों पानी पड़ने जैसी थी कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी प्रबंध समिति में चुनकर उसकी क्लास जाँचने आया है.

अपने छात्रों क़ी प्रतिक्रिया देखे -जाने बगैर प्रोफेसर ने शिष्टाचार के लिहाज से उसे बड़े आदर से कहा, 'आइए प्लीज...'

चंदी सिंह ने अपनी जगह बनाते हुए प्रोफेसर को जरा -सा धकेला, तो प्रोफेसर क्लास से बाहर आ गया.

चंदी सिंह ने छात्रों पर आँखें जमाए कहा, 'परीक्षा में नकल क़ी सुविधा है?'

छात्रों का समवेत स्वर गूँजा , 'हाँ जी!'

सुनकर चंदी सिंह अपने पूरे मामूलीपन में तब्दील होते हुए मुस्करा पड़ा. बाहर आकर प्रोफेसर को कंधा थपथपाकर आश्वस्त किया. प्रोफेसर ने एक पव्वे के पैसे दिए और बाकायदा गेट तक आकर विदा किया.

चंदी सिंह क़ी विदाई एक विजेता क़ी विदाई जैसी थी।

कविता

मैं से हम..

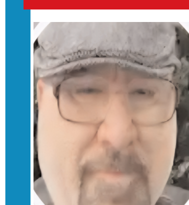

अशोक मतवाला

हम से मैं
मैं से तुम
तुम से तू
तू से हम!

रिश्ते बदलते
नाम बदलते
पर एहसास
कम नहीं होते!

हम से मैं
अहं का जन्म
भीड़ में चेहरा
अकेला सच!

मैं से तुम
पहचान बनी
अजनबी भी
अपना लगे!

तुम से तू
नज़दीकी आई
लफ़्ज़ झुके
दिल खुल गए!

तू से हम
फिर जुड़ गए
टूटे हिस्से
मिलकर हुए!

रास्ते अलग
पर याद एक
ख़ामोशी में
आवाज़ एक!

दूरी बढ़ी
पर मन न टूटा
वक़्त बदला
पर प्यार न रूठा!

हम से मैं
और मैं से हम
इसी सफ़र में
ज़िंदगी तमाम.

अमेरिका

Yahoo Mail: Search, Organize, Conquer

लघुकथा

पसंद या मुहब्बत

डॉ. शबनम आलम

अली काफ़ी दिनों से परेशान था। कहकशां से उसकी सिर्फ़ दोस्ती है या मुहब्बत ; समझ नहीं पा रहा था। कहकशां ने भी कभी खुलकर कुछ इज़हार नहीं किया, लेकिन दोनों एक दिन भी मिले बिना नहीं रह पाते थे।

'एम बी बी एस' फर्स्ट इयर से दोनों साथ हैं । इंटर्नशिप भी शुरू हो चुकी है। 'इंटर्नशिप ख़त्म होने के बाद पी. जी. के लिए किसे कहां जाना पड़े। ये सोच-सोचकर अली परेशान हो रहा था।

घर पर वो दादीजान से काफ़ी फ्रैंक था। दादी कम, दोस्त ज़्यादा थी। वो अपनी हर बात उनसे शेयर करता। कहकशां के बारे में भी बातें करता था।

दादीजान उसके उलझे - उलझे चेहरे को देखकर समझ गई, कुछ तो बात है। उन्होंने पूछ डाला - 'क्या हुआ? मेरा शहज़ादा कहां खोया हुआ है?'

वो शर्माते हुए बोला - 'दादीजान! 'पसंद' और 'मुहब्बत' में क्या फ़र्क़ है?'

दादीजान ने उसका हाथ अपने हाथों में लिया और बोली - ' आप एक फूल को देखते हो। पसंद आता है तो तोड़ कर अपने पास रख लेते हो और सूख जाने के बाद फेंक देते हो तो ; ये पसंद है। और इसी फूल को तोड़कर नहीं, बल्कि उसको रोज़ाना पानी देते हो और उसका ख्याल रखते हो ताकि ये सूखे नहीं; बल्कि हमेशा खिला-खिला रहे, तो ये मुहब्बत है।'

दादीजान की बातें सुनकर अली ने जल्दी से उनकी झप्पियां ली और भागते हुए बोला - 'दादीजान अभी आता हूं।'

दादीजान हौले से मुस्कुराई। अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
मोबाइल: 7983406102

कविता

अकेला कमरा

अनुपमा आर्य

अकेला कमरा है,
और पास से आती एक
मद्धम-सी रोशनी।
एक पुरानी कुर्सी पर
बैठी,
मैं कोई अधूरी कहानी
सोच रही हूँ।
बाहर पसरा हुआ है
रात का बेहद घना
अँधेरा,
और कमरे के भीतर
बस पंखे की धीमी
आवाज़ का एक घेरा है।
हाथ में थमी डायरी
खुद-ब-खुद कुछ
लिखती जाती है,
पर ये थकी हुई आँखें
शब्दों से कहीं ज़्यादा
कहना चाहती हैं।
कुछ ख़्वाब
धूल जमी अलमारी से
निकाल रही हूँ,
कुछ अब भी
पुराने लिफ़ाफ़ों में
चुपचाप साँस ले रहे हैं।
कमरे का यह कोना
जैसे एक दरवाज़ा बन
गया है,
जो बिना दस्तक दिए
सीधे मेरे मन के भीतर
झाँक रहा है।
मैं बैठी हूँ...
अपनी पुरानी कहानियों
के पन्ने पलटते हुए,
और बीते लम्हों की
सिलवटों में
फिर से कुछ अपने
तलाश रही हूँ।
मगर वे लोग...
जो हक़ीक़त छोड़कर
अब सिर्फ़ सपनों में
आते हैं,
हर बार आकर
मेरी अनलिखी कहानियों
में
एक नया विराम छोड़
जाते हैं।
वे याद बनकर
दिल के सोए हुए दर्द
को जगा देते हैं,
और मेरी डायरी...
चुपचाप आख़िरी पन्ने
पर लिख देती है—
रात अभी बाकी है...
और कुछ एहसास भी।

आगरा (उत्तर प्रदेश)

धान खरीदी घोटाले में बड़े नेटवर्क और सफेदपोशों की भूमिका की आशंका

16 लाख नगद बरामद, बाकी रकम की तलाश में जांच

विश्व केसरी

कवर्धा (जगदंबिका साहू)। जिले के सहसपुर लोहारा क्षेत्र में धान खरीदी से जुड़े आर्थिक अनियमितता के मामले ने अब बड़े घोटाले का रूप ले लिया है। धान उपार्जन केंद्र सहसपुर लोहारा, बासिनझोरी और बिरनपुर कला में शासन को 81 लाख 19 हजार 502 रुपये की आर्थिक क्षति पहुंचाने के मामले में पुलिस ने समिति प्रबंधक गंगादास मानिकपुरी सहित फड़ प्रभारियों और कंप्यूटर ऑपरेटरों के विरुद्ध अपराध दर्ज किया है। जांच के दौरान समिति प्रबंधक के घर से करीब 16 लाख रुपये नगद मिलने के बाद पूरे मामले को लेकर कई नए पहलुओं पर चर्चा शुरू हो गई है।

सबसे बड़ा मुद्दा यह बन गया है कि जब समिति प्रबंधक के घर से इतनी बड़ी नकद राशि बरामद हुई है, तब शेष रकम का प्रवाह किन लोगों तक पहुंचा और इस कथित अनियमितता से किस-किस को लाभ मिला। स्थानीय स्तर पर इस पूरे प्रकरण को एक संगठित नेटवर्क के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें केवल एक व्यक्ति की भूमिका मानना जांच को सीमित करना माना जा रहा है।

पुलिस जांच के अनुसार संयुक्त जांच दल के आकस्मिक निरीक्षण में पाया गया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान धान खरीदी और खाली बारदानों के प्रबंधन में गंभीर गड़बड़ियां हुईं। प्रथम दृष्टया मामला अमानत में खयानत तथा शासन को आर्थिक नुकसान पहुंचाने का पाए जाने पर अलग-अलग अपराध पंजीबद्ध किए गए हैं। मामले में आरोपी बनाए गए लोगों में समिति प्रबंधक गंगादास मानिकपुरी, फड़ प्रभारी बलदाउ डडसेना, कंप्यूटर ऑपरेटर बिहारी राम साहू, फड़ प्रभारी तुकाराम साहू, कंप्यूटर ऑपरेटर पीलूराम साहू तथा कंप्यूटर ऑपरेटर महावीर साहू शामिल हैं। सभी आरोपियों की भूमिका अब जांच के केंद्र में है।

जानकारों का मानना है कि यदि तीन अलग-अलग धान उपार्जन केंद्रों में इतनी बड़ी आर्थिक अनियमितता सामने आई है, तो इसकी परतें केवल दस्तावेजी गड़बड़ी तक सीमित नहीं हो सकतीं। धान खरीदी के दौरान हुए वित्तीय लेन-देन, कथित कमीशन व्यवस्था और विभिन्न स्तरों पर हुए संपर्कों की गहन जांच से पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सकता है।

जांच एजेंसियों के लिए अब आरोपियों के मोबाइल फोन, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, बैंक खातों और मोबाइल लोकेशन की जांच बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। धान खरीदी अवधि के दौरान किन-किन लोगों से लगातार संपर्क हुआ, किसे कथित रूप से लाभ पहुंचाया गया और किन लोगों के संरक्षण में यह पूरा तंत्र संचालित हुआ, इसकी पड़ताल से कई अहम तथ्य सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

सूत्रों के अनुसार यदि सभी आरोपियों के घरों में भी छापामार कार्रवाई की जाती है तथा बैंक खातों और संपत्तियों की जांच की जाती है, तो कथित आर्थिक नुकसान की राशि के वास्तविक प्रवाह का पता चल सकता है। इससे यह भी स्पष्ट हो सकेगा कि क्या इस पूरे प्रकरण में अन्य लोग भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल थे।

मामले ने विभागीय कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नियमित निरीक्षण, स्टॉक सत्यापन और निगरानी व्यवस्था के बावजूद तीन धान उपार्जन केंद्रों में इतनी बड़ी गड़बड़ी सामने आना यह दर्शाता है कि निगरानी तंत्र कहीं न कहीं कमजोर रहा है या फिर जांच के दायरे में आने योग्य अन्य पहलू भी मौजूद हैं। क्षेत्र में यह चर्चा भी तेज है कि यदि निष्पक्ष और गहन जांच की गई, तो कुछ सफेदपोश लोगों और विभागीय अधिकारियों की भूमिका भी उजागर हो सकती है।

मैनपाट में बेलगाम बाइकर गैंग पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

विश्व केसरी

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थल मैनपाट में तेज रफ्तार और मॉडिफाइड साइलेंसर वाली बाइकों से हुड़दंग मचाने वाले बाइकर गैंग के खिलाफ पुलिस ने विशेष अभियान शुरू कर दिया है। पर्यटकों और स्थानीय लोगों की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद पुलिस ने पर्यटन स्थलों एवं प्रमुख मार्गों पर निगरानी बढ़ाते हुए नियमों का उल्लंघन करने वाले बाइक चालकों पर कार्रवाई तेज कर दी है।

पुलिस के अनुसार, कुछ युवक समूह बनाकर सड़कों पर तेज गति से बाइक चलाते हुए स्टंट करते हैं और मॉडिफाइड साइलेंसर से तेज आवाज निकालकर सार्वजनिक शांति भंग कर रहे हैं। ऐसे लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। बिना वैध दस्तावेज, हेलमेट के बिना वाहन चलाने, खतरनाक तरीके से ड्राइविंग करने तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के चालान भी काटे जा रहे हैं।

पुलिस ने मैनपाट के प्रमुख पर्यटन स्थलों और संवेदनशील मार्गों पर विशेष निगरानी व्यवस्था लागू की है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है, ताकि पर्यटकों को सुरक्षित और शांत वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों ने पुलिस की इस कार्रवाई का स्वागत किया है। उनका कहना है कि मैनपाट अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के कारण देश-प्रदेश के पर्यटकों की पहली पसंद है, लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों की वजह से यहां का माहौल प्रभावित हो रहा था।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मैनपाट की शांति, सुरक्षा और पर्यटन की गरिमा बनाए रखने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने, हुड़दंग मचाने वाले और लोगों की सुरक्षा को खतरे में डालने वालों के खिलाफ भविष्य में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

खेत में किसान की हत्या, सीने में गैंती धंसी मिली लाश, गांव में सनसनी

विश्व केसरी

सरसींवां (राकेश सोनी)। भटगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जुनवानी नवापारा में किसान की हत्या से सनसनी फैल गई। खेत में किसान का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही पुलिस, डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई।

मृतक की पहचान गांव के 70 वर्षीय तुलसीदास टंडन के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि वे पिछले दिनों तिल की बुआई के लिए खेत गए थे, लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटे। तलाश करने पर उनका शव खेत में मिला। शव के सीने में गैंती (कुदाल) धंसी हुई थी, जबकि दोनों आंखों के पास खून के निशान मिले।

घटना की सूचना पर बिलाईगढ़ एसडीओपी विजय ठाकुर और भटगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में जमीन विवाद की आशंका जताई जा रही है, हालांकि हत्या के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा।

अवैध मदिरा के खिलाफ आबकारी विभाग की कार्रवाई, 150 लीटर अवैध मदिरा जब्त, 12 आरोपी जेल दाखिल

विश्व केसरी

बलौदाबाजार (भुवन लाल)। कलेक्टर कुलदीप शर्मा एवं जिला आबकारी अधिकारी निधीश कुमार के मार्गदर्शन में जिला आबकारी की टीम द्वारा 27 जून से 10 जुलाई तक 150 लीटर अवैध मदिरा जब्त कर 12 आरोपियों को जेल भेजा गया।

भाटापारा में आबकारी विभाग द्वारा आरोपी जनक राम युद पिता गंगू राम युद उम्र 35 ग्राम बोरसी थाना भाटापारा ग्रामीण के कब्जे से 40 पाव कुल 7.2 लीटर देशी मदिरा मसाला जप्त किया गया, जिसका बाजार मूल्य 4,000 होना पाया गया। कसडोल के अंतर्गत आबकारी विभाग द्वारा आरोपी सुंदरलाल पिता सेतराम उम्र 44 वर्ष ग्राम थरगांव थाना सलीहा के कब्जे से 16.00 बल्क लीटर हाथभट्ठी कच्ची महुआ शराब जप्त किया गया। आरोपिया दिलोबाई पति सेतराम उम्र 40 ग्राम रंगोरा चौकी बया के कब्जे से 18.00 बल्क लीटर हाथभट्ठी कच्ची महुआ शराब जप्त किया गया। दोनो आरोपियों के कब्जे से कुल 34.00 बल्क लीटर हाथभट्ठी कच्ची महुआ शराब जप्त किया गया, जिसका बाजार मूल्य 6,800 होना पाया गया।वृत्त कसडोल में ही आबकारी विभाग द्वारा आरोपी आगम दास सोनकर उर्फ सेठ सतनामी पिता समारू उम्र 46 वर्ष निवासी गिरौदपुरी चौकी गिरौदपुरी के कब्जे से 20.00 बल्क लीटर हाथभट्ठी कच्ची महुआ शराब एवं लगभग 150 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त किया गया।

12 वर्षीय बालक की सड़क हादसे में मौत बाईपास निर्माण और भारी वाहनों पर रोक की मांग

विश्व केसरी

राजनांदगांव (डोंगरगढ़)। डोंगरगढ़ में सड़क हादसे में 12 वर्षीय बालक की मौत के बाद शनिवार को लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित परिजनों और नागरिकों ने बालक के शव को डोंगरगढ़ थाना के सामने रखकर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर तत्काल रोक लगाने, बाईपास सड़क का शीघ्र निर्माण कराने, मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने तथा हादसे के लिए जिम्मेदार हाइवा चालक और वाहन मालिक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की।

डोंगरगढ़ के अंडरब्रिज के पास तेज रफ्तार हाइवा की चपेट में आने से 12 वर्षीय बालक की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना से शहर में आक्रोश फैल गया। शनिवार सुबह बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और परिजन थाना पहुंचे तथा शव को सड़क पर रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि शहर में लंबे समय से बाईपास सड़क निर्माण और भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध की मांग की जा रही है, लेकिन प्रशासन की ओर से प्रभावी कदम नहीं उठाए गए। उनका आरोप था कि भारी वाहनों की आवाजाही के कारण लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं और निर्दोष लोगों की जान जा रही है। उन्होंने मृतक परिवार को आर्थिक सहायता और भविष्य में ऐसे हादसों की रोकथाम के लिए स्थायी व्यवस्था की भी मांग की। चक्काजाम की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने भी प्रदर्शनकारियों से चर्चा की। अधिकारियों ने नियमानुसार मुआवजा दिलाने, हाइवा चालक एवं वाहन मालिक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने, बाईपास निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा शहर में भारी वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

नकली खाद पर कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई, 3500 बोरी जब्त

विश्व केसरी

जगदलपुर। बस्तर जिले में किसानों को मिट्टी मिश्रित कथित नकली खाद बेचने के मामले में कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर के निर्देश पर उप संचालक कृषि के नेतृत्व में गठित टीम ने बकावंड विकासखंड के करपावंड क्षेत्र में ताबड़तोड़ छापेमारी करते हुए 20 खाद दुकानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान तीन दुकानों में संदिग्ध खाद मिलने पर रेड की कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान लगभग 3,500 बोरी संदिग्ध नकली खाद जब्त कर उसकी बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी गई। साथ ही संबंधित तीन गोदामों को सील कर दिया गया है। कृषि विभाग द्वारा खाद के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं, ताकि गुणवत्ता की पुष्टि की जा सके। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि किसानों के हितों से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। मामले में इस नकली खाद के बड़े सप्लायरों और सप्लाई नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने किसानों से भी अपील की है कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही खाद खरीदें तथा किसी भी प्रकार की संदिग्ध खाद या अनियमितता की जानकारी तत्काल कृषि विभाग को दें।

राजनांदगांव के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष

विश्व केसरी

राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष एवं राजनांदगांव विधायक डॉ. रमन सिंह शनिवार से दो दिवसीय प्रवास पर राजनांदगांव पहुंचे। अपने दौरे के दौरान उन्होंने विभिन्न सामाजिक एवं विकासात्मक कार्यक्रमों में भाग लिया और जिले में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। दौरे के पहले दिन डॉ. रमन सिंह ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में हिस्सा लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके बाद उन्होंने बरगा और अलीवारा में रेलवे द्वारा निर्मित ओवरब्रिज का उल्लेख करते हुए पहली ही बारिश में सड़क पर गड्ढे और दरारें आने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि रेलवे जैसी बड़ी एजेंसी के निर्माण कार्य गुणवत्ता के मानकों पर खरे उतरने चाहिए, लेकिन ओवरब्रिज की स्थिति निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

डॉ. रमन सिंह ने कहा कि इस मामले में रेलवे अधिकारियों से चर्चा कर निष्पक्ष जांच कराई जाएगी तथा आवश्यक पत्राचार भी किया जाएगा, ताकि जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो और भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने।

नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए धमतरी पुलिस की विशेष कार्यशाला

विश्व केसरी

धमतरी (पवन तिवारी)। पुलिस द्वारा नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी, एकरूप एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कम्पोजिट भवन, पुलिस लाइन रूद्री में एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक धमतरी सूरज सिंह परिहार के निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में सेवानिवृत्त पूर्व विशेष पुलिस महानिदेशक आर.के. विज (आईपीएस) ने मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित होकर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नवीन आपराधिक कानूनों के विभिन्न विधिक एवं व्यवहारिक पक्षों पर विस्तृत एवं मार्गदर्शी व्याख्यान प्रदान किया।अपने उद्बोधन मेंआर.के. विज (आईपीएस) ने भारतीय न्याय संहिता, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 के महत्वपूर्ण प्रावधानों, विवेचना की नवीन प्रक्रियाओं, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल साक्ष्यों के वैज्ञानिक संकलन, अभियोजन को अधिक प्रभावी बनाने की रणनीतियों तथा न्यायालयीन कार्यवाही में इन कानूनों के व्यावहारिक उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नवीन कानूनों का उद्देश्य न्याय प्रणाली को अधिक पारदर्शी, तकनीक आधारित, पीड़ित-केंद्रित एवं समयबद्ध बनाना है, जिसके लिए प्रत्येक पुलिस अधिकारी का विधिक रूप से दक्ष एवं अद्यतन होना अत्यंत आवश्यक है।पुलिस अधीक्षक धमतरी सूरज सिंह परिहार ने कहा कि बदलते विधिक परिदृश्य में पुलिस बल को निरंतर प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास के माध्यम से सशक्त बनाना समय की आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण विवेचना, वैज्ञानिक साक्ष्यों का प्रभावी उपयोग तथा सुदृढ़ अभियोजन ही अपराधियों को शीघ्र दंडित कराने एवं पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने का आधार है। इस उद्देश्य से धमतरी पुलिस नवीन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु लगातार प्रशिक्षण एवं क्षमता संवर्धन कार्यक्रम आयोजित कर रही है।कार्यशाला में जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों के साथ उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक,प्रधान आरक्षक, वरिष्ठ आरक्षक, सभी थाना-चौकियों में पदस्थ सीसीटीएनएस ऑपरेटर तथा विभिन्न इकाइयों में पदस्थ प्रशिक्षु उप निरीक्षकों ने सक्रिय सहभागिता की।

गोंचा महापर्व की तैयारियां पूरी, 16 जुलाई को निकलेगी भव्य रथयात्रा

विश्व केसरी

जगदलपुर। बस्तर की ऐतिहासिक सांस्कृतिक विरासत और आस्था के सबसे बड़े पर्व गोंचा महापर्व की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। करीब 600 वर्षों से चली आ रही इस परंपरा का आयोजन ओडिशा के पुरी की रथयात्रा की तर्ज पर किया जाता है। महापर्व को लेकर जगदलपुर सहित पूरे बस्तर अंचल में उत्साह का माहौल है। परंपरा के अनुसार 15 जुलाई को भगवान जगन्नाथ के नेत्रोत्सव का आयोजन होगा, जिसमें श्रद्धालुओं को भगवान के प्रथम दर्शन होंगे। इसके अगले दिन 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और देवी सुभद्रा की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। इस वर्ष भी विशेष रूप से तैयार किए जा रहे चार पहियों और सात खंडों वाले नए रथ पर तीनों विग्रह नगर भ्रमण करेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की मांग पर सिंहदेव ने जताई असहमति

विश्व केसरी

अंबिकापुर। सोशल मीडिया पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने की मांग को लेकर चल रहे अभियान पर उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दी है। सिंहदेव ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश अध्यक्ष सहित पार्टी के किसी भी पद पर नियुक्ति का अधिकार केवल कांग्रेस हाईकमान को है और इस विषय पर सार्वजनिक अटकलों से बचना चाहिए।

सिंहदेव ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति या किसी भी नेता की जिम्मेदारी तय करना पूरी तरह पार्टी हाईकमान का विशेषाधिकार है। उन्होंने कहा कि

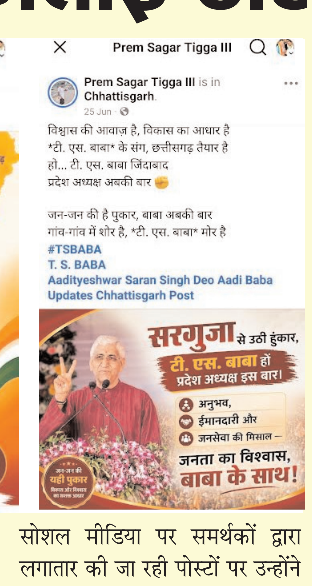

पार्टी के भीतर अनुशासन सर्वोपरि है और सभी कार्यकर्ताओं को संगठन के निर्णय का सम्मान करना चाहिए। सोशल मीडिया पर समर्थकों द्वारा लगातार की जा रही पोस्टों पर उन्होंने कहा कि कई बार लोग अपनी भावनाओं को रोक नहीं पाते और सोशल मीडिया पर अपनी बात लिख देते हैं, लेकिन ऐसे प्रयासों से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह की पोस्टें स्थिति को और अधिक उलझा सकती हैं तथा संगठन के लिए असहज माहौल बना सकती हैं।

पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के पद को लेकर कयास लगाने या सोशल मीडिया पर अभियान चलाने के बजाय पार्टी की एकजुटता और अनुशासन बनाए रखना अधिक आवश्यक है। उनके इस बयान के बाद प्रदेश कांग्रेस में अध्यक्ष पद को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच राजनीतिक हलकों में नई चर्चा शुरू हो गई है।

ग्राम पंचायत सिर्री में मनरेगा और टैक्स घोटाले के खिलाफ महा-आंदोलन, 10 मंत्रियों को सौंपा गया ज्ञापन

विश्व केसरी

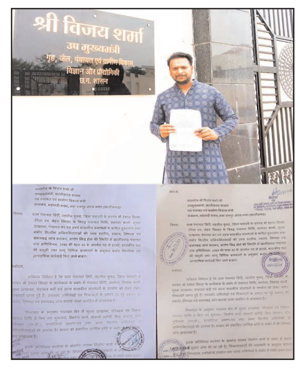

धमतरी (पवन तिवारी)। ग्राम पंचायत सिर्री (तहसील कुरूद, जिला धमतरी) के न्याय की लड़ाई आज एक ऐतिहासिक मोड़ पर है। सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र देवांगन के नेतृत्व में ग्रामवासियों ने इतिहास में पहली बार एक ही दिन में छत्तीसगढ़ शासन के 10 मंत्रियों को ज्ञापन सौंपकर प्रशासनिक तंत्र को हिला दिया है।

रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान योगेंद्र देवांगन ने सरपंच देशांत सिन्हा के भ्रष्टाचार के विरुद्ध आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया। ग्रामीणों ने पुख्ता सबूतों के साथ आरोप लगाया कि मनरेगा के कार्यों में बड़े पैमाने पर वित्तीय हेराफेरी की गई है और पंचायत टैक्स के नाम पर जनता से वसूल की गई राशि में सीधे तौर पर चोरी की जा रही है। ग्रामीणों ने सरपंच देशांत सिन्हा पर मुरुम के अवैध उत्खनन, परिवहन और विक्रय के मुख्य सरगना के रूप में कार्य करने का आरोप है। ग्रामीणों की मांग धारा 40 लागू हो पंचायत निधि, सामग्री खरीदी, बिल और वाउचर में गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए, ग्रामीणों ने छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1993 की धारा 40 के तहत सरपंच को पद से हटाने और दोषियों पर कठोर आपराधिक कार्रवाई की मांग की है।

'इतिहास में पहली बार हुआ है कि गांव के न्याय के लिए एक साथ 10 मंत्रियों को ज्ञापन दिया गया है। योगेंद्र देवांगन हमेशा ग्राम सिर्री के न्याय के लिए तत्पर है। मंत्री विजय शर्मा ने भ्रष्टाचारियों पर जीरो टॉलरेंस की बात कही है, और हमें पूरा विश्वास है कि इस अत्याचार का अंत अब निकट है। सरपंच ने गांव को बेचने का पाप किया है, जिसका हिसाब अब शासन को देना होगा।

ग्रामवासियों ने विज्ञप्ति के माध्यम से अपील की - 'यह केवल एक शिकायत नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार मुक्त सिर्री का संकल्प है। सभी ग्रामवासी अपना आशीर्वाद और सहयोग बनाए रखें। हम इस लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।'

ब्रिक्स देशों से केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की अपील: टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयार परिवहन व्यवस्था बनाने पर बढ़ाएं आपसी सहयोग

विश्व केसरी ■

मुंबई । केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को ब्रिक्स (बीआरआईसीएस) देशों से टिकाऊ, मजबूत, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार परिवहन व्यवस्था विकसित करने के लिए आपसी सहयोग बढ़ाने की अपील की।

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत आयोजित तीसरी ब्रिक्स परिवहन मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण, ट्रैफिक जाम, कार्बन उत्सर्जन, सड़क सुरक्षा और अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी (लास्ट-माइल कनेक्टिविटी) जैसी साझा चुनौतियों का समाधान केवल सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, गडकरी ने कहा कि भारत ज्ञान साझा करने, क्षमता निर्माण, तकनीकी सहयोग और ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, वैकल्पिक ईंधन, डिजिटल ट्रांसपोर्ट सिस्टम और टिकाऊ मल्टीमॉडल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में संयुक्त शोध के जरिए ब्रिक्स देशों के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों की सामूहिक ताकत वैश्विक परिवहन व्यवस्था के भविष्य को नवाचार, साझेदारी और साझा जिम्मेदारी के आधार पर नई दिशा देने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है।

गडकरी ने नागपुर में आयोजित बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों के परिवहन मंत्रियों, प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों, वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह बैठक उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच परिवहन सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि 'लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' विषय पर आधारित भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 'वसुधैव कुटुंबकम्' के दर्शन से प्रेरित 'मानवता सर्वोपरि' की सोच को दर्शाती है।

सोना इस हफ्ते धड़ाम, चांदी का दाम 13 हजार रुपए से अधिक घटा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। तेजी से बदलते वैश्विक हालातों के बीच सोने और चांदी में इस हफ्ते गिरावट देखने को मिली, जिससे सोना और चांदी क्रमशः 2,900 रुपए और 13,000 रुपए से अधिक सस्ते हो गए हैं।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24-कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 2,976 रुपए कम होकर 1,43,368 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,46,344 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। 22-कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,31,325 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,34,051 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18-कैरेट सोने का दाम कम होकर 1,07,526 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,09,758 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 8 जुलाई को शाम के सत्र में 1,42,350 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 6 जुलाई को सुबह के सत्र में 1,45,583 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। सोने के साथ चांदी की कीमत में भी गिरावट देखने को मिली है। चांदी का दाम 13,468 रुपए कम होकर 2,20,390 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,33,858 रुपए प्रति किलो था।

इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 6 जुलाई को शाम के सत्र में 2,33,158 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 10 जुलाई को शाम के सत्र में 2,20,390 रुपए प्रति किलो देखा गया। आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,100 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 60 डॉलर प्रति औंस के करीब आ गया है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में गिरावट की वजह अमेरिका और ईरान में तनाव बढ़ना था। अमेरिका की ओर से होर्मुज में कई वाणिज्यिक जहाजों पर हमले के बाद ईरान के कई शहरों को निशाना बनाया।

इस सप्ताह भारतीय बाजार में विदेशी निवेशकों की दमदार वापसी, किए 4,670 करोड़ रुपए का निवेश

विश्व केसरी ■

मुंबई । विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में फिर से खरीदारी का रुख किया। एक्सचेंज के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, एफआईआई ने सप्ताह के दौरान 4,670 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) भी हमेशा की तरह बाजार में सक्रिय खरीदार रहे। उन्होंने इस सप्ताह 8,280 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया।

इस बीच, एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, जून में सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश बढ़कर 31,780 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो पिछले तीन महीनों का सबसे ऊंचा स्तर है।

विश्लेषकों के अनुसार, यह राशि मई के 30,950 करोड़ रुपए की तुलना में 2.7 प्रतिशत अधिक है। वहीं, जून 2025 में दर्ज 27,270 करोड़ रुपए के मुकाबले इसमें 16.5 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी हुई है।

बजाज ब्रोकिंग के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट (रिसर्च) पबित्रो मुखर्जी ने कहा कि प्रमुख शेयर सूचकांकों की लगातार चार सप्ताह की तेजी इस सप्ताह थम गई और बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला।

उन्होंने कहा कि सप्ताह की शुरुआत में निफ्टी ने अच्छी तेजी दिखाई और मंगलवार को 24,530 का साप्ताहिक उच्च स्तर बनाया।

हालांकि, सप्ताह के बीच में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़े भू-राजनीतिक तनाव के कारण बाजार में भारी गिरावट आई, जिसके चलते बुधवार को निफ्टी गिरकर 23,805 अंक के साप्ताहिक निचले स्तर तक पहुंच गया और हालिया बढ़त लगभग पूरी तरह खत्म हो गई।

इसके बाद सप्ताह के अंतिम दो कारोबारी सत्रों में बाजार में अच्छी रिकवरी देखने को मिली और निफ्टी लगभग 24,200 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि, पूरे सप्ताह के दौरान इसमें करीब 0.26 प्रतिशत की मामूली गिरावट दर्ज की गई।

विश्लेषकों का कहना है कि सरकार की हालिया नीतियों ने विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है।

वैश्विक तेल मांग में सुधार के संकेत, कच्चे तेल बाजार को सामान्य करने के लिए खाड़ी में शांति जरूरी: आईईए

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने कहा है कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की मांग में सुधार शुरू हो गया है। मई में तेल की मांग घटकर 9.79 करोड़ बैरल प्रतिदिन (97.9 मिलियन बैरल प्रतिदिन) रह गई थी, जो एक साल पहले की तुलना में 53 लाख बैरल प्रतिदिन कम थी। हालांकि, एजेंसी का अनुमान है कि अक्टूबर तक वैश्विक तेल मांग मई के निचले स्तर से 80 लाख बैरल प्रतिदिन से अधिक बढ़ जाएगी और फरवरी के बाद पहली बार 2025 के स्तर से ऊपर पहुंच जाएगी।

आईईए की ताजा 'ऑयल मार्केट रिपोर्ट' के अनुसार, गर्मियों में यात्रा बढ़ने के कारण ईंधन की मांग में तेजी आएगी। इसके साथ ही पहले से दबी हुई मांग के बाजार में लौटने से भी तेल की खपत को अतिरिक्त बढ़ावा मिलेगा।

हालांकि, एजेंसी का अनुमान है कि 2026 में वैश्विक तेल मांग में 10 लाख बैरल प्रतिदिन की कमी आ सकती है। इसके बाद 2027 में मांग 20 लाख बैरल प्रतिदिन बढ़ने की उम्मीद है।

आईईए के मुताबिक, साल के अंत तक वैश्विक तेल बाजार में आपूर्ति मांग से अधिक हो सकती है। हालांकि, यह अनुमान इस बात पर निर्भर करेगा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से तेल टैंकरों की आवाजाही धीरे-धीरे सामान्य होती है या नहीं। यदि ऐसा होता है तो तेल उत्पादक देश फिर से उत्पादन बढ़ा सकेंगे और मध्य पूर्व समेत अन्य क्षेत्रों की रिफाइनरियां भी पेट्रोलियम उत्पादों की सप्लाई सामान्य रूप से शुरू कर सकेंगी। एजेंसी ने कहा कि इस सप्ताह खाड़ी क्षेत्र में फिर से हुई गोलीबारी यह दिखाती है कि यदि स्थायी शांति समझौता नहीं हुआ तो तेल बाजार में सामान्य स्थिति बहाल करना मुश्किल होगा। आईईए ने स्पष्ट कहा कि कच्चे तेल के बाजार को स्थिर करने के लिए खाड़ी क्षेत्र में स्थायी शांति बेहद जरूरी है।

रिपोर्ट के अनुसार, जून में वैश्विक तेल भंडार चार महीने बाद पहली बार 2.1 करोड़ बैरल बढ़ा। समुद्र में मौजूद तेल की मात्रा बढ़ने से यह वृद्धि हुई, जिसने जमीन पर मौजूद भंडार में आई कमी की भरपाई कर दी।

मई में 7.3 करोड़ बैरल की गिरावट के बाद जून में ओईसीडी देशों के कुल तेल भंडार में 6.2 करोड़ बैरल की और कमी आई, जिसमें से लगभग 4.4 करोड़ बैरल की कमी सरकारी भंडार से तेल जारी किए जाने के कारण रही। वहीं, गैर-ओईसीडी देशों के कच्चे तेल के भंडार में भी 3.7 करोड़ बैरल की गिरावट दर्ज की गई, जिसमें अकेले चीन में 4.1 करोड़ बैरल की कमी शामिल रही।

चार हफ्तों की तेजी के बाद इस सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में आई मामूली गिरावट, पश्चिम एशिया तनाव से बढ़ा दबाव

विश्व केसरी ■

मुंबई । लगातार चार सप्ताह की तेजी के बाद भारतीय शेयर बाजार इस सप्ताह मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया, जिससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई।

इस सप्ताह के दौरान निफ्टी 0.26 प्रतिशत फिसला, हालांकि आखिरी कारोबारी दिन इसमें 1.02 प्रतिशत की तेजी आई और यह 24,206 अंक पर बंद हुआ। वहीं, सेंसेक्स शुक्रवार को 827 अंक (1.08 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 77,569 अंक पर बंद हुआ। इसके बावजूद पूरे सप्ताह में सेंसेक्स 0.25 प्रतिशत कमजोर रहा।

पूरे सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। सप्ताह की शुरुआत सकारात्मक माहौल के साथ हुई, लेकिन बाद में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता को लेकर अनिश्चितता के कारण वैश्विक बाजारों में बिकवाली का माहौल बन गया, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला। हालांकि, बाजार में यह गिरावट ज्यादा समय तक नहीं रही।

एक बाजार विशेषज्ञ के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के लिए बैंकिंग और आईटी कंपनियों के बेहतर कारोबारी अपडेट आने से निवेशकों का भरोसा फिर मजबूत हुआ और आगामी तिमाही नतीजों को लेकर सकारात्मक माहौल बना।

सप्ताह के दूसरे हिस्से में भारतीय शेयर बाजार में अच्छी रिकवरी देखने को मिली, जिसकी प्रमुख वजह कच्चे तेल की कीमतों का करीब 76 डॉलर प्रति बैरल से घटकर 71-72 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में आना, वैश्विक टेक शेयरों में सुधार और कूटनीतिक प्रयासों को लेकर बढ़ी उम्मीदें रहीं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पहली तिमाही में कंपनियों के नतीजे उम्मीद से बेहतर रहते हैं, तो वित्त वर्ष 2026-27 की कमाई (कॉरपोरेट अर्निंग्स) को लेकर भरोसा और मजबूत होगा।

एप्पल ने ओपनएआई पर लगाया तकनीक चोरी का आरोप, गोपनीय जानकारी और आने वाले प्रोडक्ट्स के सीक्रेट्स चुराने का दावा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । दिग्गज टेक कंपनी एप्पल ने एआई कंपनी ओपनएआई और उसके हार्डवेयर प्रमुख के खिलाफ बड़ा कानूनी कदम उठाया है। एप्पल ने आरोप लगाया कि ओपनएआई ने सुनियोजित तरीके से उसके आने वाले प्रोडक्ट्स से जुड़ी गोपनीय जानकारी, डिजाइन और तकनीकी दस्तावेज हासिल करने की कोशिश की।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैलिफोर्निया के नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में दायर मुकदमे में एप्पल ने कहा कि ओपनएआई के मुख्य हार्डवेयर अधिकारी टैंग टैन ने नौकरी के इंटरव्यू के दौरान एप्पल के कर्मचारियों को कंपनी के आने वाले प्रोडक्ट्स से जुड़ी जानकारी, कंपोनेंट्स, ड्रॉइंग और अन्य गोपनीय सामग्री साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

टैंग टैन पहले एप्पल में प्रोडक्ट डिजाइन के वाइस प्रेसिडेंट रह चुके हैं। उन्होंने आईफोन, एप्पल वॉच, एयरपॉड्स और कंपनी के कई अन्य हार्डवेयर प्रोडक्ट्स का नेतृत्व किया था।

मुकदमे में पूर्व आईफोन हार्डवेयर इंजीनियर चांग लियू का भी नाम शामिल है। एप्पल का आरोप है कि चांग लियू ने ओपनएआई के लिए हार्डवेयर विकसित करने के दौरान गैरकानूनी तरीके से एप्पल की दर्जनों गोपनीय हार्डवेयर फाइलों तक पहुंच बनाई। इन फाइलों में अभी तक लॉन्च नहीं हुए प्रोडक्ट्स से जुड़ी विस्तृत तकनीकी जानकारी और इंजीनियरिंग प्रेजेंटेशन शामिल थे।

एप्पल ने यह भी आरोप लगाया कि ओपनएआई ने कई कर्मचारियों को यह सलाह दी कि वे कंपनी छोड़ते समय इस तरह कदम उठाएं, जिससे गोपनीय फाइलों तक उनकी पहुंच बनी रहे।

हालांकि, ओपनएआई ने इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। कंपनी का कहना है कि उसे किसी दूसरी कंपनी के व्यापारिक रहस्यों में कोई दिलचस्पी नहीं है और वह ऐसी नई तकनीक विकसित करने पर ध्यान दे रही है, जो दुनिया भर के लोगों को सशक्त बनाए। हाल के वर्षों में एप्पल और ओपनएआई के बीच करीबी साझेदारी रही है। ओपनएआई ने एप्पल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म और सिरी डिजिटल असिस्टेंट के लिए अहम तकनीक उपलब्ध कराई थी। लेकिन पिछले एक साल में दोनों कंपनियों के रिश्तों में तनाव बढ़ गया।

उपभोक्ता शिकायतों के बाद एफएसएसएआई ने स्विगी इंस्टामार्ट को जारी किए 9 नोटिस, कई खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के आरोप

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने उपभोक्ताओं की शिकायतों के आधार पर क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्विगी इंस्टामार्ट को नौ नोटिस जारी किए हैं। खाद्य नियामक ने शनिवार को बताया कि इन शिकायतों में एक्सपायर्ड, सड़े-गले, खराब, दूषित और मानव उपभोग के लिए असुरक्षित खाद्य उत्पादों की सप्लाई किए जाने के आरोप लगाए गए हैं।

एफएसएसएआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि जांच के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। इनमें एक प्रमुख मामला यह था कि अंडों को ऐसे ब्रांड नाम से बेचा जा रहा था, जो कंपनी के मौजूदा एफएसएसएआई लाइसेंस में स्वीकृत उत्पाद श्रेणी के अंतर्गत शामिल नहीं था।

प्राधिकरण ने फूड बिजनेस ऑपरेटर (एफबीओ) को निर्देश दिया है कि वैध लाइसेंस मिलने तक ऐसे उत्पादों की बिक्री तुरंत बंद की जाए और जरूरत पड़ने पर लाइसेंस में संशोधन के लिए आवेदन किया जाए।

नोटिस में यह भी उल्लेख किया गया है कि 'हेल्थिफाई 100 प्रतिशत व्हे प्रोटीन 1 किलो' और 'नोइस होमस्टाइल मद्रास मिक्सचर विद पीनट्स' जैसे उत्पादों की एक्सपायरी डेट खत्म होने के बाद भी ग्राहकों को सप्लाई किए जाने की शिकायत मिली है।

इसके अलावा, 'अक्षयकल्प ऑर्गेनिक अंडा' के संबंध में शिकायत मिली कि अंडा एक्सपायर्ड था, उसमें सड़न आ चुकी थी, उससे बदबू आ रही थी और उसमें संक्रमण के संकेत पाए गए, जिसके कारण वह मानव उपभोग के लिए पूरी तरह अनुपयुक्त था।

इसी तरह 'कक्के दा पराठा' के खराब और बदबूदार होने की शिकायत भी दर्ज की गई, जिससे उसे खाने योग्य नहीं माना गया।

एफएसएसएआई ने यह भी आरोप लगाया कि शिकायत दर्ज होने और उसे आगे बढ़ाए जाने के बावजूद फूड बिजनेस ऑपरेटर ने कोई प्रभावी सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की।

एक अन्य मामले में शिशुओं के लिए तैयार खाद्य उत्पाद खराब और असुरक्षित स्थिति में पाया गया। इतना ही नहीं, ग्राहक द्वारा दोषपूर्ण उत्पाद लौटाने के बाद भी वही उत्पाद दोबारा सप्लाई किए जाने का आरोप है।

खाद्य सुरक्षा नियामक ने स्विगी इंस्टामार्ट से इन सभी कथित उल्लंघनों और उनके कारणों पर विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही कंपनी से उसके खाद्य सुरक्षा प्रबंधन तंत्र, गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था, उठाए गए सुधारात्मक कदमों और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उपायों की भी जानकारी देने को कहा गया है।

एफएसएसएआई ने निर्देश दिया है कि कंपनी निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना जवाब और अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करे। ऐसा नहीं करने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत उचित कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

शुगर, बीपी समेत कई बीमारियों के लिए रामबाण है जामुन की गुठली, फायदे जानकर रह जाएंगे हैरान

जामुन के बीजों में कार्मिनेटिव गुण पाए जाते हैं. ये पेट फूलने, अपच और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं को कम करने में सहायक माने जाते हैं. जामुन के बीज का नियमित और संतुलित मात्रा में सेवन शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद कर सकता है. यह खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) को कम करने में सहायक है.

बिहार के पश्चिम चम्पारण जिले के बैरिया प्रखंड स्थित सरैया मन वन्य जीव स्थली अपने घने जंगलों और जामुन के पेड़ों के लिए प्रसिद्ध है. यहां बड़ी संख्या में जामुन के पेड़ मौजूद हैं. स्थानीय लोगों के अनुसार करीब 850 हेक्टेयर में फैले इस जंगल में जामुन की दर्जनों किस्में पाई जाती हैं. हर साल सीजन के दौरान यहां बड़ी मात्रा में जामुन की हार्वेस्टिंग होती है. स्थानीय लोगों का कहना है कि एक समय ऐसा भी था, जब सरैया झील का पानी भी खास माना जाता था. बताया जाता है कि पके हुए जामुन सीधे झील में गिर जाते थे. इससे झील के पानी में भी जामुन के औषधीय गुण आ जाते थे. इसी कारण उस समय लोग इस पानी को भी खरीदकर ले जाते थे.

जामुन जितना ही फायदेमंद उसका बीज

बेतिया के आयुर्वेदाचार्य डॉ. भुवनेश पांडे, जो करीब चार दशक से आयुर्वेद के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं, बताते हैं कि जामुन का फल जितना गुणकारी होता है, उसका बीज भी लगभग उतना ही औषधीय माना जाता है. लेकिन अधिकांश लोग इस बात से अनजान रहते हैं. वे जामुन का गूदा खाने के बाद उसकी गुठली फेंक देते हैं. डॉ. पांडे बताते हैं कि यदि जामुन के बीज को अच्छी तरह धोकर सुखा लिया जाए और उसका चूर्ण बनाकर उपयोग किया जाए, तो यह कई स्वास्थ्य समस्याओं में लाभ पहुंचा सकता है.

चूर्ण बनाकर करें उपयोग

आयुर्वेदाचार्य के अनुसार यदि किसी व्यक्ति को सिर या घुटनों में तेज जलन की समस्या हो, तो जामुन के बीज का लेप तैयार किया जा सकता है. इस लेप को कपड़े में रखकर प्रभावित स्थान पर लगाने से जलन में राहत मिल सकती है. उन्होंने बताया कि जामुन के बीज का चूर्ण पाचन तंत्र के लिए भी लाभकारी माना जाता है. इसमें फाइबर की अच्छी मात्रा पाई जाती है. इसके सेवन से कब्ज और मल त्याग से जुड़ी परेशानियों में राहत मिल सकती है. यह पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में भी मदद करता है.

ब्लड प्रेशर और शुगर नियंत्रण में लाभकारी

डॉ. भुवनेश पांडे के अनुसार जामुन के बीजों में कार्मिनेटिव गुण पाए जाते हैं. ये पेट फूलने, अपच और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं को कम करने में सहायक माने जाते हैं. उनका कहना है कि जामुन के बीज का नियमित और संतुलित मात्रा में सेवन शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद कर सकता है. यह खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) को कम करने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) को बढ़ाने में भी सहायक माना जाता है।

घर पर बनाएं छत्तीसगढ़िया बिस्किट रोटी, स्वाद के साथ सेहत का खजाना, बच्चों के टिफिन के लिए बेहतरीन

छत्तीसगढ़िया बिस्किट रोटी बच्चों के लिए स्वादिष्ट और पौष्टिक घरेलू स्नैक है. इसे सूजी, आटा, मैदा, नारियल, ड्राई फ्रूट, शक्कर और दूध से तैयार किया जाता है. बिस्किट के आकार में काटकर 5 से 7 मिनट तक सुनहरा होने तक तला जाता है. यह बाजार के चिप्स और अन्य जंक फूड का बेहतर और हेल्दी विकल्प साबित हो सकता है.

आजकल बच्चे बाजार में मिलने वाले चिप्स, नमकीन और दूसरे जंक फूड की ओर ज्यादा आकर्षित होते हैं. ऐसे में घर पर आसानी से बनने वाली पारंपरिक छत्तीसगढ़िया बिस्किट रोटी एक बेहतरीन विकल्प बनकर सामने आई है. सूजी, आटा, मैदा, नारियल और ड्राई फ्रूट से तैयार होने वाली यह कुरकुरी रोटी स्वादिष्ट होने के साथ पौष्टिक भी होती है, जिसे खासतौर पर स्कूली बच्चों के टिफिन में शामिल किया जा सकता है.

बिस्किट रोटी बनाने के लिए सूजी, गेहूं का आटा, मैदा, सूखा नारियल (खोपरा), ड्राई फ्रूट, खड़ी शक्कर और दूध की जरूरत होती है. ये सभी सामग्री आसानी से घर में उपलब्ध हो जाती हैं और बच्चों के लिए पौष्टिक नाश्ता तैयार करने में मदद करती है.

ऐसे तैयार करें मिश्रण

सबसे पहले सूजी, आटा, मैदा, नारियल खोपरा और ड्राई फ्रूट को अच्छी तरह मिलाया जाता है. इसके बाद खड़ी शक्कर को बारीक पीसकर पाउडर बनाया जाता है और मिश्रण में मिलाया जाता है. फिर इसमें दूध डालकर अच्छी तरह फेंटा जाता है, जिससे मुलायम लोई तैयार हो जाती है.

रोटी को दें बिस्किट का आकार

तैयार लोई को एक थाली या समतल जगह पर गोल रोटी के आकार में बेल लिया जाता है. इसके बाद चाकू की मदद से इसे छोटे-छोटे चौकोर या मनचाहे आकार के टुकड़ों में काट लिया जाता है, ताकि तलने के बाद यह बिस्किट जैसा कुरकुरा बन सके.

सुनहरा होने तक करें तलाई

एक कढ़ाई में तेल गर्म करें. तेल अच्छी तरह गर्म होने के बाद कटे हुए टुकड़ों को उसमें डालकर 5 से 7 मिनट तक सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें. तलने के बाद इन्हें निकालकर ठंडा होने दें. तैयार होते ही स्वादिष्ट बिस्किट रोटी खाने के लिए तैयार हो जाती है।

लिपस्टिक लगाने का सही तरीका, अपनाएं ये 4 टिप्स, होंठ दिखेंगे मुलायम और खूबसूरत

अगर आप भी डायरेक्ट होंठों पर लिपस्टिक लगा लेते हैं, तो ये लेख आपके लिए है. यहां आप लिपस्टिक लगाने का सही तरीका जान सकते हैं, जो न सिर्फ आपके लुक को निखारेगा बल्कि आपके लिप्स को सॉफ्ट भी रखेगा.

लिपस्टिक मेकअप का एक ऐसा हिस्सा है जो पूरे लुक को निखार सकता है. लेकिन कई बार महिलाएं शिकायत करती हैं कि लिपस्टिक लगाने के कुछ ही समय बाद होंठ सूखे दिखने लगते हैं, रंग पैची नजर आता है या फिर लिपस्टिक जल्दी फीकी पड़ जाती है. इसका सबसे बड़ा कारण लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों की सही देखभाल न करना है. खूबसूरत और लंबे समय तक टिकने वाली लिपस्टिक के लिए सिर्फ अच्छा प्रोडक्ट चुनना ही काफी नहीं होता, बल्कि होंठों को पहले से तैयार करना भी उतना ही जरूरी है.

अगर होंठ मुलायम, हाइड्रेटेड और स्मूद होंगे तो किसी भी लिपस्टिक का रंग ज्यादा आकर्षक दिखाई देगा. मेकअप एक्सपर्ट्स भी मानते हैं कि कुछ आसान स्टेप्स अपनाकर होंठों को लिपस्टिक के लिए तैयार किया जा सकता है. इससे न सिर्फ लिपस्टिक बेहतर दिखती है, बल्कि होंठों की सेहत भी बनी रहती है. आइए जानते हैं वे 4 आसान टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप अपने होंठों को खूबसूरत और लिपस्टिक-रेडी बना सकती हैं.

होंठों को एक्सफोलिएट करना न भूलें

होंठों पर जमी मृत त्वचा (डेड स्किन) लिपस्टिक को असमान और फटा-फटा दिखा सकती है. इसलिए सबसे पहले होंठों को एक्सफोलिएट करना जरूरी है. इसके लिए आप घर पर चीनी और शहद से बना स्क्रब इस्तेमाल कर सकती हैं या बाजार में मिलने वाला लिप स्क्रब भी चुन सकती हैं. सप्ताह में दो बार हल्के हाथों से स्क्रब करने से होंठ साफ, मुलायम और प्राकृतिक रूप से गुलाबी नजर आते हैं।

रोटी या चावल... पेट की चर्बी को कम करने के लिए क्या है बेहतर, क्या खाने से जल्दी कम होगा वजन?

पेट की चर्बी घटाने और वजन कम करने के लिए रोटी या चावल में से क्या बेहतर है, यह सवाल अक्सर लोगों को परेशान करता है. पोषण विशेषज्ञ बताते हैं कि दोनों ही भारतीय आहार का अहम हिस्सा हैं, लेकिन इनके सेवन का तरीका और मात्रा वजन घटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. क्या आप जानते हैं कि कौन सा विकल्प आपको तेजी से लक्ष्य हासिल करने में मदद कर सकता है? आइए जानते हैं कि इन दोनों में से कौन सा खाद्य पदार्थ आपके लिए अधिक फायदेमंद साबित होगा...

वजन कम करने और पेट को सपाट करने की चाहत रखने वाले कई लोग सबसे पहले चावल खाना छोड़ देते हैं. उनका मानना ??है कि चावल खाने से वजन तेजी से बढ़ता है इसलिए केवल चपाती खाना चाहिए, जिससे वजह आसानी से कम हो जाए. इसी वजह से वे अपने पसंदीदा चावल को छोड़कर भूख मिटाने के लिए चपाती खाने लगते हैं. लेकिन क्या सिर्फ रोटी खाने से वजन कम हो सकता है? जय प्रभा मेदांता सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की डायटीशियन प्रिया दुबे इन शंकाओं का स्पष्ट जवाब देती हैं.

डायटीशियन से जानें लाइफस्टाइल

आपका वजन बढ़ना या घटना केवल चावल या रोटी की मात्रा पर निर्भर नहीं करता. डायटीशियन प्रिया दुबे बताती हैं कि वजन कम होना पूरी तरह से हमारी डेली लाइफस्टाइल, खान-पान की आदतों और शारीरिक गतिविधि पर निर्भर करता है. वह साफ करती हैं कि आहार से चावल को पूरी तरह हटा देने से चमत्कार नहीं होगा, बल्कि इसके लिए एक सिस्टमैटिक अप्रोच की आवश्यकता है.

चावल और रोटी का मुख्य अंतर

चावल और रोटी के मुख्य अंतर को ध्यान से देखें तो चावल बहुत जल्दी पच जाता है. खासकर पॉलिश किया हुआ सफेद चावल तो आसानी से पच जाता है क्योंकि इसमें फाइबर और प्रोटीन की मात्रा बहुत कम होती है. वहीं दूसरी ओर, गेहूं की रोटी फाइबर से भरपूर होती है. इसमें प्रोटीन और विटामिन बी भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है. रोटी खाने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है और बार-बार भूख भी नहीं लगती.

इन चीजों पर दें ध्यान

अगर आपका मुख्य लक्ष्य वजन कम करना है, तो आपको धूम्रपान छोड़ने सहित अपनी पूरी लाइफस्टाइल में कई बदलाव करने होंगे. नियमित व्यायाम, पर्याप्त पानी पीना और पर्याप्त नींद लेना बहुत महत्वपूर्ण है. इनके साथ-साथ, सही समय पर पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार लेना भी आवश्यक है. तभी आप आसानी से अपना लक्ष्य प्राप्त कर पाएंगे.

मेडिकल स्पेशलिस्ट भी हैं हैरान

आम तौर पर, हमारे भारतीय आहार में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा अधिक होती है. वे रोटी, चावल और आलू का खूब सेवन करते हैं. परिणामस्वरूप शरीर को आवश्यक प्रोटीन, विटामिन और खनिजों का प्रतिशत काफी कम हो रहा है. इसी कारण से मेडिकल स्पेशलिस्ट चिंतित हैं कि आज कई लोग विटामिन-डी और विटामिन-बी12 की गंभीर कमी से पीड़ित हैं.

आहार में इन चीजों को करें शामिल

डायटीशियन का सुझाव है कि दूध, अन्य डेयरी उत्पाद, हरी सब्जियां और सलाद हमारे दैनिक आहार का अनिवार्य हिस्सा होने चाहिए. दाल, अंकुरित अनाज और सत्तू के आटे के साथ-साथ, अंडे खाने की आदत वाले लोगों को रोजाना एक उबला अंडा भी खाना चाहिए. इस बैलेंस्ड डाइट से ना केवल आपका वजन नियंत्रण में रहेगा, बल्कि शरीर को सभी आवश्यक पोषक तत्व भी मिलेंगे.

रोटी के साथ पर्याप्त प्रोटीन का सेवन

एक साधारण गेहूं की रोटी में 70 से 100 कैलोरी होती हैं. एक कप चावल में लगभग 130 से 200 कैलोरी होती हैं. सफेद चावल का ग्लाइसेमिक इंडेक्स उच्च होता है, जिससे ब्लड शुगर का लेवल तेजी से बढ़ता है. हालांकि, इसे दाल, हरी सब्जियों और दही के साथ खाने से इस प्रभाव को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है. साथ ही, रोटी के साथ पर्याप्त प्रोटीन का सेवन करना भी बहुत फायदेमंद होता है।

शुगर, अस्थमा, डायबिटीज, बीपी जैसी बीमीरियों के लिए संजीवनी, गमले में उगाए काली हल्दी, जानें असरदार तरीका

मानसून के सीजन में लोग अपने घरों में घर की छत पर बालकानियों में हरे-भरे रंग-बिरंगे पेड़ पौधे लगाते हैं लेकिन इसमें कई पौधे घर की शोभा बढ़ाने के साथ-साथ आयुर्वेदिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होते हैं साथ ही वस्तु के लिए भी शुभ माने जाते हैं. उन्हीं में से एक है काली हल्दी का पौधा. जिसे आप आसानी से घर में लगा सकते हैं.

मानसून के सीजन में लोग अपने घरों में घर की छत पर बालकानियों में हरे-भरे रंग-बिरंगे पेड़ पौधे लगाते हैं लेकिन इसमें कई पौधे घर की शोभा बढ़ाने के साथ-साथ आयुर्वेदिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होते हैं साथ ही वास्तु के लिए भी शुभ माने जाते हैं ऐसे ही अधिकांश लोगों के घरों में काली हल्दी का पौधा लगाने का ट्रेंड पिछले कुछ सालों से देखा जा रहा.

इस तरह से अपनी पड़ोसियों के घर में काली हल्दी को गमले में लगा देख पड़ोसी अपने यहां भी इसे लगाने का प्रयास करते हैं लेकिन कई बार उनका पौधा सूख जाता है और उन्हें निराशा हाथ लगती है ऐसे में एक तो जो पौधा खरीद कर लाते हैं उसका नुकसान होता है इसके अलावा थोड़ा मन में भी निराशा आती है तो आपको किस तरह से गमले में काली हल्दी का पौधा लगाना है कितनी खाद कितनी मिट्टी का अनुपात रखना है किस तरह से पानी देना है ताकि पौधा अच्छे से ग्रोथ करें, इसके अलावा हम अपने स्वास्थ्य के लिए इसका कैसे उपयोग घरेलू नुस्खे के रूप में कर सकते हैं इसके बारे में हम एक्सपर्ट से जानेंगे.

बुआई करने का सही और असरदार तरीका

सागर में पिछले 16 साल से जैविक खेती कर रहे प्रगतिशील युवा किसान आकाश चौरसिया बताते हैं कि हल्दी का पौधा लगाने के लिए लोग 2 तरीके इस्तेमाल कर सकते हैं. एक तो काली हल्दी की गांठ को लेकर सीधा हम अपनी मिट्टी से भरे गमले में लगा सकते हैं. जो पौधा बन जाता है और दूसरा तरीका यह है कि अगर हमें कहीं से पौधा मिल जाता है तो हम उसको ट्रांसप्लांट कर सकते हैं, और इस समय काली हल्दी लगाने का एकदम सही समय चल रहा है. इस पौधे के लिए ज्यादा पानी की आवश्यकता नहीं होती है यह बारिश के पानी में ही सरवाइव करता रहता है।

जब सर्दी का मौसम आता है तो 15 दिन में अगर एक लोटा पानी भी दे दें तो इसका काम हो जाता है. इस तरह से आपको काली हल्दी मिल जाएगी जो एंटी कैंसर होती है, और दूसरे बीमारियों के लिए भी शरीर के लिए स्वास्थ्यवर्धक होती है इसको सुबह शाम गुनगुने पानी में घिसकर पी सकते हैं साथ यह पौधा वस्तु को भी कंट्रोल करता है यह बहुत पॉजिटिव प्लांट होता है।

वियतनाम की वो जगह जहां डूबी भारतीय टूरिस्टों की नाव, क्यों इतनी फेमस

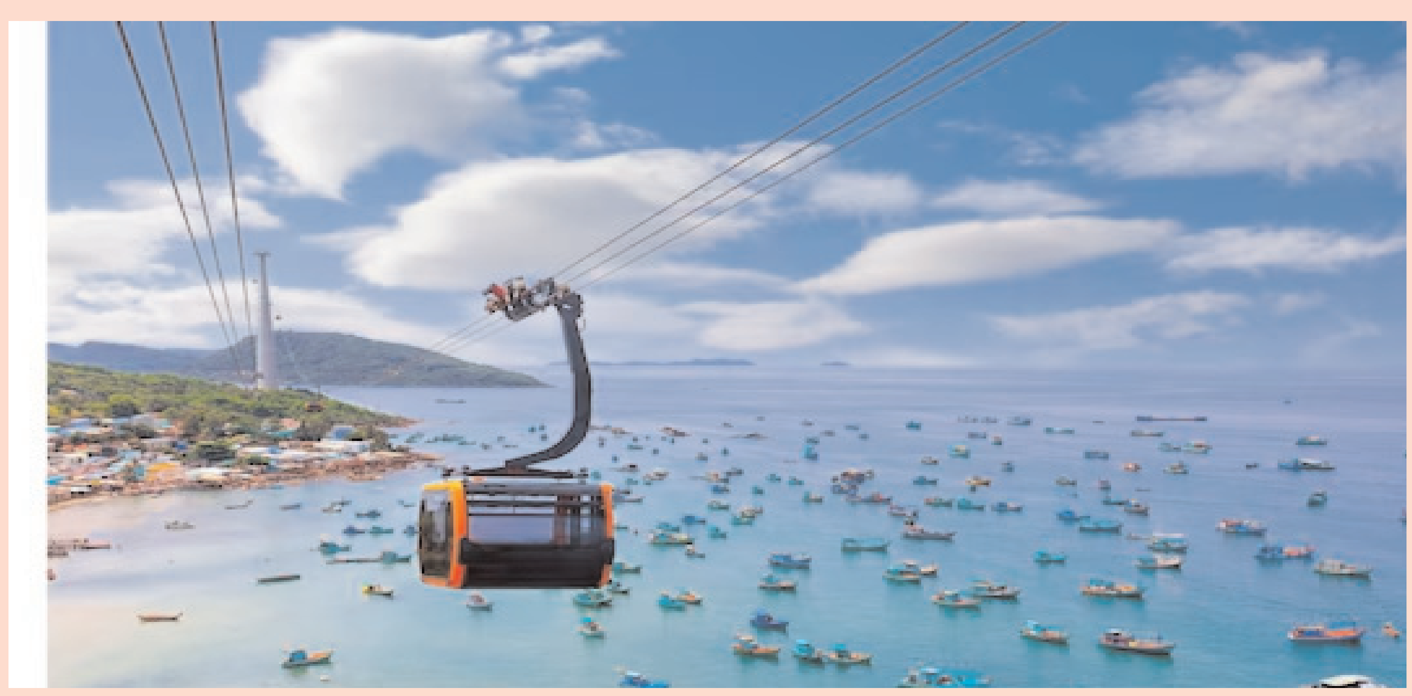

वियतनाम के खूबसूरत Phu Quoc Island के पास भारतीय पर्यटकों को लेकर जा रही एक नाव हादसे का शिकार हो गई. इस घटना के बाद यह द्वीप चर्चा में है. लेकिन आखिर Phu Quoc Island क्यों इतना प्रसिद्ध है और यहां हर साल लाखों पर्यटक क्यों पहुंचते हैं? आइए जानते हैं.

वियतनाम के मशहूर पर्यटन स्थल Phu Quoc Island के पास भारतीय पर्यटकों को लेकर जा रही एक नाव समुद्र में पलट गई, जिसके बाद स्थानीय प्रशासन ने तुरंत सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया. वियतनाम में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर जानकारी देते हुए कहा कि वह स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए है. इस हादसे के बाद Phu Quoc Island एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है. अपनी खूबसूरत बीच, साफ नीले समुद्र, लग्जरी रिसॉर्ट्स और एडवेंचर एक्टिविटीज के लिए दुनियाभर में मशहूर यह द्वीप हर साल लाखों विदेशी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है. आइए जानते हैं आखिर Phu Quoc Island क्यों इतना खास है और यहां घूमने के लिए लोग दूर-दूर से क्यों पहुंचते हैं.

Phu Quoc Island को वियतनाम का 'पर्ल आइलैंड' (Pearl Island) भी कहा जाता है. यह अपनी सफेद रेत वाले समुद्र तट, साफ नीले पानी, शांत वातावरण और शानदार सूर्यास्त के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है. यहां का Long Beach, Sao Beach, Khem Beach और Ong Lang Beach पर्यटकों के बीच सबसे लोकप्रिय हैं.

समुद्री एडवेंचर का है बड़ा केंद्र

अगर आपको एडवेंचर पसंद है, तो Phu Quoc Island बेहतरीन जगह है. यहां पर्यटक स्कूबा डाइविंग, स्नॉर्कलिंग, कयाकिंग, जेट स्की, सी-वॉकिंग और बोट टूर जैसी कई गतिविधियों का आनंद लेते हैं. समुद्र के अंदर मौजूद रंग-बिरंगी कोरल रीफ और समुद्री जीव यहां आने वालों को खास अनुभव देते हैं.

दुनिया की सबसे लंबी समुद्री केबल कार

Phu Quoc Island की सबसे बड़ी पहचान Hon Thom Cable Car भी है. करीब 8 किलोमीटर लंबी यह केबल कार समुद्र के ऊपर से गुजरती है।

और इसे दुनिया की सबसे लंबी तीन-तार वाली समुद्री केबल कारों में गिना जाता है. ऊपर से दिखने वाला समुद्र और छोटे-छोटे द्वीप पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं.

UNESCO से भी मिला है सम्मान

Phu Quoc Island का बड़ा हिस्सा Phu Quoc National Park के अंतर्गत आता है. यह पार्क यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त Kien Giang Biosphere Reserve का हिस्सा है।

यहां घने जंगल, दुर्लभ वन्यजीव और सैकड़ों प्रकार के पौधे पाए जाते हैं. प्रकृति प्रेमियों के लिए यह किसी स्वर्ग से कम नहीं माना जाता.

भारतीय पर्यटकों की पहली पसंद क्यों बन रहा है?

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय पर्यटकों के बीच Phu Quoc Island तेजी से लोकप्रिय हुआ है. इसकी एक वजह भारत से वियतनाम के लिए बढ़ती सीधी उड़ानें हैं. इसके अलावा यहां लग्जरी रिसॉर्ट, बीच विला, नाइट मार्केट, सी-फूड, मनोरंजन पार्क और अपेक्षाकृत कम खर्च में शानदार छुट्टियां बिताने का मौका मिलता है।

दर्शकों पर जादू चलाने के लिए अभिनेत्री काजल अग्रवाल 'द इंडिया स्टोरी' के साथ तैयार

मुंबई। अभिनेत्री काजल अग्रवाल दर्शकों पर जादू चलाने के लिए तैयार हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' रिलीज होने के लिए तैयार है। इसको लेकर अभिनेत्री ने कहा कि वह लंबे समय से कोर्टरूम फिल्म करना चाहती थीं। फिल्म में आखिरकार ऐसा करने का मौका मिल ही गया।

फिल्म में अभिनेत्री ने एडवोकेट अर्चना का रोल निभाया है। वह एक ऐसी वकील हैं जो एक आम नागरिक का साथ देती हैं। यह नागरिक उन ताकतवर कॉर्पोरेट कंपनियों के खिलाफ न्याय चाहता है जिन पर लोगों की जान खतरे में डालने का आरोप है। कोर्टरूम ड्रामा और इन्वेस्टिगेटिव कहानी के जरिए, यह फिल्म फूड सेफ्टी, कॉर्पोरेट जवाबदेही और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा शुरू करना चाहती है।

उन्होंने फिल्म के प्रमोशन के दौरान मीडिया से बात की और बताया कि कैसे 'द इंडिया स्टोरी' ने कोर्टरूम ड्रामा का हिस्सा बनने की उनकी इच्छा पूरी की।

उन्होंने ??कहा कि कोर्टरूम ड्रामा लंबे समय से मेरी पसंद रहा है। मैं अच्छे, दमदार और चुनौतीपूर्ण कोर्टरूम ड्रामा की तलाश में थी। इस फिल्म के जरिए मेरी यह इच्छा पूरी हुई। लेकिन, एक एक्टर के तौर पर मुझे लगता है कि मुझमें काफी बदलाव आया है। मेरी परफॉर्मेंस में ग्रोथ और मैच्योरिटी भी आई है। मुझे लगता है कि एक एक्टर के तौर पर मैं बड़ी हुई हूं और कुछ पल ऐसे थे, जो बहुत असली लगे, जिनके लिए मुझे एक्टिंग करने या खुद को उस स्थिति में इमेजिन करने की जरूरत नहीं पड़ी। मैं असल में उस पल को जी रही थी। आंसू, भावनाएं और इमोशनल संघर्ष भी असली थे।

उन्होंने कहा कि निराशा, सफलता, नुकसान और दुख, सबकुछ बहुत असली लगा। एक्टर के तौर पर, मुझे लगता है कि यह बहुत चुनौतीपूर्ण है। जब आप यह भूल जाते हैं कि आप किसी चीज का हिस्सा हैं, तो आप बस 'होने' और किसी खास सीन में बस 'साथ-साथ रहने' के स्टेज पर पहुंच जाते हैं। और असल में होने या सच में मौजूद होने की कोशिश नहीं करते।

'द इंडिया स्टोरी' में अभिनेता श्रेयस तलपड़े भी लीड रोल में हैं। यह फिल्म पेस्टिसाइड के गलत इस्तेमाल, खाने में मिलावट और पब्लिक हेल्थ पर इनके असर के मुद्दों को दिखाती है।

यह फिल्म 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

मुंबई: टीवी एक्टर रोहित चंदेल गिरफ्तार, नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ और मारपीट का आरोप

मुंबई। घाटकोपर पुलिस ने टीवी अभिनेता रोहित चंदेल को गिरफ्तार कर लिया है। उन पर 16 वर्षीय लड़की को बार-बार फोन कर परेशान करने, उसका पीछा करने और मारपीट करने का आरोप है।

पुलिस ने एक्टर पर पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। शिकायत के अनुसार, पूर्वी उपनगर में रहने वाले आरोपी ने नाबालिग लड़की को अपने और कई अन्य नंबरों से बार-बार फोन करके परेशान किया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि 5 जुलाई को उसने लड़की को उसकी रिहायशी इमारत के पास रोका, उसका पीछा किया, उससे झगड़ा किया, उसे गालियां दीं और मारपीट की।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने दिसंबर 2025 से 7 जुलाई के बीच उसे कई बार फोन किया था। रोहित चंदेल ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत सपोर्टिंग रोल से की और बाद में युवाओं और परिवारों पर केंद्रित ड्रामा शो से उन्हें बड़ी पहचान मिली।

पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने कई लोकप्रिय टीवी शो में काम किया है और अपनी नैचुरल स्क्रीन प्रजेंस और अलग-अलग तरह के रोल निभाने की काबिलियत के लिए तारीफें बटोरी हैं।

उन्होंने 2014 में टेलीविजन पर डेब्यू किया और धीरे-धीरे शो के जरिए अपना करियर बनाया। उन्हें असली पहचान तब मिली, जब उन्होंने 'काशीबाई बाजीराव बल्लाल' में पेशवा बाजीराव का किरदार निभाया। इस रोल में उनकी दमदार स्क्रीन प्रजेंस की काफी तारीफ हुई। वे स्ट्रीमिंग सीरीज 'एस्केप लाइव' में भी नजर आए थे।

वे सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं, जहां वे अपनी पर्सनल लाइफ, फिटनेस रूटीन और शूटिंग के दौरान पर्दे के पीछे के पल शेयर करते हैं। हालांकि हालिया आरोपों के कारण उनके सोशल मीडिया व्यवहार पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है।

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन ने 'धुरंधर' फिल्म में शामिल हुईं, सोशल मीडिया पर शेयर कीं तस्वीरें

मुंबई। अभिनेत्री आकांक्षा रंजन अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'इक्का' को लेकर चर्चा में हैं। यह एक कोर्टरूम ड्रामा फिल्म है, जिसमें उन्होंने सनी देओल और अक्षय खन्ना के साथ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हाल ही में आकांक्षा पर भी 'धुरंधर' फिल्म का खुमार चढ़ गया है, और उन्होंने सोशल मीडिया पर सनी देओल की इस फिल्म (इक्का) को एक मजेदार ट्विस्ट दिया है।

आकांक्षा ने फिल्म की शूटिंग और सेट से जुड़े पर्दे के पीछे (बीटीएस) के कुछ खास पल साझा किए हैं। इनमें से पहली तस्वीर में वह अपने शरीर पर 'नकली खून' (फेक ब्लड) लगाती हुई नजर आ रही हैं। आकांक्षा की ओर से शेयर किए गए वीडियो में फिल्म का एक सीन दिखाया गया है, जिसमें अक्षय का किरदार आकांक्षा के किरदार की हत्या कर देता है। कुछ अन्य झलकियां सेट के पलों की थीं।

आकांक्षा ने कैप्शन में ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' के अक्षय के चर्चित किरदार रहमान डकैत से प्रेरित एक डायलॉग जोड़ा। उन्होंने लिखा, 'रहमान डकैत की दी हुई मौत बड़ी कसाईनुमा होती है। क्या आपने 'इक्का' देखी है?'

'इक्का' एक लीगल थ्रिलर फिल्म है, जिसे सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ??ने डायरेक्ट और प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म एक मशहूर और ईमानदार वकील के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए हत्या के आरोपी एक बुरे इंसान का बचाव करने के लिए मजबूर होने पर नैतिक दुविधा का सामना करता है। फिल्म में दीया मिर्जा, तिलोत्तमा शोम, और संजीदा शेख भी हैं।

श्रेया कालरा ने अभिनेता कुशाल टंडन पर लगाए फ्लर्टिंग के आरोप, बहन टीना ने किया बचाव

मुंबई। 'लॉक अप: सच या सजा' की कंटेस्टेंट श्रेया कालरा की ओर से दावा किया गया कि अभिनेता कुशाल टंडन ने अभिनेत्री शिवांगी जोशी के साथ रिलेशनशिप में होने के बावजूद उनसे फ्लर्ट किया। उनके इस आरोपों पर कुशाल की बहन टीना टंडन सामने आई और भाई का बचाव किया।

टीना टंडन ने लोगों से अपील की, 'जब तक वे दोनों पक्षों की बात न सुन लें, तब तक कोई राय न बनाएं।' कुशाल इस वक्त रियलिटी शो 'अलायंस' में दिख रहे हैं। ये बातें 'बरसातें-मौसम प्यार का' के प्रोमो शूट करने के बाद सामने आईं।

श्रेया कालरा की ओर से यह भी कहा गया कि जब उन्हें पता चला कि कुशाल और शिवांगी रिलेशनशिप में हैं, तो वह पीछे हट गईं। श्रेया की ओर से यह भी दावा किया कि शिवांगी के साथ कोई गलतफहमी न हो, इसलिए उन्होंने एक्ट्रेस को अपना फोन भी दिखाया ताकि कोई भी शक हो तो दूर हो सके।

टीना ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'अफवाहें तो उड़ती रहती हैं, लेकिन सच अपनी जगह मजबूत रहता है। उन्होंने आगे लिखा, 'मैं आम तौर पर ऐसी बातों पर सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कहती, लेकिन हाल ही में मेरे भाई कुशाल और उनके पुराने रिश्ते के बारे में जो बातें कही गई हैं, वे सच नहीं हैं; ज्यादा से ज्यादा, वे कहानी का सिर्फ एक पहलू हैं।'

टीना की ओर से कहा गया, 'चूंकि वह अभी शो में हैं और खुद जवाब नहीं दे सकते, इसलिए मैं सभी से गुजारिश करती हूं कि वे दोनों पक्षों की बात सुने बिना कोई राय न बनाएं। निष्पक्षता वहीं से शुरू होती है। जो लोग अंदाजों के बजाय समर्थन चुन रहे हैं, उन सभी का धन्यवाद। टीना टंडन।'

वर्ष 2025 में कुशाल ने सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वह और शिवांगी अलग हो गए हैं। हालांकि, बाद में उन्होंने वह पोस्ट डिलीट कर दिया। उन्होंने 'बरसातें - मौसम प्यार का' शो में काम करते हुए एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। अभी कुशाल 'अलायंस' में कंटेस्टेंट हैं, जबकि शिवांगी और श्रेया 'लॉक अप 2' में हैं।

पिटबुल के कॉन्सर्ट में झूमीं अनन्या पांडे, गाया 'रेन ओवर मी' सॉन्ग

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने हाल ही में विंबलडन 2026 पुरुष एकल सेमीफाइनल का मुकाबला देखा। इसके बाद उन्होंने क्यूबा-अमेरिकी रैपर पिटबुल के कॉन्सर्ट का आनंद लेते हुए अपनी कुछ झलकियां भी सोशल मीडिया पर साझा कीं।

अपनी सोशल मीडिया स्टोरी में अनन्या पांडे ने पहले विंबलडन मुकाबले की कुछ झलकियां साझा कीं। इसके बाद उन्होंने पिटबुल के कॉन्सर्ट से एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में वह अन्य प्रशंसकों के साथ वर्ष 2011 के लोकप्रिय गीत 'रेन ओवर मी' पर झूमती और गाती नजर आईं।

इस वीडियो के साथ अनन्या पांडे ने कैप्शन में लिखा, 'पिटबुल एट द पार्क।'

'रेन ओवर मी' पिटबुल का लोकप्रिय गीत है, जो उनके छठे स्टूडियो एल्बम 'प्लैनेट पिट' का हिस्सा है। इस गीत में प्यूर्टो रिको-अमेरिकी गायक मार्क एंथनी ने भी अपनी आवाज दी है। इस गीत को पिटबुल, मार्क एंथनी और उनके सहयोगी गीतकारों ने मिलकर लिखा था।

पिटबुल ने अपने संगीत करियर की शुरुआत 2000 के दशक की शुरुआत में की थी। वह रेगेटन, लैटिन हिप-हॉप और क्रंक संगीत के लिए जाने जाते हैं। उनका पहला एल्बम 'एम.आई.ए.एम.आई.' था। इसके बाद उनके एल्बम 'एल मारिएल' और 'द बोटलिफ्ट' भी काफी लोकप्रिय हुए और बिलबोर्ड 200 की सूची में शामिल हुए।

पिटबुल के चौथे एल्बम 'पिटबुल स्टारिंग इन रेबेल्यूशन' ने उन्हें मुख्यधारा में बड़ी पहचान दिलाई। इस एल्बम के 'आई नो यू वांट मी (कैले ओचो)' और 'होटल रूम सर्विस' जैसे गीत काफी लोकप्रिय हुए।

इससे पहले अनन्या पांडे पेरिस हॉट कूचर वीक में शामिल हुई थीं। इसके बाद वह विंबलडन में भी बेहद आकर्षक अंदाज में नजर आईं। मैच के दौरान उन्होंने चमकीले लाल रंग की पॉपलिन ड्रेस पहनी हुई थी।

अभिनय की बात करें तो अनन्या पांडे की हालिया फिल्में 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' और 'चांद मेरा दिल' बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकीं।

'चांद मेरा दिल' एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। इसकी कहानी विवेक सोनी और तुषार परांजपे ने मिलकर लिखी है। फिल्म में अनन्या पांडे के साथ लक्ष्य भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

यह फिल्म कॉलेज में प्यार करने वाले एक जोड़े की कहानी है। बड़े होने के बाद जब दोनों नई जिम्मेदारियों का सामना करते हैं, तो उनके रिश्ते की परीक्षा होती है और उन्हें प्यार के बारे में अपनी सोच पर दोबारा विचार करना

टाइफून और भारी बारिश का अलर्ट, बीजिंग में 95 हजार लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया

विश्व केसरी

बीजिंग। बीजिंग में शुक्रवार को भारी बारिश के चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बीजिंग नगर बाढ़ नियंत्रण कार्यालय के मुताबिक, सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक पूरे शहर में भारी बारिश हुई। सबसे ज्यादा बारिश शहर के बाहरी इलाके पिंगगू जिले के एक बाजार में हुई, जहां 164 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

शुक्रवार शाम पांच बजे तक बीजिंग में 36,279 परिवारों के कुल 95,657 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचा दिया गया। भारी बारिश की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने बाढ़ से बचाव के इंतजाम तेज कर दिए हैं और लोगों को एहतियात के तौर पर दूसरी जगह भेजा जा रहा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, शहर के सभी बड़े और मध्यम आकार के जलाशय फिलहाल अपनी तय अधिकतम जल-सीमा से नीचे हैं। मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि शुक्रवार शाम और रात में कई जगहों पर बहुत तेज बारिश और कुछ इलाकों में मूसलाधार बारिश हो सकती है। वहीं, शनिवार तक भी हल्की से लेकर बहुत तेज बारिश जारी रहने की संभावना है।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे बिना जरूरत घर से न निकलें और मौसम से जुड़ी चेतावनियों तथा आपातकालीन सूचनाओं पर लगातार नजर रखें।

जल संसाधन मंत्रालय की जानकारी के अनुसार मंगलवार को चीन ने बाढ़ नियंत्रण और आपातकालीन राहत के इंतजाम और मजबूत कर दिए थे, क्योंकि टाइफून 'मायसक' और 'बावी' के कारण देश के कई नदी क्षेत्रों में भारी बारिश और बाढ़ का खतरा बढ़ने की आशंका जताई गई थी।

इस साल के 10वें टाइफून 'मायसक' की वजह से हाल के दिनों में दक्षिणी चीन के गुआंग्शी झुआंग ऑटोनॉमस रीजन में तेज बारिश हुई, जिससे पर्ल नदी क्षेत्र के कई हिस्सों में गंभीर बाढ़ आ गई। मंत्रालय ने कहा कि लगातार बारिश और बढ़ता जलस्तर आगे भी खतरा पैदा कर सकता है। मंगलवार को गुआंग्शी ने बाढ़ के खतरे को देखते हुए सबसे ऊंचे स्तर का रेड अलर्ट जारी किया। इसके कुछ ही समय बाद पड़ोसी ग्वांगडोंग प्रांत ने भी बाढ़ को लेकर रेड अलर्ट घोषित कर दिया। शुक्रवार से सुपर टाइफून 'बावी' के चीन के पूर्वी तट की ओर बढ़ने की संभावना है। इसके करीब एक हफ्ते तक देश के छह प्रमुख नदी क्षेत्रों पर असर डालने की आशंका है, जिससे बाढ़ और उससे जुड़ी दूसरी आपदाओं का खतरा बढ़ सकता है। जल संसाधन मंत्रालय ने संबंधित विभागों से कहा है कि गुआंग्शी में बाढ़ से बचाव के इंतजाम और मजबूत किए जाएं, निगरानी और समय रहते चेतावनी देने की व्यवस्था बेहतर बनाई जाए, जलाशयों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, पहाड़ी इलाकों में अचानक आने वाली बाढ़ और छोटी-बड़ी नदियों के उफान पर नजर रखी जाए, साथ ही तटबंधों और जल परियोजनाओं की नियमित जांच भी की जाए।

अजरबैजान में भारतीय समुदाय से मिले राजदूत अभय कुमार, सांस्कृतिक संबंध मजबूत करने पर जोर

विश्व केसरी

बाकू। अजरबैजान में भारत के राजदूत अभय कुमार ने शुक्रवार को भारतीय समुदाय के सदस्यों से मुलाकात की और समुदाय से जुड़ी आने वाली गतिविधियों पर चर्चा की।

बाकू मलयाली एसोसिएशन (बीएमए) की कार्यकारी समिति के सदस्य प्रवीणकुमार रामचंद्रन नायर और अनस मीरासाहिब ने शुक्रवार को राजदूत अभय कुमार से मुलाकात की। उन्होंने एसोसिएशन की आने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी दी, जिसमें एक क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन शामिल है।

राजदूत अभय कुमार ने सुझाव दिया कि बीएमए टूर्नामेंट में अजरबैजान के खिलाड़ियों की ज्यादा भागीदारी को बढ़ावा दे, ताकि वहां क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि खेल भारत और अजरबैजान के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने और दोनों देशों के सांस्कृतिक रिश्तों को मजबूत करने का एक अच्छा माध्यम हैं।

अजरबैजान स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक?स' पर बताया कि बातचीत के दौरान बीएमए के आने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई, जिसमें ओणम उत्सव भी शामिल है। राजदूत ने एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने और एक-दूसरे को बेहतर समझने में अहम भूमिका निभाते हैं। भारतीय एसोसिएशन ऑफ अजरबैजान के अध्यक्ष प्रशांत मिश्रा ने भी राजदूत अभय कुमार से मुलाकात की। इस दौरान एसोसिएशन की आगामी गतिविधियों और भारत-अजरबैजान के सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका पर चर्चा हुई।

राजदूत ने भारत की फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट (एफआइयू-आईएनडी) के निदेशक अमित मोहन गोविल से भी मुलाकात की, जो एगमोंट ग्रुप की पूर्ण बैठक में शामिल होने के लिए बाकू में हैं। राजदूत ने एफआइयू-आईएनडी को बाकू में आयोजित प्रतिष्ठित बेस्ट एगमोंट केस अवॉर्ड 2026 में रनर-अप स्थान हासिल करने पर बधाई दी।

संक्षिप्त खबर

चीन का नया कानून तिब्बत की पहचान के लिए संकट: आईसीटी

विश्व केसरी

वॉशिंगटन। चीन तिब्बत में मानवाधिकारों के उल्लंघन को बढ़ा रहा है और एक नए कानून के जरिए लोगों को जबरदस्?ती अपनी संस्कृति में ढालने वाली नीतियों को कानूनी आधार दे रहा है। यह बात तिब्बत के लिए काम करने वाले एक प्रमुख संगठन के प्रमुख ने कही है। इंटरनेशनल कैंपेन फॉर तिब्बत (आईसीटी) के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर रयान फियोरेसी ने कहा कि तिब्बत के अंदर हालात अब भी बहुत चिंताजनक हैं। उन्होंने अमेरिका और दूसरे देशों की सरकारों से अपील की कि वे चीन पर दबाव डालें कि वह दलाई लामा या उनके प्रतिनिधियों के साथ बातचीत फिर से शुरू करे। फियोरेसी ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'तिब्बत के अंदर स्थिति काफी गंभीर है। चीनी सरकार की ओर से मानवाधिकारों का उल्लंघन बढ़ रहा है। उन्होंने चीन के 'एथनिक यूनिटी एंड प्रोग्रेस लॉ' का जिक्र किया, जो एक जुलाई से लागू हुआ है। उनके अनुसार, इस कानून के जरिए ऐसी नीतियों को कानूनी मान्यता मिल रही है, जिनका उद्देश्य तिब्बत की अलग पहचान को कमजोर करना है। उन्होंने कहा, 'चीनी सरकार ने कुछ ही दिन पहले एक जुलाई को यह कानून लागू किया है, जो बीजिंग की कई जबरन सांस्कृतिक एकीकरण नीतियों को चीनी कानून का हिस्सा बना देता है।

मध्य पूर्व संकट: ईरानी विदेश मंत्री अराघची पहुंचे ओमान

विश्व केसरी

मस्कट/तेहरान। अमेरिका के साथ बढ़ती तल्खी और हवाई हमलों के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची वार्ता के लिए ओमान की राजधानी मस्कट पहुंच गए हैं। वहीं, ईरान की राजधानी तेहरान के पूर्वी हिस्से में शनिवार को जोरदार धमाके की खबर है। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, पाकदश्त और कियामदश्त इलाके के लोगों ने विस्फोट की आवाज सुनने की जानकारी दी है। धमाके की वजह और सटीक जगह की पुष्टि नहीं हो सकी है। इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। ईरानी समाचार एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, मस्कट एयरपोर्ट पर ओमान के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। रिपोर्ट के अनुसार, अराघची की यात्रा का मकसद अमेरिका और ईरान के बीच जारी बातचीत को आगे बढ़ाना है। इस बीच अमेरिकी हमले में भारी नुकसान का दावा ईरान ने किया है। ईरानी राष्ट्रपति के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था मामलों के उपाध्यक्ष हुसैन अफशीन ने कहा कि युद्ध के दौरान देश के शोध बुनियादी ढांचे को लगभग 30 करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ है। ईरानी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, अफशीन ने कहा, 'हम देश में उभरती हुई प्रौद्योगिकियों पर काम कर रहे थे, जिनका कोई सैन्य उपयोग नहीं था। दुश्मन ने ईरान की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता को निशाना बनाया, जिसे अब और मजबूती के साथ फिर से खड़ा किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'हम आज की दुनिया में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक मजबूत शक्ति बनने का प्रयास कर रहे हैं ।

आईडीएफ का दावा, गाजा में दो हवाई हमलों में हमास के दो कमांडर ढेर

विश्व केसरी

तेल अवीव। इजरायल ने गाजा पट्टी में दो हवाई हमलों में हमास के दो कमांडरों को मार गिराने का दावा किया। इजरायली सेना का कहना है कि दोनों कमांडर उसके सैनिकों के लिए खतरा थे और इसी वजह से कार्रवाई की गई।

आईडीएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लि?खा, 'गाजा पट्टी में दो अलग-अलग हमलों में इजरायल डि?फेंस फोर्स (आईडीएफ) ने हमास के प्रोडक्शन मुख्यालय के एक कमांडर और नुसेरात बटालियन के एक कमांडर को मार गिराया। आईडीएफ के अनुसार, इस हफ्ते की शुरुआत में उत्तरी गाजा पट्टी में किए गए एक हमले में हमास की सैन्य शाखा के प्रोडक्शन मुख्यालय के कमांडर खलील जमाल खलील माना को मार गिराया गया।

आईडीएफ का कहना है कि पूरे युद्ध के दौरान माना रॉकेट लॉन्चर बनाने वाली वर्कशॉप्स का नेतृत्व करता था और उनके निर्माण के आखिरी चरण की जिम्मेदारी संभालता था। इसके अलावा, वह प्रोडक्शन मुख्यालय के कामकाज और उत्पादन प्रक्रिया में एक अहम कमांडर था। आईडीएफ के अनुसार, युद्धविराम के दौरान उसने इस मुख्यालय को फिर से सक्रिय करने की कोशिशों में भी हिस्सा लिया। आईडीएफ ने यह भी कहा कि गुरुवार को उत्तरी गाजा पट्टी में किए गए एक और हमले में हमास की नुसेरात बटालियन के प्लाटून कमांडर ओसामा वलीद दियाब मुहराब को मार गिराया गया। आईडीएफ के मुताबिक, हाल के दिनों में मुहराब के पास ऐसे विस्फोटक थे, जिनका इस्तेमाल गाजा पट्टी में तैनात आईडीएफ सैनिकों पर हमला करने के लिए किया जाना था। आईडीएफ का कहना है कि दोनों लोग उसकी सेना के लिए खतरा थे, इसलिए उस खतरे को खत्म करने के लिए उन पर हवाई हमला किया गया।

प्रशांत महासागर भारत के लिए अहम, न्यूजीलैंड और हमारी विचारधारा एक समान : विदेश मंत्रालय

विश्व केसरी

नई दिल्ली । भारत-न्यूजीलैंड के बीच रणनीतिक साझेदार और समुद्री सहयोग पर विदेश मंत्रालय (एमईए) के सचिव (ईस्ट) रुद्रेंद्र टंडन ने कहा कि भारत हिंद महासागर का देश है और अपने आसपास के समुद्री क्षेत्रों में होने वाली गतिविधियों पर लगातार नजर रखता है। उन्होंने कहा कि प्रशांत महासागर का क्षेत्र भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान टंडन ने कहा, 'भारत हिंद महासागर का देश है। हम आसपास के समुद्री क्षेत्रों में होने वाली गतिविधियों पर पूरी तरह सतर्क रहते हैं। प्रशांत महासागर हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण समुद्री क्षेत्र है और हमने हमेशा न्यूजीलैंड को इस क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण तथा समान सोच वाली शक्ति के रूप में देखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने भारत-न्यूजीलैंड संबंधों में नई ऊर्जा भरने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। इसी का परिणाम है कि दोनों देशों के रिश्ते अब रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंच चुके हैं। टंडन ने कहा, 'हिंद महासागर और प्रशांत महासागर क्षेत्र के देशों के रूप में हमारे बीच घनिष्ठ रणनीतिक संबंध होना आवश्यक है। यही इस साझेदारी की मूल सोच और आधार है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संबंध केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण हैं।

भारत एक बड़ा और तेजी से विकसित होता बाजार है, जहां अपार अवसर मौजूद हैं। वहीं, न्यूजीलैंड एक उन्नत अर्थव्यवस्था है, जिसके पास आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञता है। उन्होंने कहा कि भारत ऐसी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के साथ साझेदारी को मजबूत करना चाहता है और दोनों देशों के पास मजबूत आर्थिक संबंध विकसित करने की बेहतरीन संभावनाएं हैं।

वेनेजुएला में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,118 हुई, बचाव अभियान जारी

विश्व केसरी

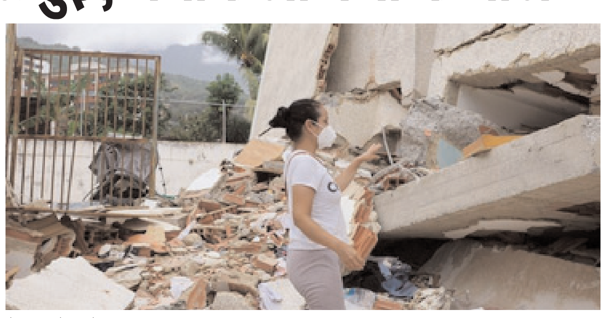

काराकास। वेनेजुएला में 24 जून को आए भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,118 हो गई है, जबकि सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में मलबा हटाने का काम जारी है।

वेनेजुएला नेशनल असेंबली के प्रेसिडेंट जॉर्ज रोड्रिगेज के अपडेट में जारी आंकड़ों के मुताबिक, घायलों की संख्या 16,740 बनी हुई है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, कुल 6,462 लोगों को बचाया गया है।

अपडेट में कहा गया है कि 86,794 परिवारों को मदद मिली है, जबकि 17,266 लोग देश भर में 89 टेम्परेरी कैंपों में रह रहे हैं। और 17,907 लोग बेघर हो गए हैं क्योंकि उनके घर खराब हो गए हैं या तबाह हो गए हैं। पूरे देश में 30,076 लोग, 29,843 स्वयंसेवक और 3,454 अंतरराष्ट्रीय बचाव दल तैनात हैं और बचाव अभियान जारी है। अपडेट में कहा गया है कि वेनेजुएला में दो भूकंपों के बाद से 1,171 झटके आ चुके हैं। इस बीच, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने देश में हाल ही में आए भूकंप के पीड़ितों की मदद के लिए 28 देशों से मिली मानवीय मदद के लिए शुक्रिया अदा किया। उन्होंने यह टिप्पणी कराकास में एक राहत सामग्री संग्रह केंद्र का निरीक्षण करने के बाद की, जहां 24 जून को आए भूकंप के पीड़ितों के लिए बनाए गए अस्थायी राहत शिविरों में वितरण हेतु 2,000 टन से अधिक अंतरराष्ट्रीय सहायता सामग्री को छांटा और व्यवस्थित किया जा रहा है।

रोड्रिग्ज ने कहा, 'वेनेजुएला उन देशों, दुनिया के लोगों और दुनिया की सरकारों को धन्यवाद देते नहीं थकता, जिन्होंने मदद की पेशकश की है। प्रत्येक देश यह देख सकेगा कि उसकी सहायता का उपयोग कैसे किया जा रहा है, ताकि वेनेजुएला के लोगों को उस देश की मैत्रीपूर्ण मदद का एहसास हो।'

भारत का कथक और न्यूजीलैंड के 'हाका' की अद्भुत प्रस्तुति ने मोहा मन

विश्व केसरी

ऑकलैंड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में आयोजित विशेष कार्यक्रम में न्यूजीलैंड के पारंपरिक हाका नृत्य और भारत के शास्त्रीय कथक नृत्य की प्रस्तुति ने मन मोह लिया। गाला लंच के दौरान अलग-अलग संस्कृतियों की ये भाव भंगिमा पूर्ण अभिव्यक्ति देखने को मिली।

न्यूजीलैंड की मूल जनजाति माओरी का पारंपरिक 'हाका' नृत्य अपनी ऊर्जा, शक्ति और जोशपूर्ण प्रस्तुति के लिए प्रसिद्ध है, जबकि भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक ने अपनी लय, भाव-भंगिमा और सौंदर्य से इस सांस्कृतिक कार्यक्रम को और भी विशेष बना दिया।

दो अलग-अलग संस्कृतियों की यह खूबसूरत प्रस्तुति एकता, आपसी सम्मान और मजबूत भारत-न्यूजीलैंड संबंधों का प्रतीक बनी। दोनों देशों की सांस्कृतिक विरासत का यह संगम दर्शकों के लिए यादगार अनुभव रहा। पीएम मोदी का ऑकलैंड के गवर्नमेंट हाउस में पारंपरिक माओरी रीति-रिवाजों के साथ औपचारिक स्वागत किया गया। इस खास मौके पर उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' भी दिया गया। यह भव्य स्वागत भारत और न्यूजीलैंड के मजबूत होते द्विपक्षीय संबंधों, आपसी सम्मान और गहरी दोस्ती की एक खूबसूरत झलक है। इस दौरान माऊरी संस्कृति के शक्तिशाली नृत्य पोविरी से स्वागत किया गया। पोविरी की प्रक्रिया कई चरणों में बंटी होती है। इसमें से एक में माओरी योद्धा पारंपरिक हथियारों के साथ मेहमान के सामने आते हैं और जमीन पर एक टोकन रखते हैं। अगर मेहमान उसे उठा लेता है, तो इसका मतलब होता है कि वह शांति का संदेश लेकर आया है। पीएम मोदी के सामने भी जब यह चुनौती रखी गई, तो उन्होंने पूरे सम्मान के साथ इसे स्वीकार किया। वहीं, भारतीय समुदाय की ओर से आयोजित 'किया ओरा मोदी' इवेंट भी माओरी भाषा से लिया गया। जिसके कई सकारात्मक अर्थ हैं।

ट्रंप की हत्या की कथित साजिश पर अमेरिका अलर्ट, पुराने एयर फोर्स वन से कराई गई यात्रा

विश्व केसरी

वाशिंगटन। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट में कहा कि अमेरिकी अधिकारी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की ईरान की संभावित साजिश से जुड़ी इजरायल द्वारा साझा की गई खुफिया जानकारी की जांच कर रहे हैं। इसी सुरक्षा चेतावनी के चलते तुर्किए से लौटते समय ट्रंप को यात्रा के एक हिस्से में अधिक सुरक्षित माने जाने वाले पुराने एयर फोर्स वन विमान से ले जाने का फैसला किया गया।

अखबार के अनुसार, खुफिया जानकारी में संकेत मिले हैं कि ईरान ट्रंप को मारने का नया प्लान बना रहा है। हालांकि, कुछ अमेरिकी अधिकारियों ने इस जानकारी की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं।

अमेरिकी समाचार चैनल सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि खुफिया जानकारी में तेहरान के कट्टरपंथी हलकों में ट्रंप की हत्या को लेकर सामान्य चर्चा का उल्लेख था, न कि किसी विशिष्ट साजिश का। यह चेतावनी तब आई जब राष्ट्रपति ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर ईरानी हमलों के बाद ईरान पर अमेरिका के नए हमले का आदेश दिया। इससे यह आशंका बढ़ गई है कि तेहरान पश्चिम एशिया में अमेरिका और उसके सहयोगियों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप कतर द्वारा डोनेट किए गए और अमेरिकी एयर फोर्स द्वारा मॉडिफाइड बोइंग 747 में सवार होकर अंकारा में नाटो समिट में गए थे। उन्होंने अपनी वापसी यात्रा के कुछ हिस्से के लिए पुराने एयर फोर्स वन में स्विच किया, ब्रिटेन के लिए उड़ान भरी और फिर वाशिंगटन के लिए नए एयरक्राफ्ट में सवार हुए। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने कहा कि यह फैसला इस चिंता को दिखाता है ।

चीन-नामीबिया ने आपसी रिश्तों को एक नए दौर में साझा भविष्य वाले समुदाय तक पहुंचाया

विश्व केसरी

बीजिंग। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 10 जुलाई को पेइचिंग में यात्रा पर आईं नामीबिया की राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नदैतवाह के साथ वार्ता की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंध को नए युग में चीन-नामीबिया साझा भविष्य वाले समुदाय तक उन्नत किया।

शी चिनफिंग ने कहा कि चीन और नामीबिया के बीच गहरी पारंपरिक मित्रता और समान विकास का अनुसरण है। चीन नामीबिया के साथ विकास अवधारणा के आदान-प्रदान और विकास रणनीतियों के जुड़ाव को मजबूत कर अपने-अपने आधुनिकीकरण के रास्ते पर साथ-साथ चलने को तैयार है। शी ने नए युग में चीन-नामीबिया साझा भविष्य वाले समुदाय के निर्माण के लिए तीन सुझाव पेश किए, जिनमें पारस्परिक समर्थन मजबूत कर अवधारणाओं के संवाद को गहराना, सहयोग की संभावनाओं को खोल कर सहयोग का स्तर उन्नत करना और एकजुटता व समन्वय पर कायम रहकर बहुपक्षवाद की सुरक्षा शामिल है। वार्ता में शी ने कहा कि अफ्रीका को प्रचुर खनिज संसाधनों में मदद देना और अफ्रीका के संसाधन के लाभ को विकास के इंजन के रूप में परिवर्तित करना अफ्रीका का आधुनिकीकरण गति देने का महत्वपूर्ण रास्ता है। चीन नामीबिया समेत अफ्रीकी देशों के साथ खनिज सहयोग बढ़ाने को तैयार है। नेटुम्बो नंदी-नदैतवाह ने कहा कि नामीबिया और चीन की मित्रता का लंबा इतिहास है। दोनों देशों के संबंध का दीर्घकाल तक उच्च स्तरीय विकास होता रहा है। नामीबिया चीनी अनुभवों से सीखना चाहता है और दोनों देशों की सर्वांगीण रणनीतिक साझेदारी और आगे बढ़ाने को तैयार है।

शिमला के संजौली में तड़के 4 बजे भूस्खलन; मलबे की चपेट में आईं कई इमारतें, लोगों में दहशत

विश्व केसरी

शिमला। राजधानी शिमला के संजौली कॉलेज के समीप स्थित बोथवेल क्षेत्र में शनिवार तड़के हुए भारी भूस्खलन से इलाके में दहशत फैल गई। सुबह करीब चार बजे हुए इस भूस्खलन के समय अधिकांश लोग अपने घरों में सो रहे थे। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन तीन-चार रिहायशी मकानों पर खतरा मंडरा रहा है।

भूस्खलन के बाद स्थानीय लोग घरों से बाहर निकल आए और बारिश के बीच खुले में खड़े होकर प्रशासनिक सहायता का इंतजार करते रहे। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार सूचना देने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और एहतियात के तौर पर प्रभावित परिवारों को मकान खाली करने की सलाह दी। हालांकि प्रभावित परिवारों का कहना है कि उनके पास रहने के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है, जिससे वे असमंजस और भय की स्थिति में हैं।

स्थानीय निवासियों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि सुबह से पार्षद, विधायक, मेयर और अन्य जनप्रतिनिधियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया और न ही कोई मौके पर पहुंचा। लोगों ने प्रशासन से तत्काल राहत, सुरक्षित ठहरने की व्यवस्था और प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है।

भूस्खलन के कारण संजौली कॉलेज जाने वाले मार्ग के नीचे सपोर्ट देने वाली दीवार (ढंगा) ढह गई, जिससे मलबा नीचे स्थित मकानों की ओर पहुंच गया। इसके चलते मकानों तक पहुंचने वाला रास्ता भी बीच से टूट गया और लोगों की आवाजाही प्रभावित हो गई।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में एक निजी निर्माण परियोजना के लिए नगर निगम से अनुमति मिलने के बाद पहाड़ी की खुदाई की गई थी। उनका कहना है कि लगातार हो रही बारिश के कारण खुदाई वाला हिस्सा कमजोर हो गया, जिससे भूस्खलन हुआ।

उन्होंने प्रशासन से निर्माण कार्य तत्काल बंद कराने और पूरे क्षेत्र का विस्तृत भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि मानसून की शुरुआत ही हुई है और यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में और बड़ा भूस्खलन हो सकता है।

गौरतलब है कि 28 जून 2025 को इसी क्षेत्र में भी भीषण भूस्खलन हुआ था। उस दौरान पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और चट्टानें रिहायशी मकानों में जा घुसी थीं तथा कई बच्चे और महिलाएं घरों में फंस गए थे।

वोट से चुनाव जीते जाते हैं, भरोसा निस्वार्थ सेवा से मिलता है: उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन

विश्व केसरी

गयाजी। भारत के उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को बिहार के गयाजी में 'बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डेवलपमेंट' में बिहार विधानसभा के 18वें सत्र के सदस्यों के लिए दो दिवसीय ओरिएंटेशन-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

बिहार विधानसभा और बिहार विधान परिषद के पीठासीन अधिकारियों और लोकसभा सचिवालय के 'पार्लियामेंट्री रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसीज' की पहल की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विधायकों को अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से निभाने के लिए तैयार करके लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करते हैं। गयाजी में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए स्पीकर का धन्यवाद करते हुए उन्होंने कहा कि इस पहल ने प्रतीकात्मक रूप से पटना को गयाजी तक पहुंचाया है।

वैशाली की प्राचीन गणतंत्रात्मक परंपराओं का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि भारत में लोकतंत्र की जड़ें गहरी हैं और इसे सही मायने में लोकतंत्र की जननी माना जाता है। उन्होंने बिहार को भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का मार्गदर्शक बताया और विधायकों से इसकी गौरवशाली विरासत को बनाए रखने का आग्रह किया।

भगवान बुद्ध की धरती से प्रेरणा लेते हुए उन्होंने कहा कि सच्चा ज्ञान इस बात को समझने में है कि जन-प्रतिनिधि शासन करने के लिए नहीं, बल्कि सेवा करने के लिए चुने जाते हैं। इस बात पर जोर देते हुए कि विकसित बिहार के बिना विकसित भारत नहीं बन सकता, उन्होंने विधायकों से ऐसे अवसर पैदा करने की दिशा में काम करने का आह्वान किया जो बिहार को रोजगार और विकास का केंद्र बनाएं और दूसरे राज्यों से प्रवासी श्रमिकों को आकर्षित करें।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व वाले 'संपूर्ण क्रांति आंदोलन' से अपने जुड़ाव का जिक्र करते हुए सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि इस आंदोलन ने ही उनके राजनीतिक सफर की नींव रखी थी। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन और आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के आंदोलन में बिहार की अहम भूमिका को भी याद किया। विधायकों को यह याद दिलाते हुए कि चुनाव तो पार्टी के आधार पर लड़े जाते हैं।

संक्षिप्त खबर

बेंगलुरु में तीन हत्याओं के बाद आत्महत्या, पिता बोले-समझ नहीं आ रहा बेटे ने ऐसा क्यों किया

विश्व केसरी

बेंगलुरु। बेंगलुरु के कोट्टिगेपल्या इलाके में शनिवार सुबह तीन परिजनों की हत्या करने के बाद आत्महत्या करने वाले 34 वर्षीय प्रशांत के पिता चिक्कन्ना ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि मेरे बेटे ने ऐसा क्यों किया। वह बिल्कुल ठीक था और मानसिक रूप से भी पूरी तरह स्वस्थ था।' पत्रकारों से बात करते हुए चिक्कन्ना ने कहा कि शुक्रवार रात परिवार में कोई झगड़ा नहीं हुआ था और वह शनिवार सुबह अपनी लॉन्ड्री की दुकान खोलने के लिए जल्दी घर से निकल गए थे। उन्होंने कहा, 'प्रशांत बिल्कुल सामान्य था। वह ड्राइवर था और अपनी रोजमर्रा की जिंदगी ठीक तरह से जी रहा था। घर में किसी तरह का कोई झगड़ा भी नहीं हुआ था। मैं सुबह काम पर निकल गया था। इसके बाद करीब 10 बजे मुझे फोन आया और घटना के बारे में जानकारी मिली। मुझे अभी ठीक से पता नहीं है कि आखिर क्या हुआ।' चिक्कन्ना ने बताया कि प्रशांत अविवाहित था और परिवार के साथ रहता था। उन्होंने कहा, 'अगर रात में कोई झगड़ा हुआ होता तो मैं घर से निकलकर दुकान खोलने नहीं जाता।' पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) एन. यतीश ने बताया कि पुलिस को सुबह करीब 8:30 बजे से 9 बजे के बीच कामाक्षीपाल्या थाना क्षेत्र के कोट्टीगेपाल्या इलाके में तीन हत्याओं और एक आत्महत्या की सूचना मिली।

उत्तराखंडः रुद्रपुर में पोक्सो मामले में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, नामजद एक आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

ऊधमसिंह नगर। ऊधमसिंह नगर जिले के रुद्रपुर में नाबालिग से जुड़े पोक्सो एक्ट के गंभीर मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में नामजद एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि मुख्य आरोपी बताए जा रहे एक किशोर को नियमानुसार संरक्षण में लिया गया है।

एसएसपी अजय गणपति के निर्देशन में गठित पुलिस टीमों ने एसओजी और सर्विलांस टीम की मदद से तकनीकी साक्ष्य जुटाए गए। इसके साथ ही 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन विश्लेषण किया गया। जांच के आधार पर पुलिस ने मनोज कुमार (32) को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर मामले में पोक्सो एक्ट की धारा 16/17 भी बढ़ाई गई है। पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है और विवेचना जारी है। एसएसपी अजय गणपति ने कहा कि महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराधों के प्रति पुलिस की जीरो टॉलरेंस की नीति है और सभी आरोपियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सीओ सिटी विभव सैनी ने बताया कि सामूहिक दुष्कर्म में दो आरोपियों को चिह्नित किया गया है। एक नाबालिग आरोपी को संरक्षण में लिया गया है। जबकि होटल मालिक को गिरफ्तार किया गया है।

दतिया में 12 घंटे के बाद चक्काजाम को समाप्त किया गया, एएसपी समेत कई अधिकारी चोटिल

विश्व केसरी

दतिया। भाजपा नेता नरोत्तम मिश्रा को दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए टिकट नहीं मिलने से नाराज उनके समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई और प्रदर्शन के दौरान पथराव की घटना भी हुई। इसमें कई पुलिस अधिकारी और जवान घायल हो गए, जबकि पुलिस के कुछ वाहनों को भी नुकसान पहुंचा।

दतिया के जिलाधिकारी स्वप्निल वानखेड़े ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि करीब 12 घंटे बाद चक्का जाम समाप्त कराया गया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों को शांतिपूर्वक समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन वे हटने को तैयार नहीं थे। इसके बाद उन्हें हटाने के लिए प्रशासन की ओर से आंसू गैस के गोले दागे गए। पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। डीएसपी, एसडीओपी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) को भी चोटें आई हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी प्रदर्शनकारियों को चेतावनी दी गई है कि कोई भी व्यक्ति शांति भंग करने का प्रयास न करे। उन्होंने कहा कि प्रशासन आचार संहिता के पालन को लेकर पूरी तरह सख्त है। वानखेड़े ने कहा कि किसी राजनीतिक दल द्वारा किसे टिकट दिया जाए, यह उसका आंतरिक मामला है, लेकिन ऐसे मामलों के कारण आम लोगों को परेशानी नहीं होनी चाहिए।

बाजार बंद के आह्वान पर जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने एक दिन पहले बाजार बंद का ऐलान किया था, जिससे व्यापारी सहमत नहीं थे। इसके मद्देनजर बाजारों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी को भी जबरन बाजार बंद नहीं कराने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सीआरपीएफ की 16 कंपनियां उपलब्ध कराई गई हैं और सभी मतदाताओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

दतिया के पुलिस अधीक्षक मयूर खंडेलवाल ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि चक्का जाम करने की कोशिश की गई। बाजार खुलवा दिया गया है। प्रदर्शनकारियों को समझाया गया है। पत्थरबाजी के बाद पुलिस की ओर से आंसू गैस के गोलों का प्रयोग किया गया।

मायावती का विपक्ष पर बड़ा हमला, बोलीं-दलितों को गुमराह करने की चल रही साजिश

विश्व केसरी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को कहा कि बसपा चुनावी स्वार्थ के लिए सड़क जाम, धरना-प्रदर्शन, तोड़फोड़, हिंसा और भ्रामक प्रचार की राजनीति नहीं करती। उन्होंने कहा कि पार्टी संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के दायरे में रहकर 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की नीति पर काम करती है।

मायावती ने सोशल मीडिया पर अपने एक बयान में बिना किसी दल का नाम लिए कहा कि कुछ राजनीतिक दल और उनके संरक्षण में काम करने वाले संगठन दलितों और बहुजन समाज को उग्र आंदोलनों तथा भावनात्मक नारों के जरिए गुमराह करने में जुटे हैं। ऐसे लोग दलित हितों के नाम पर केवल राजनीतिक स्वार्थ साध रहे हैं, जबकि बसपा ने हमेशा सत्ता के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक उत्थान का रास्ता अपनाया है। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में बसपा की चार सरकारों के दौरान जनकल्याण, कानून-व्यवस्था और विकास के क्षेत्र में आदर्श शासन का उदाहरण पेश किया गया। उनके मुताबिक

बसपा ने हमेशा 'मगरमच्छ के आंसू' बहाने या अवसरवादी राजनीति करने के बजाय गरीबों, दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के हितों को प्राथमिकता दी है। बसपा प्रमुख ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी का जनाधार बढ़ता देख विरोधी दल बेचैन हैं। इसी वजह से वे विभिन्न दलित संगठनों और राजनीतिक समूहों को आगे कर बहुजन समाज को बांटने और भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने समाज से ऐसे प्रयासों के प्रति सतर्क रहने की अपील की। मायावती ने कहा कि बसपा नहीं चाहती कि बेरोजगार युवा और समाज के वंचित वर्ग अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलनों के दौरान मुकदमों, जेल या सरकारी कार्रवाई का शिकार बने।

श्रीलंका तस्करी के लिए भेजी जा रही 17 लाख रुपये की बीड़ी पत्तियां जब्त, तस्कर फरार

विश्व केसरी

थूथुकुडी। तमिलनाडु के थूथुकुडी तट पर शनिवार तड़के चलाए गए एक बड़े अभियान में क्यू ब्रांच पुलिस ने श्रीलंका तस्करी के लिए भेजी जा रही करीब 17 लाख रुपये मूल्य की बीड़ी पत्तियां जब्त की हैं। हालांकि, पुलिस की भनक लगते ही संदिग्ध तस्कर मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने यह खेप इनिगो नगर बीच के पास एक जंगलनुमा इलाके से बरामद की। खुफिया सूचना के आधार पर क्यू ब्रांच की इंस्पेक्टर विजय अनिता को जानकारी मिली थी कि बड़ी मात्रा में बीड़ी पत्तियां इनिगो नगर तटीय क्षेत्र में जमा की गई हैं, जिन्हें नाव के जरिए अवैध रूप से श्रीलंका भेजने की तैयारी थी। सूचना मिलने के बाद सब-इंस्पेक्टर रामचंद्रन के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम ने देर रात थूथुकुडी सिटी सब-डिवीजन के दक्षिण पुलिस थाना क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया। टीम में स्पेशल सब-इंस्पेक्टर रामर, इंस्पेक्टर इरुदयराज कुमार, इसाक्किमुथु तथा पुलिसकर्मी पलानी, बालामुरुगन और पेचीराज भी शामिल थे।

तलाशी के दौरान पुलिस को इनिगो नगर बीच के दक्षिणी हिस्से में जंगल के बीच छिपाकर रखी गई बीड़ी पत्तियों की बड़ी खेप मिली। जांच में 18 बंडल बरामद हुए, जिनमें प्रत्येक का वजन लगभग 30 किलोग्राम था। पुलिस के मुताबिक, इन्हें समुद्री रास्ते से श्रीलंका भेजने के लिए पूरी तरह तैयार किया गया था। पुलिस के पहुंचते ही आसपास मौजूद संदिग्ध तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। मौके से पुलिस ने एक कार्गो वाहन भी जब्त किया है, जिसका इस्तेमाल बीड़ी पत्तियों को तटीय क्षेत्र तक पहुंचाने में किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, जब्त की गई बीड़ी पत्तियों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 17 लाख रुपये है। बरामद सामान और वाहन को आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए सीमा शुल्क (कस्टम) विभाग को सौंपा जा रहा है।

उत्तराखंड में 14 जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट, भूस्खलन का खतरा बढ़ा

विश्व केसरी

देहरादून। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 11 से 14 जुलाई के बीच उत्तराखंड के कई जिलों में भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) ने सभी जिला प्रशासन को सतर्क रहने और मौसम से जुड़ी संभावित घटनाओं को लेकर हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं।

आईएमडी के अनुसार, गढ़वाल और कुमाऊं मंडल के कई जिलों में अगले चार दिनों तक कहीं-कहीं भारी बारिश, आंधी-तूफान और बिजली चमकने के साथ तेज बारिश होने की संभावना है। इसके चलते भूस्खलन, अचानक बाढ़ और जनजीवन प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र ने सभी जिला अधिकारियों को सतर्क रहने और खराब मौसम से उत्पन्न होने वाली किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। मौसम विभाग ने 11 जुलाई को देहरादून, पौडी गढ़वाल, चमोली, पिथौरागढ़, बागेश्वर, नैनीताल, उधम सिंह नगर और चंपावत जिलों में अलग-अलग भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि बारिश के कारण पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन, चट्टानें गिरने और सड़कों पर मलबा आने जैसी घटनाएं हो सकती हैं। वहीं, मैदानी इलाकों के निचले क्षेत्रों में जलभराव और यातायात प्रभावित होने की संभावना है। लगातार हो रही बारिश से राज्य के कई हिस्सों में यातायात प्रभावित हुआ है। थराली क्षेत्र के नारायणबगड़ में कर्णप्रयाग-ग्वालदम राष्ट्रीय राजमार्ग का एक हिस्सा बह जाने के कारण कुछ समय के लिए वाहनों की आवाजाही रोक दी गई थी।

मेरठ छात्रा हत्याकांड : पीड़ित परिवार से मिले अखिलेश यादव, पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल

विश्व केसरी

मेरठ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को मेरठ में हुई दलित छात्रा की हत्या के मामले में पीड़ित परिवार से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ कैराना से सपा सांसद इकरा हसन भी मौजूद थीं। अखिलेश यादव ने परिवार को न्याय दिलाने में साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया।

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि नामजद आरोपियों पर हल्की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया, जबकि न्याय की मांग कर रहे आंदोलनकारियों के खिलाफ गंभीर धाराएं लगाई गईं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता अब भाजपा के भाषण नहीं, न्याय चाहती है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'जब वो खुद ही बेलगाम है जिसके हाथ में लगाम है, तो फिर उनका क्या, जो उनके दरबार में दरबान है। उन्होंने आगे लिखा, 'मेरठ की बेटी के साथ हुए महा-अत्याचार व हत्या के बाद जिस तरह नामजद आरोपियों पर कमजोर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है और आंदोलनकारियों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा लगाया गया है, वो नाइंसाफी की पराकाष्ठा है। इससे भी अधिक गंभीर बात ये है कि जिस पुलिस से न्याय की उम्मीद होती है, उनके ही उच्चाधिकारी अन्याय और अपने अहंकार के अनवरत झापड़ आम जनता के गाल पर मार रहे हैं।

उमर अब्दुल्ला ने नेशनल कॉन्फ्रेंस को तोड़ने की साजिश का आरोप लगाया

विश्व केसरी

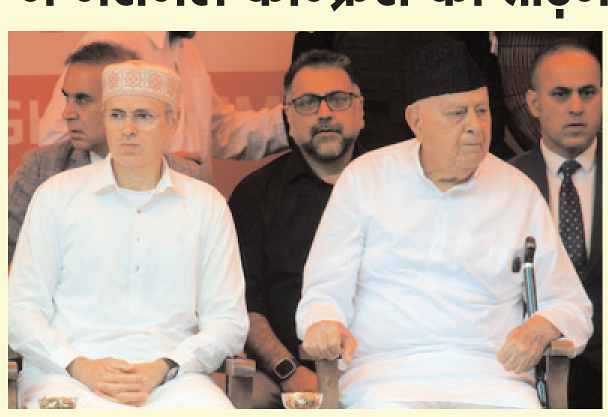

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को अपनी पार्टी को तोड़ने की साजिश का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार गिराने के लिए विधायकों को 20-30 करोड़ रुपए की पेशकश और राज्य का दर्जा देने का वादा किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि जब पैसों और मंत्री पदों की पेशकश नाकाम रही, तो अब हमारे विधायकों को लुभाने के लिए बंद दरवाजों के पीछे से कोशिशें की जा रही हैं। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि भाजपा यहां परोक्ष रूप से प्रवेश न कर सके। वह श्रीनगर के हजरतबल स्थित अपनी दादी बेगम अकबर जहां (मादर-ए-मेहरबान) के मकबरे पर उनकी 26वीं पुण्यतिथि के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री उमर ने आरोप लगाया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस में दलबदल कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि जम्मू से पार्टी के एक विधायक को पाला बदलने के लिए 20-30 करोड़ रुपए, मंत्री पद और राज्य का दर्जा देने का वादा किया गया था। ये प्रयास नेशनल कॉन्फ्रेंस को कमजोर करने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं, लेकिन हमारी पार्टी राजनीतिक दबाव के आगे नहीं झुकेगी।

उन्होंने विधायक का नाम लिए बिना कहा कि वे एक बार फिर नेशनल कॉन्फ्रेंस को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे बताया गया है कि जम्मू से हमारे एक विधायक को उनके साथ जुड़ने पर 20-30 करोड़ रुपए, मंत्री पद और राज्य का दर्जा देने का वादा किया गया था। उन्हें लगता है कि जनता की अंतरात्मा इतनी सस्ती है। हमने लगभग दो साल जम्मू और कश्मीर को टकराव के बजाय संवाद के माध्यम से राज्य का दर्जा बहाल कराने के लिए प्रयासरत हैं। मैंने बार-बार कहा है कि हम संघर्ष के बजाय संवाद के माध्यम से अपने अधिकार सुरक्षित करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि मैंने जानबूझकर केंद्र सरकार को अपने वादे पूरे करने का समय दिया। लेकिन आज हमें विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है क्योंकि कुछ तो स्पष्ट रूप से बदल गया है। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय कांग्रेस 20 जुलाई को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करेगी।

मुख्यमंत्री उमर ने जोर देकर कहा कि हम शांतिपूर्ण तरीके से राज्य का दर्जा बहाल करने की अपनी मांग को और मजबूत करेंगे, लेकिन जम्मू-कश्मीर के धैर्य को कमजोरी नहीं समझना चाहिए।

उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि परिसीमन प्रक्रिया और विधानसभा चुनाव पूरे होने के बावजूद राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा क्यों पूरा नहीं हुआ।

व्हाट्सएप यूजरनेम विवाद के बाद सरकार की बड़ी तैयारी, सभी मैसेजिंग ऐप्स के लिए बन सकते हैं एक जैसे नियम

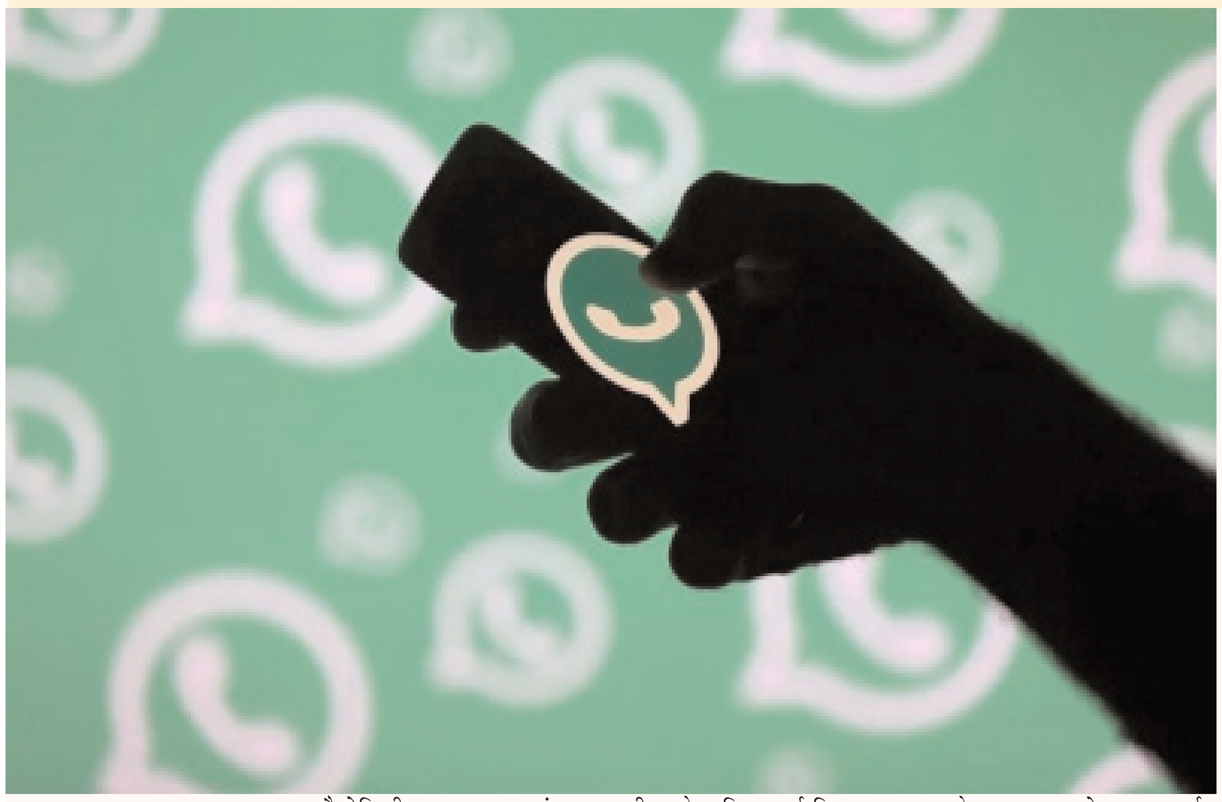

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। व्हाट्सएप के प्रस्तावित यूजरनेम फीचर को लेकर उठे विवाद के बाद केंद्र सरकार देश में संचालित सभी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स के लिए एक समान नियम (कॉमन स्टैंडर्ड) लागू करने पर विचार कर रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ऐसा साझा रेगुलेटरी फ्रेमवर्क तैयार करने पर काम कर रहा है, जो किसी एक प्लेटफॉर्म के बजाय सभी मैसेजिंग सेवाओं पर समान रूप से लागू हो।

यह पहल ऐसे समय में सामने आई है, जब सरकार ने हाल ही में व्हाट्सएप के प्रस्तावित यूजरनेम फीचर पर आपत्ति जताई। इस फीचर के जरिए यूजर्स बिना अपना मोबाइल नंबर साझा किए एक-दूसरे से बातचीत कर सकेंगे।

सरकार का कहना है कि यह सुविधा साइबर अपराधियों के लिए लोगों की पहचान का गलत इस्तेमाल करने, डिजिटल अरेस्ट जैसे ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग और प्रतिरूपण (इम्पर्सनेशन) जैसी घटनाओं को बढ़ावा दे सकती है। इसके अलावा, इससे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए जांच करना भी अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

इन्हीं चिंताओं को देखते हुए सरकार अब सभी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स के लिए एक समान नियम लागू करने पर विचार कर रही है, ताकि पूरे सेक्टर में एक जैसा नियामकीय ढांचा तैयार किया जा सके।

रिपोर्ट्स के अनुसार, अंतिम फैसला लेने से पहले केंद्र सरकार प्रमुख मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स के साथ विस्तृत चर्चा और परामर्श करेगी।

इससे पहले जुलाई में मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम ने भी अपने यूजरनेम फीचर को लेकर सरकार के नोटिस का जवाब सौंप दिया था। इससे पहले व्हाट्सएप भी अपना जवाब सरकार को दे चुका है।

यूजरनेम फीचर के जरिए यूजर बिना मोबाइल नंबर साझा किए बातचीत कर सकते हैं। हालांकि, सरकार को आशंका है कि इस सुविधा का दुरुपयोग ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, फर्जी पहचान बनाकर ठगी और तथाकथित डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों में किया जा सकता है।

सरकार ने पिछले सप्ताह व्हाट्सएप को नोटिस जारी कर इस फीचर पर गंभीर चिंता जताई थी। साथ ही कंपनी को निर्देश दिया गया था कि जब तक सरकार के साथ परामर्श प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती और वह संतुष्ट नहीं हो जाती, तब तक भारत में इस फीचर को लॉन्च न किया जाए।

व्हाट्सएप का प्रस्तावित यूजरनेम फीचर यूजर्स को मोबाइल नंबर साझा किए बिना बातचीत करने की अतिरिक्त गोपनीयता (प्राइवेसी) प्रदान करता है, लेकिन सरकार अब इसके सुरक्षा पहलुओं का व्यापक स्तर पर मूल्यांकन कर रही है।

राजस्थान: भीलवाड़ा में छह तो बांसवाड़ा में दो प्रसूताओं की मौत, अशोक गहलोत ने केंद्रीय जांच की मांग की

विश्व केसरी ■

जयपुर । राजस्थान के भीलवाड़ा स्थित महात्मा गांधी सरकारी अस्पताल में पांच दिनों के भीतर छह और बांसवाड़ा में दो प्रसूताओं की मौत ने राज्य की सरकारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में संक्रमण नियंत्रण और मरीजों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

अस्पताल प्रशासन की ओर से ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में संक्रमण का पता चलने की पुष्टि की गई है। इस बात की जांच की जा रही है कि क्या इससे मौतों में कोई भूमिका रही है?

शुक्रवार को हुई एक और महिला की मौत के साथ 6 जुलाई से भीलवाड़ा में जान गंवाने वाली महिलाओं की संख्या छह हो गई है। इन महिलाओं की हालत बिगड़ने से पहले उनका सी-सेक्शन (ऑपरेशन से) प्रसव हुआ था। संक्रमण की खबरों के बाद प्रभावित ऑपरेशन थिएटर में सर्जरी रोक दी गई और एहतियात के तौर पर कई मरीजों को दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट कर दिया गया।

अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन थिएटर, सर्जिकल उपकरणों और मशीनों के सैंपल माइक्रोबायोलॉजिकल जांच के लिए भेजे गए हैं। मौतों की जांच करने और संक्रमण नियंत्रण व अस्पताल के नियमों में किसी भी तरह की चूक का पता लगाने के लिए एक जांच समिति भी बनाई गई है।

इस घटना ने अस्पताल के इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। खबरों के मुताबिक, अस्पताल में हर दिन 30 से 40 सिजेरियन सर्जरी होती हैं, जबकि वहां सर्जिकल सेट सिर्फ पांच ही हैं, जिससे स्टरलाइजेशन (कीटाणु-मुक्त करने की प्रक्रिया) और संक्रमण प्रबंधन को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

इस मामले की जांच के लिए पांच सदस्यों की एक टीम बनाई गई है और उन्हें दिए गए इंजेक्शन के सैंपल भी इकट्ठा किए गए हैं।

वहीं, बांसवाड़ा में भी शुक्रवार को दो प्रसूताओं की मौत हो गई। सी-सेक्शन सर्जरी के बाद प्रसूताओं ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया था। एक महिला को एनीमिया (खून की कमी) था, जबकि दूसरी महिला को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या थी। इससे पहले कोटा, बीकानेर और जोधपुर में भी ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इन मौतों को 'दिल दहलाने वाला और बेहद चिंताजनक' बताया और आरोप लगाया कि ये राज्य की स्वास्थ्य प्रणाली में गंभीर कमियों को दर्शाती हैं। पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए गहलोत ने कहा कि ओटी में संक्रमण की खबरों के बावजूद सिजेरियन सर्जरी जारी रखना और सिर्फ पांच सर्जिकल सेट के साथ रोजाना 30-40 सर्जरी करना 'घोर लापरवाही और बिगड़ती स्वास्थ्य प्रणाली' की ओर इशारा करता है। गहलोत ने कहा, 'भीलवाड़ा और बांसवाड़ा में प्रसव के बाद महिलाओं की मौत दिल दहलाने वाली और बहुत चिंताजनक है।

बच्चों पर 'परफेक्ट बनने' का दबाव बेहद खतरनाक, 'पुशी पेरेंटिंग' मेंटल हेल्थ करता है खराब

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज के समय में हर माता-पिता अपने बच्चे को सबसे बेहतर देखना चाहते हैं, लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब माता-पिता अपनी इन उम्मीदों को बच्चों पर थोपने लगते हैं और उन्हें 'परफेक्ट' बनने के लिए मजबूर करते हैं। इसे साइकोलॉजिकल भाषा में 'पुशी पेरेंटिंग' कहा जाता है। यह देखने में बाहर से भले ही अनुशासन और सफलता जैसी दिखे, लेकिन अंदर ही अंदर यह बच्चे के मानसिक विकास के लिए खतरनाक है।

मनोविज्ञान के अनुसार, पुशी पेरेंटिंग का मतलब है बच्चे पर अपनी इच्छाएं थोपना और उसे हमेशा परफेक्ट बनने के लिए मजबूर करना। इसमें देखने में लगता है कि बच्चा अच्छा कर रहा है, लेकिन अंदर ही अंदर वह तनाव महसूस करता रहता है। बच्चा खेल, सीखने और खुशी से ज्यादा केवल परफॉर्मेंस के बारे में सोचने लगता है।

पुशी पेरेंटिंग में माता-पिता हमेशा बच्चे से सबसे ज्यादा नंबर या हर काम में नंबर वन आने की उम्मीद करते हैं। अगर बच्चा अच्छे नंबर भी ले आए, लेकिन टॉप नहीं कर पाया, तो उसे डांट मिलती है। इससे बच्चे को लगने लगता है कि उसकी मेहनत की कोई कीमत नहीं है। धीरे-धीरे उसके अंदर डर पैदा हो जाता है। वह खुद को तभी अपनाता है जब वह दूसरों की उम्मीदों पर खरा उतरता है।

पुशी पेरेंटिंग के दूसरे संकेत में

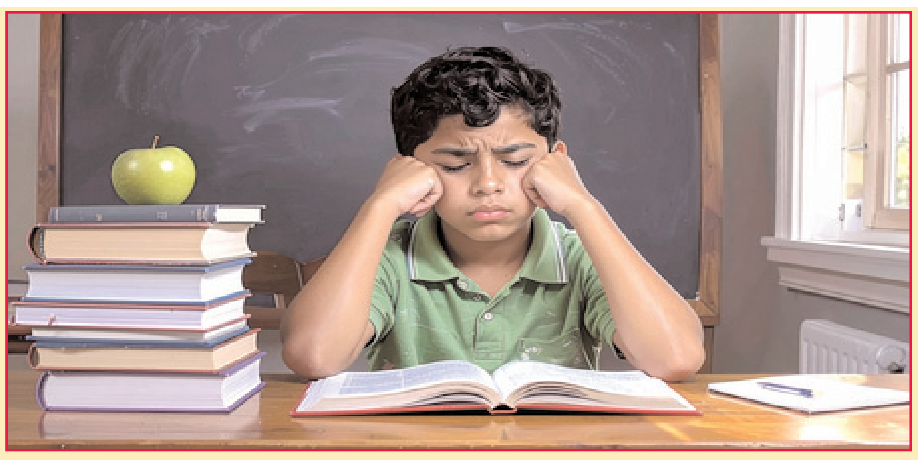

बच्चे की पसंद को नजरअंदाज कर दिया जाता है। कई बार बच्चे को किसी खेल, कला या शौक में रुचि होती है, लेकिन माता-पिता उसे अपनी मर्जी के करियर या पढ़ाई की तरफ धकेलते हैं। इससे बच्चा अपनी खुशी और रुचि को दबाने लगता है और केवल वही करने की कोशिश करता है जिससे माता-पिता खुश हों।

इसके अलावा, जब बच्चों की तुलना दूसरों से की जाती है, तो यह आदत बच्चे के आत्मविश्वास को कमजोर कर देती है। वह खुद को दूसरों से कम समझने लगता है और धीरे-धीरे उसके मन में हीन भावना आ सकती है। मनोवैज्ञानिक इसे सेल्फ-डाउट पैटर्न कहते हैं, जिसमें बच्चा खुद पर भरोसा करना छोड़ देता है।

अक्सर देखा जाता है कि माता-पिता बच्चे के हर छोटे-बड़े फैसले खुद लेने लगते हैं। जैसे क्या पहनना है, क्या खाना है, किससे दोस्ती करनी है या खाली समय में क्या करना है।

यूजरनेम फीचर पर टेलीग्राम ने सरकार के नोटिस का भेजा जवाब, आईटी मंत्रालय कर रहा है समीक्षा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम ने अपने 'यूजरनेम' फीचर को लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) द्वारा जारी नोटिस का जवाब भेज दिया है। सूत्रों के मुताबिक, इससे पहले व्हाट्सऐप भी सरकार को अपना जवाब सौंप चुका है।

सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार फिलहाल टेलीग्राम और व्हाट्सऐप दोनों कंपनियों की ओर से भेजे गए जवाबों की समीक्षा कर रही है।

दरअसल, यूजरनेम फीचर के जरिए उपयोगकर्ता अपना मोबाइल नंबर साझा किए बिना दूसरे लोगों से बातचीत कर सकते हैं। सरकार को आशंका है कि इस सुविधा का गलत इस्तेमाल ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, पहचान की नकल और तथाकथित 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे साइबर अपराधों के लिए किया जा सकता है।

इससे पहले व्हाट्सऐप ने भी अपने प्रस्तावित यूजरनेम फीचर को लेकर सरकार के नोटिस का

जवाब दिया था। फिलहाल मंत्रालय उसकी ओर से दी गई जानकारी की भी जांच कर रहा है।

पिछले सप्ताह मंत्रालय ने व्हाट्सऐप को नोटिस जारी कर कहा था कि प्रस्तावित यूजरनेम फीचर से ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग, डिजिटल अरेस्ट और पहचान की चोरी जैसे मामलों में बढ़ोतरी हो सकती है।

सरकार ने व्हाट्सऐप को यह भी निर्देश दिया था कि जब तक इस मुद्दे पर सरकार पूरी तरह संतुष्ट नहीं हो जाती, तब तक वह भारत में यूजरनेम फीचर लॉन्च न करे।

प्रस्तावित फीचर के तहत उपयोगकर्ता अपना मोबाइल नंबर बताए बिना ही व्हाट्सऐप पर बातचीत कर सकेंगे, जिससे उनकी गोपनीयता और बढ़ेगी।

इस सप्ताह की शुरुआत में आईटी सचिव एस. कृष्णन ने कहा था कि उन्हें गुरुवार तक व्हाट्सऐप का जवाब मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने यह भी पुष्टि की थी कि सरकार ने टेलीग्राम और सिग्नल को भी उनके यूजरनेम फीचर को लेकर इसी तरह के नोटिस भेजे हैं। सरकार ने इन प्लेटफॉर्म्स से पूछा है कि धोखाधड़ी और पहचान की चोरी के जोखिम को रोकने के लिए उन्होंने कौन-कौन से सुरक्षा उपाय अपनाए हैं।

एस. कृष्णन ने कहा था, 'हम नोटिस के जवाब का इंतजार करेंगे। उसके बाद कंपनियों की ओर से दी गई जानकारी के आधार पर आगे का फैसला लिया जाएगा। 'इस बीच, केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में मंत्रालय के अधिकारियों को मेटा से भी जवाब मांगने का निर्देश दिया था। यह मामला इंस्टाग्राम पर कथित तौर पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी विज्ञापन सामग्री के पाए जाने से संबंधित है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर एचएलएल की नई पहल, स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा बढ़ाया

विश्व केसरी ■

तिरुवनंतपुरम। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर केंद्र सरकार की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि अब वह सिर्फ जनसंख्या नियंत्रण तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि लोगों के बेहतर स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान देगी। हालांकि कंपनी देश के परिवार नियोजन कार्यक्रम में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका पहले की तरह निभाती रहेगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत आने वाली मिनी रत्न कंपनी एचएलएल ने कहा कि अब उसका मुख्य फोकस रोकथाम आधारित स्वास्थ्य सेवाएं, सस्ती चिकित्सा सुविधाएं और नई स्वास्थ्य तकनीकों को बढ़ावा देना है, ताकि खासकर

महिलाओं और युवाओं का स्वास्थ्य बेहतर बनाया जा सके।

कंपनी ने कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस 2026 हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ समाज बनाने के लिए लोगों, खासकर युवाओं के स्वास्थ्य में निवेश करना बहुत जरूरी है। कंपनी आगे भी सस्ती, अच्छी गुणवत्ता वाली और सभी की पहुंच में आने वाली स्वास्थ्य सेवाएं और उत्पाद विकसित करती रहेगी।

एचएलएल ने बताया कि वह लंबे समय से परिवार नियोजन कार्यक्रम के लिए काम कर रही है और अब उसने अपने स्वास्थ्य सेवाओं के दायरे को भी काफी बढ़ा दिया है। कंपनी अब कंडोम, गर्भनिरोधक गोलियां, इमरजेंसी गर्भनिरोधक गोलियां, प्रेग्नेंसी टेस्ट किट, कॉपर-टी (आईयूसीडी) और मातृ स्वास्थ्य से जुड़े कई उत्पाद तैयार कर रही है।

इसके अलावा, कंपनी ने पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए 'हैप्पीडेज अर्थ' नाम का ऐसा सैनिटरी पैड विकसित किया है, जो आसानी से नष्ट हो जाता है और प्लास्टिक कचरे व माइक्रोप्लास्टिक को कम करने में मदद करता है। यह नया उत्पाद बीआईएस-2025 मानकों के अनुरूप है।

एचएलएल ने सिर्फ उत्पाद बनाने तक ही खुद को सीमित नहीं रखा है, बल्कि एमरिट फार्मेसी और हिंडलैब्स के जरिए देशभर में सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध करा रही है।

मीठा खाने का भी होता है सही समय, वरना बढ़ सकती है ब्लड शुगर और वजन की परेशानी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। त्योहार, शादी-ब्याह, जन्मदिन या कोई भी खुशी का मौका बिना मीठे के अधूरा लगता है। लेकिन डॉक्टरों की मानें तो, मीठा खाने का एक सही समय होता है, जिसको लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। गलत समय पर खाया गया मीठा ब्लड शुगर बढ़ने का कारण बनता है और धीरे-धीरे वजन भी बढ़ने लगता है।

कई लोग सुबह उठते ही मिठाई, चॉकलेट, बिस्कुट या मीठी चीजें खा लेते हैं। ऐसा करना शरीर के लिए नुकसादायक हो सकता है। खाली पेट मीठा खाने से उसमें

मौजूद चीनी बहुत जल्दी खून में पहुंच जाती है। इससे ब्लड शुगर तेजी से बढ़ता है। कुछ समय बाद यह अचानक नीचे भी आ जाता है। इस वजह से जल्दी भूख लगती है, कमजोरी महसूस होती है और बार-बार कुछ मीठा खाने का मन भी करता है।

इसके मुकाबले, अगर मीठा खाना खाने के बाद खाया जाए तो शरीर उसे बेहतर तरीके से संभाल लेता है। जब हम पहले दाल, रोटी, सब्जी, चावल, सलाद या दूसरी पौष्टिक चीजें खाते हैं, तब शरीर को फाइबर, प्रोटीन और दूसरे जरूरी पोषक तत्व मिल जाते हैं। ये चीजें मीठे में मौजूद चीनी को धीरे-धीरे शरीर में पहुंचने देती हैं। इससे ब्लड शुगर एकदम से नहीं बढ़ती और शरीर पर ज्यादा दबाव भी नहीं पड़ता। इसलिए डॉक्टर भी यही सलाह देते हैं कि अगर मीठा खाना हो तो उसे भोजन के बाद थोड़ी मात्रा में खाना बेहतर होता है।

खट्टे फलों का बादशाह चकोतरा, स्वाद और पोषण दोनों में लाजवाब

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। चकोतरा, जिसे वैज्ञानिक भाषा में साइट्रस मैक्सिमा कहा जाता है, खट्टे फलों की श्रेणी में सबसे बड़ा और खास फल माना जाता है। इसे अंग्रेजी में पोमेलो भी कहते हैं। यह फल जितना बड़ा होता है, उतना ही सेहत के लिए फायदेमंद भी होता है। अपनी खास बनावट, रसीले गूदे और पोषक तत्वों की वजह से इसे 'खट्टे फलों का बादशाह' भी कहा जाता है।

चकोतरे एक सदाबहार पेड़ होता है और आमतौर पर 5 से 15 मीटर तक ऊंचा हो सकता है। इसकी पत्तियां हरी और चमकदार होती हैं और इसमें सुगंधित फूल भी लगते हैं, जिनका उपयोग इत्र बनाने में किया जाता है। इसका फल आकार में बहुत बड़ा होता है और कभी-कभी इसका वजन 2 किलो तक भी पहुंच जाता है। यह फल गोल या नाशपाती के आकार का होता है और पकने पर इसका रंग पीला, नारंगी या हल्का लाल हो सकता है।

चकोतरे का छिलका काफी मोटा और स्पंजी होता है, जिसे छीलना थोड़ा मेहनत का काम लगता है, लेकिन अंदर का हिस्सा बेहद रसीला और स्वादिष्ट होता है। इसका गूदा बड़े-बड़े टुकड़ों में होता है, जो हल्का मीठा और हल्का खट्टा स्वाद देता है। कुछ किस्मों में हल्की कड़वाहट भी महसूस हो सकती है।

पोषण के लिहाज से चकोतरा किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो शरीर की इम्युनिटी को मजबूत बनाता है और बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है। इसके अलावा, इसमें फाइबर भी अच्छी मात्रा में होता है, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर को अंदर से साफ रखने और कोशिकाओं को नुकसान से बचाने में सहायक होते हैं। चकोतरे का उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में भी किया जाता रहा है। लोग इसे खांसी, बुखार और पेट की समस्याओं में फायदेमंद मानते हैं।

हेली मैथ्यूज का शतक, वेस्टइंडीज ने पहले वनडे में आयरलैंड को 9 विकेट से हराया

विश्व केसरी

ब्रेडी। वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम ने शुक्रवार को ब्रेडी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए पहले वनडे में आयरलैंड को 9 विकेट से हरा दिया। वेस्टइंडीज की इस बड़ी जीत में कप्तान हेली मैथ्यूज ने गेंद और बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने तीन वनडे मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

मैच पर नजर डालें तो, वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया था। आयरलैंड की महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49 ओवर में सभी 10 विकेट खोकर 269 रन बनाए थे। आयरलैंड के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आईं विकेटकीपर बल्लेबाज एमी हंटर ने 90 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 96 रनों की पारी खेली थी। इसके अलावा कप्तान गेबी लेविस ने 39 रन बनाए थे। ओर्ला प्रेंडरगैस्ट ने 30 और लुइस लिटिल ने 27 रन बनाए थे।

वेस्टइंडीज के लिए एफी फ्लेचर ने 10 ओवर में 49 रन देकर 4, और हेली मैथ्यूज ने 10 ओवर में 52 रन देकर 3 विकेट लिए। जैनिलेया ग्लासगो और करिश्मा रामहरक को 1-1 विकेट मिला।

270 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी वेस्टइंडीज के लिए कप्तान हेली मैथ्यूज और रीलियाना ग्रिमंड ने शानदार शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 258 रन की साझेदारी की। वेस्टइंडीज महिला टीम की तरफ से वनडे फॉर्मेट की ये सबसे बड़ी साझेदारी है। मैथ्यूज 123 गेंदों पर 2 छक्के और 24 चौकों की मदद से 159 रन बनाकर नाबाद रहीं।

मैथ्यूज का यह 11वां वनडे शतक था और वनडे की सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी थी। ग्रिमंड अपना शतक चूक गईं। वह 107 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से 91 रन बनाकर आउट हुईं। स्टेफनी टेलर 2 रन पर नाबाद रहीं।

मैथ्यूज को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

एशियन गेम्स से पहले अनिमेष कुजूर ने बनाया नया रिकॉर्ड, 10.14 सेकंड में पूरी की 100 मीटर की दौड़

विश्व केसरी

वेट्जलर । भारत के युवा धावक अनिमेष कुजूर ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 100 मीटर दौड़ में नया मुकाम हासिल किया है। ओडिशा के इस धावक ने शनिवार को प्यूमा फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स 2026 मीट में पुरुषों की 100 मीटर फाइनल रेस में 10.14 सेकंड का अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकाला।

अनिमेष विदेशी धरती पर 100 मीटर की रेस को सबसे तेज पूरा करने वाले भारतीय एथलीट बने हैं। इसके साथ ही वह भारत की तरफ से गुरिंदरवीर सिंह के बाद 100 मीटर की रेस को सबसे तेज पूरा करने वाले खिलाड़ी बने हैं। गुरिंदरवीर 100 मीटर की रेस को 10.09 सेकंड में पूरा कर चुके हैं और उनके नाम नेशनल रिकॉर्ड दर्ज है। अनिमेष ने प्रतियोगिता की शुरुआत भी शानदार तरीके से की थी। उन्होंने दिन में हुई 100 मीटर हीट रेस को 10.19 सेकंड के समय के साथ जीतकर फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद फाइनल में उन्होंने अपने प्रदर्शन को और बेहतर किया और अपना पिछला व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 10.15 सेकंड का रिकॉर्ड तोड़ते हुए रेस को 10.14 सेकंड में पूरा किया।

पुरुषों की 200 मीटर दौड़ के नेशनल रिकॉर्ड धावक अनिमेष अब भारत के सबसे तेज धावकों में शामिल हो गए हैं। भारत की ओर से 100 मीटर की रेस को सबसे कम समय में पूरा करने वाली लिस्ट में अनिमेष के तीन प्रदर्शन शामिल हैं। गुरिंदरवीर सिंह के 10.09 सेकंड के रिकॉर्ड के बाद अनिमेष का 10.14 सेकंड, 10.15 सेकंड और 10.18 सेकंड का समय शामिल है।

अनिमेष की 100 मीटर में सफलता उनके लगातार सुधार का नतीजा है। जून में इंटर-स्टेट नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने एशियन गेम्स के लिए 200 मीटर स्पर्धा में क्वालीफाई किया था। उन्होंने उस रेस को 20.74 सेकंड में पूरा किया था, जो एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के 20.88 सेकंड के क्वालीफाइंग मानक से बेहतर था।

क्वालिफाइंग मार्क आसानी से हासिल करने के बावजूद अनिमेष ने माना कि वह टाइमिंग से खुश नहीं थे। उन्होंने कहा कि क्वालिफिकेशन ही उनका एकमात्र लक्ष्य था। रेस के बाद उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो, मैं यहां टाइमिंग के लिए नहीं था। मेरा लक्ष्य आइडिया एशियन गेम्स के लिए क्वालिफिकेशन मार्क हासिल करना था। अब जब मैंने इसे हासिल कर लिया है, तो मैं एशियन गेम्स से पहले बेहतर करने पर फोकस करूंगा।

200 मीटर में अनिमेष का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 20.32 सेकंड है, जो भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। हाल के समय में उन्होंने 100 मीटर में भी लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने दो बार इस स्पर्धा में भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। हालांकि बाद में गुरिंदरवीर सिंह ने 10.09 सेकंड के समय के साथ नया नेशनल रिकॉर्ड अपने नाम किया था।

फ्रांस को स्पेन से डरना चाहिए, हमने उन्हें पहले भी हराया है: लामिन यामल

विश्व केसरी

लॉस एंजिल्स । बेल्जियम को 2-1 से हराकर स्पेन ने साल 2010 के बाद पहली बार फीफा वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। सेमीफाइनल मुकाबले में अब स्पेन की भिड़ंत फ्रांस से होगी। इस मैच से पहले ही स्पेन के युवा स्टार लामिन यामल ने फ्रांस को खुली चुनौती दी है।

यामल का कहना है कि स्पेन किसी भी टीम से नहीं डरता और अगर किसी को डरना चाहिए तो वह फ्रांस है। उनके मुताबिक, स्पेन ने हाल के बड़े मुकाबलों में फ्रांस को हराया है और इस बार भी टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगी। बेल्जियम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में यामल का प्रदर्शन शानदार रहा और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

यामल ने कहा कि टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से ही सभी लोग स्पेन और फ्रांस के बीच मुकाबला देखना चाहते थे। उन्होंने कहा, 'हम इस मैच को लेकर बहुत उत्साहित हैं। मुझे लगता है कि इस समय टूर्नामेंट की दो सबसे मजबूत टीमें आमने-सामने होंगी।' यामल ने साफ कहा कि स्पेन अपने आक्रामक खेल में कोई बदलाव नहीं करेगा। यामल ने कहा कि टीम हमेशा की तरह गेंद पर नियंत्रण रखते हुए अटैकिंग फुटबॉल खेलेगी।

18 वर्षीय खिलाड़ी के अनुसार, फ्रांस मजबूत टीम है, लेकिन स्पेन अपनी पहचान नहीं बदलेगा। उन्होंने कहा, 'हम उसी अंदाज में खेलेंगे, जैसा हमेशा खेलते आए हैं। हमें भरोसा है कि हमारा खेल हमें जीत दिला सकता है।' फ्रांस को लेकर यामल ने बड़ा बयान देते हुए कहा, 'अगर किसी टीम को डरना चाहिए तो वह फ्रांस है, क्योंकि हमने उन्हें पहले भी हराया है।'

उन्होंने पिछले साल खेले गए यूरो 2024 के सेमीफाइनल की याद दिलाई, जहां स्पेन ने फ्रांस को 2-1 से हराया था। उस मैच में सिर्फ 16 साल के यामल ने शानदार लंबी दूरी का गोल कर पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इसके बाद डैनी ओल्मो के विजयी गोल के बूते स्पेन ने फाइनल जीतकर यूरोपीय चैंपियन बना था।

यामल का मानना है कि उस जीत से स्पेन के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछली सफलताएं टीम को बड़े मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा देती हैं।

फीफा वर्ल्ड कप: इतिहास रचने उतरेगा नॉर्वे, दूसरी बार खिताब जीतना इंग्लैंड का मकसद

विश्व केसरी

मियामी । फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में रविवार को भारतीय समय के अनुसार देर रात 2.30 बजे से इंग्लैंड और नॉर्वे के बीच क्वार्टर फाइनल मैच खेला जाना है। दोनों टीमें मियामी स्टेडियम में निर्णायक मैच को जीतकर 'अर्जेंटीना बनाम स्विट्जरलैंड' मैच की विजेता के साथ सेमीफाइनल में भिड़ने की तैयारी करेंगी।

नॉर्वे ने फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में पहली बार क्वार्टर-फाइनल में पहुंचकर फीफा वर्ल्ड कप 2026 की एक यादगार कहानी लिखी है। स्टेल सोलबक्केन की टीम 'ग्रुप-आई' में फ्रांस के बाद दूसरे स्थान पर रही और फिर अपने पहले वर्ल्ड कप नॉकआउट मुकाबलों में दो बड़ी जीत हासिल कीं।

दोनों मुकाबलों में एर्लिंग हालैंड नॉर्वे के हीरो रहे; जिन्होंने 'राउंड ऑफ 32' में कोटे डी आइवर के खिलाफ देर से विनिंग गोल किया और फिर 'राउंड ऑफ 16' में 5 बार की चैंपियन ब्राजील के खिलाफ दो गोल करके नॉर्डिक देश को टूर्नामेंट में और आगे पहुंचाया।

वहीं, फीफा वर्ल्ड कप 1966 की चैंपियन इंग्लैंड ने क्रोएशिया, घाना और पनामा से आगे रहते हुए 'ग्रुप-एल' में टॉप किया, लेकिन क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी। 'थ्री लायंस' ने 'राउंड ऑफ 32' में डीआर कांगो के खिलाफ एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी की और हैरी केन के दो देर से किए गए गोल की बदौलत 2-1 से जीत हासिल की। ?इसके बाद उन्होंने सह-मेजबान मैक्सिको के खिलाफ 3-2 से जीत दर्ज की, जिसमें जूड बेलिंगहम ने दो गोल किए, जबकि उन्होंने दूसरे हाफ का ज्यादातर समय 10 खिलाड़ियों के साथ खेला था।

इससे पहले नॉर्वे और इंग्लैंड का वर्ल्ड कप में पहले कभी आमना-सामना नहीं हुआ है, लेकिन वे पहले 12 बार एक-दूसरे का सामना कर चुके हैं, जिसमें 1982 और 1994 टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग मैच भी शामिल हैं। दोनों देशों के बीच हालिया मुकाबला 2014 में एक इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच में हुआ था, जिसे इंग्लैंड ने वेम्बली में वेन रूनी की पेनाल्टी की बदौलत 1-0 से जीता था।

इंग्लैंड की टीम:

गोलकीपर: जॉर्डन पिकफोर्ड, डीन हेंडरसन, जेम्स ट्रैफर्ड।

डिफेंडर: एजरी कोन्सा, निको ओ'रैली, जॉन स्टोन्स, मार्क गुएही, टीनो लिवरामेंटो, डैन बर्न, रीस जेम्स, जेड स्पेंस, जेरेल क्वांसाह।

दीप्ति शर्मा ने स्मृति मंधाना की बैटिंग को सराहा, बोलीं- टॉप ऑर्डर की बल्लेबाजों ने रखी मजबूत नींव

विश्व केसरी

लंदन । भारत और इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के बीच लॉर्ड्स के मैदान पर एकमात्र टेस्ट मैच खेला जा रहा है। दीप्ति शर्मा ने शुक्रवार को पहली पारी में शानदार बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली, जिसके बूते भारतीय टीम 285 रनों के टोटल तक पहुंचने में सफल रही। दीप्ति ने टीम के शानदार प्रदर्शन का श्रेय टॉप ऑर्डर की बल्लेबाजों को दिया है। उन्होंने स्मृति मंधाना की खासतौर पर सराहना की।

भारतीय टीम की ओर से स्मृति मंधाना ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 83 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, जेमिमा रोड्रिग्स ने 35 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 58 रनों का योगदान दिया। दीप्ति ने भी शानदार बैटिंग करते हुए 87 गेंदों में 57 रनों की दमदार पारी खेली। दिन का खेल खत्म होने से पहले भारतीय गेंदबाजों ने बेहतरीन शुरुआत की और टैमी ब्यूमोंट को महज 2 रनों के स्कोर पर पवेलियन भेजा। इंग्लैंड ने एक विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 21 रन लगा लिए हैं।

मैच के बाद दीप्ति शर्मा ने कहा कि उन्हें खुशी है कि वह टीम के लिए अहम समय पर उपयोगी पारी खेल सकीं।

उन्होंने कहा कि उनकी साझेदारी तभी संभव हो सकी क्योंकि टॉप ऑर्डर की बल्लेबाजों ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। दीप्ति ने कहा, 'हमारे टॉप ऑर्डर ने शानदार बल्लेबाजी की।

एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स: दूसरे दिन भारतीय एथलीटों ने तीन कांस्य पदक जीते

विश्व केसरी

नई दिल्ली। चीन के ओर्डोस में आयोजित एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 के दूसरे दिन भारतीय एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन कांस्य पदक अपने नाम किए। मिडिल-डिस्टेंस धावकों शकील और भूमेश्वरी देवी हुइड्रोम ने 800 मीटर स्पर्धाओं में कांस्य जीतकर भारत का खाता खोला, जबकि स्प्रिंटर अभय सिंह ने पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में तीसरा कांस्य पदक दिलाया।

पुरुषों की 800 मीटर स्पर्धा में शकील ने 1 मिनट 48.78 सेकंड का समय निकालते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। भारत के ही विनोद कुमार बी भी फाइनल में उतरे, लेकिन 1 मिनट 49.10 सेकंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रह गए और पदक से मामूली अंतर से चूक गए।

महिलाओं की 800 मीटर दौड़ में भूमेश्वरी देवी हुइड्रोम ने 2 मिनट 10.20 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में भारत की दूसरी धाविका वैष्णवी राजेंद्र रावल 2 मिनट 10.83 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। उज्बेकिस्तान की जॉनबीबी हुकमोव ने 2 मिनट 8.41 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि जापान की कुरुमी सुगुरे ने रजत पदक अपने नाम किया।

पुरुषों की 200 मीटर स्पर्धा में अभय सिंह ने 20.96 सेकंड का समय निकालते हुए कांस्य पदक हासिल किया। यूथ नेशनल रिकॉर्ड धारक अभय इससे पहले पेरिस पैरालिंपिक में पदक विजेता सिमरन शर्मा के गाइड रनर भी रह चुके हैं। इस स्पर्धा का स्वर्ण चीन के यूवेन हुआंग (20.43 सेकंड) और रजत जापान के कोटा उएमात्सु (20.58 सेकंड) ने जीता। अन्य स्पर्धाओं में भारत के शारूक खान पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में 9:14.14 के समय के साथ चौथे स्थान पर रहे।

वहीं अभिजीत संजय भोसले डेकाथलॉन में 6610 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे। इससे पहले, पहले दिन भारतीय दल ने शानदार शुरुआत करते हुए मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीता था। आस्तिक प्रधान, सैंड्रामोल साबू, सेतु मिश्रा और श्रावणी सचिन सांगले की चौकड़ी ने 3:18.64 का समय निकालकर चीन और फिलीपींस को पीछे छोड़ा था।

अचंत शरत कमल: विरासत में मिला टेबल टेनिस का खेल, 4 साल की उम्र में शुरू की ट्रेनिंग, कॉमनवेल्थ गेम्स में जीते 13 पदक

विश्व केसरी

नई दिल्ली। टेबल टेनिस के खेल में जब दिग्गज खिलाड़ियों का जिक्र होता है, तो भारत के अचंत शरत कमल का नाम शान से लिया जाता है। चार साल की उम्र में शरत ने टेबल टेनिस की ट्रेनिंग शुरू कर दी थी। उन्होंने भारत के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स में कुल मिलाकर 13 पदक जीते। वह 10 बार सीनियर नेशनल चैंपियन रहे, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड है। शरत कमल का जन्म 12 जुलाई, 1982 को चेन्नई में हुआ। शरत को टेबल टेनिस का खेल विरासत में मिला। शरत के पिता श्रीनिवास राव और चाचा मुरलीधर राव राज्य-स्तरीय खिलाड़ी और कोच रहे। यही वजह रही कि शरत की टेबल टेनिस की ट्रेनिंग महज 4 साल की उम्र से ही शुरू हो गई। अपनी कड़ी मेहनत के दम पर शरत ने जल्द ही इस खेल की बारीकियों से तालमेल बैठा लिया। शरत पढ़ाई में भी काफी अच्छे थे, लेकिन उन्होंने आखिर में टेबल टेनिस की दुनिया में अपना करियर बनाने का फैसला लिया।

शरत को साल 2002 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारत की 16 सदस्यीय टीम में पहली बार चुना गया और फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अपने दमदार खेल के बूते वह विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाते चले गए। वह साल 2003 में पहली बार नेशनल टेबल टेनिस चैंपियन बने। शरत अपने करियर के दौरान 10 बार सीनियर नेशनल चैंपियन रहे और वह यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के एकमात्र खिलाड़ी हैं। 2004 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में शरत ने अपना पहला इंटरनेशनल पदक जीता।

कॉमनवेल्थ गेम्स में शरत का सबसे ज्यादा दबदबा देखने को मिला। भारतीय खिलाड़ी ने इस इवेंट में कुल मिलाकर 13 पदक जीते, जिसमें 7 स्वर्ण पदक शामिल रहे। साल 2006 और 2022 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में शरत का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला, जहां उन्होंने पुरुष एकल में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। एकल के साथ-साथ युगल में भी शरत ने देश को कई पदक दिलाए।

2004 एथेंस ओलंपिक शरत के करियर का पहला ओलंपिक रहा। शरत ने अपने करियर में कुल 5 ओलंपिक में हिस्सा लिया। पेरिस ओलंपिक में शरत भारतीय दल के ध्वजवाहक भी रहे।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित

समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415